जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, रविवार 11 अक्टूबर, 2026

KEDIA™ Pavitra

आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

देशी चक्की आटा

मेहनत की रोटी

पवित्र

होनी चाहिए

~~₹ 500~~ ₹ 400

दुकान हो या सुपरमार्केट कॉल लगाओ, पवित्र मँगाओ 1800-120-2727

आटा । दलिया । सूजी । बेसन । सत्तू । दाल । चावल । खड़े, पीसे एवं ब्लेंडेड मसाले। हींग। कुकिंग ऑयल । ड्राई फ्रूट्स । फ्लेवर्ड मखाना । गुड़ । मिश्री । सेंधा नमक । पोहा और चाय सहित कम्प्लीट किचन बास्केट

नजदीकी रिटेलर, सुपरमार्केट और Zepto पर उपलब्ध !

RERA No. RAJ/P/2023/2387

इतिहास में पहली बार रियल एस्टेट में

क्लीयरेंस सेल

10 लाख का फ्लैट डिस्काउंट

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

FLAT STARTS ~~74 Lacs~~ @64 Lacs | KOTHI STARTS ~~1.175 Cr~~ @1.075 Cr

AJMER ROAD JAIPUR

RERA No.: RAJ/P/2023/2387

Kedia's THE KOTHI
भव्य•उत्कृष्ट•श्रेष्ठ

KOTHI STARTS ~~50 Lacs~~ @40 Lacs

SIRSI ROAD JAIPUR

RERA No.: RAJ/P/2021/1523

A Project By Kedia
THE KUNBA
बड़े परिवारों के लिए

SHOP ~~30 Lacs~~ @20 Lacs | KOTHI STARTS ~~70 Lacs~~ @60 Lacs

PRATAP NAGAR JAIPUR

RERA No. RAJ/P/2022/1900

KEDIA'S Corporate Club
RESIDENTIAL APARTMENTS

2BHK ~~37 Lacs~~ @27 Lacs | 3BHK ~~45 Lacs~~ @35 Lacs

VAISHALI EXTENSION JAIPUR

RERA No.: RAJ/P/2017/178

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

ईश्वर आपत्तियों का भला करे क्योंकि इन्हीं से मित्र और शत्रु की पहचान होती है। -अज्ञात

पुस्तक खोलने से पहले उजाले का प्रबंध करना पड़ता है

कुछ साथियों की सलाह है कि मैं अपने जीवन के कुछ पचड़े यहाँ साझा करता रहूँ। आज की चर्चा उसी का एक अंश है।

पुस्तक खोलने से पहले उजाले का प्रबंध करना पड़ता था। बत्ती को नाखून से खुरचकर ठीक करो। मिट्टी के तेल की शीशी तिरछी करके देखो कि उसमें कितना तेल बचा है। चिमनी पर कालिख जमी हो तो पुराने कपड़े से रगड़कर हटाओ। फिर लौ सँभालो। वह इतनी भी न बढ़े कि धुआँ देने लगे और इतनी छोटी भी न रह जाए कि अक्षर आँखों से ओझल हों। हमारे बचपन में पढ़ाई का एक अंश पुस्तक के बाहर, इस उजाले की परिचर्या में घटित होता था।

मेरा जन्म 1963 में सराय में हुआ। विंध्याचल का नरो पहाड़ निकट था। बीस वर्ष की आयु में वन अधिकारी के प्रशिक्षण के लिए गाँव से निकलने तक वहाँ बिजली नहीं आई थी। संध्या होते ही पहाड़, खेत और आँगन क्रमशः अँधेरे में उतरते। घर के भीतर जितना प्रकाश सँभाल पाते, उसी में काम करना होता। आज अपनी शिक्षा की ओर देखता हूँ तो पुस्तकों के साथ वह तेल की शीशी भी दिखाई देती है। उसमें बची अंतिम बूँद और सामने खुला पृष्ठ एक-दूसरे से अपरिचित नहीं थे।

तब उजाले का श्रम दिखाई देता था। लौ छोटी होती तो उसका कारण खोजना पड़ता। तेल कम है, बत्ती ठीक नहीं अथवा चिमनी की कालिख प्रकाश रोक रही है। बाद में सुविधा बढ़ी तो प्रकाश सहज उपलब्ध होने लगा। यह परिवर्तन आवश्यक और सुखद था। लेकिन उपलब्धि की सहजता के साथ उसके पीछे की प्रक्रिया दृष्टि से हट सकती है। बटन दबाने और कमरा आलोकित होने के बीच का श्रम दिखाई नहीं देता; उसका अस्तित्व बना रहता है। मेरे लिए बचपन की ढिबरी इसी विस्मरण के विरुद्ध एक छोटी-सी साक्षी है।

वह साक्ष्य केवल प्रकाश तक सीमित नहीं था। कुएँ से घर तक पानी पहुँचने में हाथ, कंधे और कमर लगते थे। जेठ की धूल, बरसात की फिसलन और जाड़े की ओस, प्रत्येक ऋतु उस दूरी को अपने ढंग से बदलती थी। बड़े परिवार में एक बार पानी लाना पर्याप्त नहीं होता। कुएँ और घर के बीच बार-बार आना-जाना पड़ता। गगरी भीतर रख दिए जाने पर भी काम समाप्त नहीं होता था। पीने का पानी अलग रखना है, धुलाई के लिए अलग; पशुओं की नाँद भी भरनी है। जल के साथ विवेक घर में प्रवेश करता था।

किसी पात्र में भरे पानी को देखकर उसका पूरा परिचय नहीं मिल जाता। रस्सी की घिसावट, कुएँ की गहराई, जगत की फिसलन और लौटते कंधे की थकान भी उसमें सम्मिलित हैं। बचपन में ये सब किसी विचार के प्रमाण नहीं थे। यही दिनचर्या थी। बाद में समझ आया कि उपभोग की वस्तु अपने भीतर अनेक अदृश्य संबंध सँजोए रहती है। जब हम केवल वस्तु देखते हैं, तो उसे संभव बनाने वाले मनुष्यों और प्रकृति का एक बड़ा अंश हमारी दृष्टि से छूट जाता है।

अम्मा का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता था। इसलिए रसोई के अनेक काम मेरे हिस्से आते। कल की राख हटाते हुए अधजला टुकड़ा अलग रख लेना होता, जिससे आज की आग पकड़ सके। लकड़ी भीगी हो तो चूल्हा धुएँ से भर उठता। झुककर फूँक मारो। आँखें लाल होतीं, गले में कसैलापन उतरता। फिर बर्तन माँजने, दाल बीनने, चावल फटकने और आटा गूँधने का क्रम। तवे पर रोटी पड़ने तक इतने काम हो चुके होते कि उसे केवल भोजन बनाने का एक काम कहना वास्तविकता को बहुत छोटा कर देना होता। इसी बीच पानी घट जाए अथवा पशु पुकार उठे तो उठकर वह काम भी सँभालना पड़ता। भोजन तैयार होने के बाद बर्तन और रसोई शेष रहते। घर में किसी को थाली मिल जाने का अर्थ किसी दूसरे का श्रम समाप्त होना नहीं था। स्वयं यह काम करते हुए उसकी निरंतरता समझ में आती थी। रोटी की गोलाई दिखाई देती है; उसे संभव बनाने में बीता समय उसमें अलग से अंकित नहीं रहता। स्मृति उस समय को बचाए रखती है। इसीलिए मेरे लिए चूल्हे का धुआँ केवल अतीत की गंध नहीं, घरेलू श्रम का साक्ष्य भी है।

मैं पढ़ता था, पर पढ़ाई इन कामों से बाहर सुरक्षित किसी दूसरी दुनिया में नहीं रखी थी। कुआँ, बाड़ा, रसोई और विद्यालय एक ही दिन के भीतर आते थे। प्राथमिक विद्यालय कच्चा था। बरसात में पानी भीतर तक घुस आता। जमीन सूखने पर हम सब मिलकर गोबर से लिपाई करते, फिर टाट-पट्टी बिछती और पाठ चलता। शिक्षा के लिए स्थान भी अपने हाथों तैयार करना पड़ता था। उस धरती पर बैठकर अक्षर सीखते हुए हममें से किसी ने शायद ही सोचा होगा कि पढ़ने की इच्छा अपने लिए कितने छोटे-छोटे अवलंब जुटा रही है।

> **किसी पात्र में भरे पानी को देखकर उसका पूरा परिचय नहीं मिल जाता। रस्सी की घिसावट, कुएँ की गहराई, जगत की फिसलन और लौटते कंधे की थकान भी उसमें सम्मिलित हैं। बचपन में ये सब किसी विचार के प्रमाण नहीं थे। यही दिनचर्या थी। बाद में समझ आया कि उपभोग की वस्तु अपने भीतर अनेक अदृश्य संबंध सँजोए रहती है। जब हम केवल वस्तु देखते हैं, तो उसे संभव बनाने वाले मनुष्यों और प्रकृति का एक बड़ा अंश हमारी दृष्टि से छूट जाता है।**

आगे महाविद्यालय जाने के लिए टमस नदी पार करनी पड़ती। बरसात में पुस्तकें कपड़े या बोरे में लपेटते, ताकि भीगने से बचें। नाव कहाँ बँधी है, तली में पानी तो नहीं, नाविक आया या नहीं, यह देखना पड़ता। नदी के पार कीचड़ में साइकिल के पहिए जाम हो जाते तो उसे कंधे पर उठाता। हैंडल पसली में न चुभे, पैडल पिंडली से न टकराए, यह सँभालते हुए चलना होता। साइकिल अपने सवार के कंधे पर चली जाती। उस समय इसमें कोई असाधारण वीरता नहीं लगती थी। महाविद्यालय पहुँचना था।

इन प्रसंगों को अब लिखते हुए एक सावधानी आवश्यक लगती है। अभाव ने मुझे कुछ सिखाया, इसलिए अभाव उचित था, यह निष्कर्ष नहीं निकलता। भीगते विद्यालय, धुएँ से भरी रसोई और कठिन आवागमन को अगली पीढ़ी के लिए सुरक्षित रखना कोई सांस्कृतिक उत्तरदायित्व नहीं है। बच्चों को ऐसी कठिनाइयों से मुक्त शिक्षा मिले, यही वांछनीय है। मेरे अनुभव का मूल्य कठिनाई को आदर्श बनाने में नहीं, उन आवश्यकताओं को पहचानने में है जिनके अभाव में मनुष्य को अपनी शक्ति का इतना अंश व्यय करना पड़ा।

सुविधा का उचित उपयोग इस पहचान को नष्ट किए बिना भी संभव है। पानी घर तक आए, प्रकाश सहज मिले, विद्यालय सुरक्षित हो और रास्ता सुगम बने। इनसे बचा समय अध्ययन, सृजन और विश्राम में लग सकता है। प्रश्न यह है कि सुविधा मिलने पर हमारा संबंध केवल तैयार वस्तु से रह जाएगा अथवा उसे संभव बनाने वाली प्रक्रिया से भी बना रहेगा। श्रम का बोझ घटाना और श्रम का सम्मान बनाए रखना एक-दूसरे के विरोधी प्रयोजन नहीं हैं।

यहीं मेरी माटी स्मृति से आगे बढ़कर दृष्टि बनती है। उसने मुझे वस्तु के भीतर संबंध देखना सिखाया। पानी में उसे ढोने का परिश्रम था, रोटी में रसोई का समय, विद्यालय में गुरुजन और पढ़ने के लिए सँभाली गई लौ में घर की अनेक व्यवस्थाएँ। मनुष्य अपने प्रयत्न से आगे बढ़ता है, किंतु उसका प्रयत्न भी अनेक सहारों पर खड़ा होता है। अपनी उपलब्धि का संपूर्ण श्रेय स्वयं ले लेना उन सहारों को विस्मृत करना है, जिनके बिना वैसा प्रयत्न संभव ही न होता।

इसका अर्थ अपनी इच्छाशक्ति अथवा पुरुषार्थ का अवमूल्यन नहीं है। नाव में मुझे ही बैठना था, साइकिल का भार मेरे कंधे पर था, पढ़ना भी मुझे ही था। पर नदी पार होने में नाविक की भूमिका मिट नहीं जाती। शिक्षा में गुरुजनों का स्नेह और अनुशासन भी रहता है। अपने पुरुषार्थ को उसके संबंधों सहित देख सकें तो आत्मसम्मान अधिक सत्यनिष्ठ होता है। तब सफलता हमें अपने अतीत से काटकर अकेला नहीं करती; वह उन लोगों की उपस्थिति और स्पष्ट कर सकती है जो यात्रा के आरंभ में साथ थे।

अध्यात्म की एक व्यावहारिक भूमि मुझे इस ऋणबोध में दिखाई देती है। अपने अस्तित्व को केवल अपने अर्जन का परिणाम मानने वाला अहंकार यहाँ कुछ विनीत होता है। जिस देह को अपना कहते हैं, उसे अन्न, जल और वायु निरंतर सँभालते हैं। जिस ज्ञान पर गर्व होता है, उसके भीतर दूसरे मनुष्यों की खोज और शिक्षा उपस्थित है। इस परस्परावलंबन का बोध पूजा के समय तक सीमित रहे तो अधूरा है। उसे अपने उपयोग, अपने व्यवहार और अपने निर्णयों में भी उतरना होगा।

ऋणबोध का अर्थ किसी के उपकार के नीचे जीवन भर दबे रहना भी नहीं है। उसने जो संभव किया, उसकी पहचान हमें आगे किसी दूसरे के लिए कुछ संभव करने की ओर ले जाए। शिक्षा मिली है तो उसकी पहुँच बढ़ाने का दायित्व समझ में आए। किसी के श्रम ने हमारा दिन सँभाला है तो उसके समय और गरिमा का मूल्य पहचानें। कृतज्ञता अपनी पूर्णता में व्यवहार बदलती है। वह केवल अतीत को धन्यवाद देकर वर्तमान के अन्याय से आँख नहीं फेर सकती।

इसलिए घर की रसोई में उठता धुआँ याद करते हुए घरेलू श्रम का न्यायपूर्ण विभाजन भी सोचना पड़ता है। कुएँ से पानी लाने की स्मृति जल की उपलब्धता का प्रश्न उठाती है। पढ़ाई के लिए कंधे पर उठी साइकिल सुगम आवागमन की आवश्यकता सामने रखती है। स्मृति तभी जीवनोपयोगी होती है जब उससे प्राप्त संवेदना किसी दूसरे की वर्तमान कठिनाई पहचान सके। अन्यथा हम अपने संघर्ष का गौरव सुनाते रह जाएँगे और सामने खड़ा बालक उसी अवरोध से जूझता रहेगा जिसे पार कर लेने पर हमें गर्व है।

माटी से जुड़े रहने का आशय मेरे लिए इसी उत्तरदायित्व में खुलता है। जन्मस्थान की गंध प्रिय है; उससे उपजा विवेक अधिक दूर तक साथ जाता है। कार्यालय में बैठा मनुष्य भी उसे निभा सकता है, नगर में पला बालक भी श्रम के प्रति सजग हो सकता है। गाँव में जन्म लेना मनुष्यता का प्रमाणपत्र नहीं है। अपने जीवन के आधारों को पहचानना और दूसरों के जीवन को सुविधाजनक बनाने में अपना अंश देना, इस संबंध को अधिक व्यापक बनाता है।

अब स्मृति में वह चिमनी फिर सामने आती है। कपड़ा फेरते ही कालिख हटती है और भीतर की लौ कुछ अधिक साफ दिखाई देती है। पुस्तक अभी खोली जानी है। उसके पहले इतना काम हुआ है, जिसका उल्लेख आगे किसी परीक्षा-परिणाम में नहीं होगा। वर्षों बाद उस पृष्ठ पर झुके बालक को देखता हूँ तो उसके पीछे घर और परिवेश का पूरा श्रम दिखाई देता है। उसने जो पढ़ा, उसमें उन सबका अंश था। अपने अर्जित उजाले में उन अंशों को पहचानना ही शायद शिक्षा का वह पाठ है, जो किसी उपाधि के साथ समाप्त नहीं होता।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

नारी सम्मान वन्दन और देवी मां की आराधना का पर्व नवरात्रि

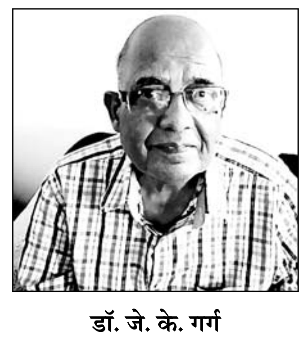

डॉ. जे. के. गर्ग

नव और रात्र शब्दों से मिलकर बना है नवरात्रि। नव का अर्थ है नौ, वहीं रात्र शब्द में पुनः दो शब्द शामिल हैं रा का अर्थ है रात और त्रि का अर्थ है जीवन के तीन पहलू यानी-शरीर मन और आत्मा निःसंदेह जीवन में हर एक को तीन प्रकार की मुश्किल समस्याओं का सामना करना ही पड़ता है वों भौतिक, मानसिक और आध्यात्मिक होती है। इन सभी समस्याओं से जो छुटकारा दिलवाने वाली रात्रि ही होती है। रात्रि या रात मनुष्यों को दुख से मुक्ति दिलाकर उनके जीवन में यश सुख सुविधा खुशहाली लाती है।

सच्चाई तो यही है आदमी को आराम सिर्फ रात्रि में ही मिलता है। रात की गोद में हम सभी अपने सारे सुख दुःख को भूल कर नींद का आनन्द लेते है। शक्ति स्वरूप माता की आराधना के नवरात्रि के नो दिन माने गए हैं। जहाँ चैत्र नवरात्रि के दौरान कठिन साधना और कठिन व्रत का महत्व है वहीं दुसरी तरफ शारदीय नवरात्रि के नो दिन के दौरान सात्विक साधना, नृत्य, उत्सव आदि का आयोजन किया जाता है।

मान्यता है कि चैत्र नवरात्रि की साधना आपको मानसिक रूप से मजबूत बनाती है और आध्यात्मिक इच्छाओं की पूर्ति करने वाली है। वहीं शारदीय नवरात्रि सांसारिक इच्छाओं को पूरा करने वाली मानी जाती है। नवरात्रि माँ के अलग अलग रूपों को निहारने और उत्सव मनाने का पर्व है। मान्यताओं के अनुसार देवी दुर्गा ने अश्विन के महीने में महिषासुर पर आक्रमण कर उससे नौ दिनों तक युद्ध किया और दसवें दिन उसका वध किया इसलिए इन नौ दिनों को शक्ति की आराधना के लिए समर्पित कर दिया गया है।

कहा जाता है कि शारदीय नवरात्रि धर्म की अधर्म पर और सत्य की असत्य पर जीत का प्रतीक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है और धरती को उनका मायका कहा जाता है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है।

चैत्र नवरात्रि के अंत में राम नवमी आती है। धार्मिक मान्यता के है कि प्रभु श्रीराम का जन्म रामनवमी के दिन ही हुआ था, जबकि शारदीय नवरात्रि के अंतिम दिन महानवमी के रूप में मनाया जाता है।

नवरात्रि के इस उत्सव पर कई प्रकार की पौराणिक मान्यता। मान्यता के अनुसार इन नो दिनों में श्रीराम ने सीता माता को रावण की कैद से छुड़वाने के लिए देवी दुर्गा की आराधना की थी। उन्होंने 108 कमलो की पूजा नौ दिनों तक की थी। जिसके पश्चात देवी दुर्गा उनके इस पूजा से प्रसन्न हो कर उन्हें विजयी होने का आशीर्वाद दिया था। उसके पश्चात राम ने अंहकारी रावण का वध किया था। इसी संदर्भ में यह भी जानना जरूरी है कि धार्मिक ग्रन्थों में दुर्गा सप्तशती के अन्तर्गत देव दानव युद्ध का विस्तृत वर्णन किया गया है जिसमें बताया गया है कि देवी भगवती और मां पार्वती ने किस प्रकार से देवताओं के साम्राज्य को स्थापित करने हेतु तीनों लोकों में उत्पात मचाने वाले बलशाली दानवों से लोहा लिया था, इसी वजह से आज सम्पूर्ण देश में हजारों की संख्याओं में दुर्गा यानी नवदुर्ग गौरवमयी परंपरा चली आ रही है।

नवरात्रि का पर्व 11 से 21 2026 तक मनाया जाएगा।

-डॉ. जे. के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा

कहां गए ब्रज के कदंब ? कृष्ण की लीला भूमि में सूखती स्मृतियों की पुकार

राजेन्द्र जोशी

ब्रज केवल एक भौगोलिक क्षेत्र का नाम नहीं है। यह भारतीय लोक-स्मृति, आस्था, संस्कृति और कृष्ण की बाल लीलाओं से जुड़ी वह भूमि है, जिसे सदियों से श्रद्धा की दृष्टि से देखा जाता रहा है। मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपने बाल्यकाल का बड़ा हिस्सा इसी ब्रजभूमि में अपने सखाओं और ग्वाल-बालों के साथ खेलते हुए बिताया। यमुना के तट, हरे-भरे वन, गोवर्धन की तलहटी और कदंब के वृक्ष-इन सबने कृष्ण की लीलाओं की स्मृतियों को अपने भीतर संजोया है।

ब्रज की कल्पना कदंब के बिना अधूरी लगती है। कृष्ण और कदंब का संबंध केवल धार्मिक आख्यानों तक सीमित नहीं है, बल्कि ब्रज की लोक-संस्कृति में भी कदंब एक जीवंत प्रतीक के रूप में उपस्थित रहा है। कदंब की छांव, उसकी डालियां, उसके फूल और उसकी विशिष्ट आकृति ब्रज की प्राकृतिक पहचान का हिस्सा रहे हैं।

इसी ब्रज क्षेत्र में राजस्थान की सीमा के भीतर पूंछरी का लौटा से लगभग एक मील पश्चिम दक्षिण में स्थित श्यामढाक का क्षेत्र भी अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। वर्षों से ब्रज क्षेत्र की यात्राएं करने के दौरान इस इलाके को करीब से देखने का अवसर मिला है। कभी यहां दूर-दूर तक कदंब के वृक्ष दिखाई देते थे। ऐसा लगता था मानो प्रकृति ने स्वयं कृष्ण की बाल लीलाओं के लिए एक विशाल रंगमंच तैयार कर रखा हो। आज वही दृश्य स्मृति बनता जा रहा है।

एक समय ब्रज के इन हिस्सों में सैकड़ों-हजारों कदंब के पेड़ होने की बात बुजुर्गों और स्थानीय लोगों की स्मृतियों में मिलती है। कदंब की घनी छांव और उसके नीचे की प्राकृतिक हरियाली पूरे वातावरण को एक अलग ही सौंदर्य प्रदान करती थी। लोकविश्वासों में तो यहां तक कहा जाता है कि कृष्ण अपने सखाओं के साथ इन्हीं वृक्षों के बीच खेलते, पत्तों के प्राकृतिक दोने बनाकर उनमें माखन खाते और छाछ पीते थे।

डीग जिले के एंचरा गांव की ऐतिहासिक कदंब खंडी इस स्मृति का एक महत्वपूर्ण केंद्र मानी जाती है। स्थानीय स्तर पर प्रचलित विवरणों के अनुसार कभी यहां बड़ी संख्या में प्राचीन कदंब वृक्ष थे और अब उनकी संख्या बहुत कम रह गई है। विशेष बात यह भी बताई जाती है कि यहां के कदंब वृक्षों के पत्ते प्राकृतिक रूप से दोने अथवा कटोरी के आकार में विकसित होते हैं। यह विशेषता इस स्थल को प्रकृति और लोकविश्वास-दोनों दृष्टियों से विशिष्ट बनाती है। श्यामढाक के शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता निरंजन सिंह चिंता करते हुए सवाल करते है जिस ब्रजभूमि में कदंब केवल पेड़ नहीं बल्कि कृष्ण की स्मृति का प्रतीक है, वहां आज कदंब के वृक्ष गिनती के क्यों रह गए हैं?

यह सवाल केवल पर्यावरण का नहीं है। यह हमारी सांस्कृतिक विरासत का भी सवाल है। ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग केवल धार्मिक यात्राओं का मार्ग नहीं है। यह हजारों वर्षों की लोक-स्मृतियों, परंपराओं, वृक्षों, जलस्त्रोतों और प्राकृतिक स्थलों को जोड़ने वाली सांस्कृतिक धरोहर है। यदि इस परिक्रमा क्षेत्र से वे वृक्ष ही समाप्त हो जाएं जिनसे कृष्ण की लीलाओं की स्मृतियां जुड़ी हैं, तो आने वाली पीढ़ियों को हम ब्रज की कथा तो सुनाएंगे, लेकिन उस कथा का प्राकृतिक संसार कहां से दिखाएंगे?

यह चिंता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि राजस्थान सरकार ने पर्यावरण और वृक्षारोपण को लेकर कई अभियान चलाए हैं। भरतपुर में 'हरियालो राजस्थान' के तहत बड़े स्तर पर पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया और अस्तावन के नगला में कदंब वन विकसित करने की योजना भी सामने आई। इन प्रयासों का स्वागत होना चाहिए। लेकिन सवाल यह है कि नए पौधे लगाने के साथ पुराने और ऐतिहासिक कदंब वृक्षों को बचाने की ठोस योजना कहां है?

कदंब खंडी जैसे स्थलों पर केवल पौधरोपण पर्याप्त नहीं होगा। वहां बचे हुए प्राचीन वृक्षों की वैज्ञानिक गणना होनी चाहिए। प्रत्येक वृक्ष का संरक्षण रिकॉर्ड तैयार किया जाना चाहिए। जलस्तर, मिट्टी और सिंचाई की स्थिति का वैज्ञानिक अध्ययन होना चाहिए। स्थानीय समुदाय को संरक्षण से जोड़ा जाना चाहिए और ऐसे स्थानों को 'कृष्णकालीन प्राकृतिक विरासत' के रूप में विकसित करने की दिशा में गंभीर पहल होनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कदंब के पौधे लगाकर उनकी तस्वीर खिंचवा लेना संरक्षण नहीं है। संरक्षण तब होगा जब लगाया गया पौधा वर्षों बाद वृक्ष बने और उसके नीचे अगली पीढ़ी बैठ सके। ब्रज में आने वाले श्रद्धालु केवल मंदिरों और धार्मिक स्थलों के दर्शन करने नहीं आते। वे उस ब्रज को देखने आते हैं जिसकी कल्पना कृष्ण की बाल लीलाओं के साथ की गई है। यदि ब्रज से उसकी प्राकृतिक पहचान धीरे-धीरे समाप्त होती गई तो एक दिन हमारे पास केवल मंदिर होंगे, कथाएं होंगी और स्मारक होंगे-लेकिन वह प्रकृति नहीं होगी जिसने इन कथाओं को जन्म दिया और पीढ़ियों तक जीवित रखा।

मुख्यमंत्री स्वयं भरतपुर क्षेत्र से आते हैं। वे ब्रज की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता से परिचित हैं। ऐसे में उनसे यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि ब्रज की प्राकृतिक विरासत के संरक्षण को भी विशेष प्राथमिकता मिले। अब आवश्यकता इस बात की है कि इन पहलों को ब्रज के कदंब संरक्षण से भी जोड़ा जाए। श्यामढाक से लेकर कदंब खंडी तक एक विशेष 'ब्रज कदंब संरक्षण क्षेत्र' विकसित किया जा सकता है। यहां कदंब की पुरानी प्रजातियों का संरक्षण, नए पौधों का रोपण, जलस्त्रोतों का पुनर्जीवन, स्थानीय लोगों की भागीदारी और ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा से जुड़े प्रमुख कदंब स्थलों का दस्तावेजीकरण किया जा सकता है।

ब्रज में 'एक तीर्थ-एक कदंब' की परंपरा शुरू की जाए? श्यामढाक में कदंब खंडी जैसे स्थलों को केवल धार्मिक स्थल मानने के बजाय प्राकृतिक-सांस्कृतिक विरासत के रूप में संरक्षित किया जाए? पुराने कदंब वृक्षों की पहचान कर उन्हें विरासत वृक्ष घोषित करने की दिशा में कदम उठाया जाए? आज आवश्यकता केवल भावुक होने की नहीं, बल्कि कार्रवाई करने की है।

कृष्ण की कथा में कदंब केवल एक वृक्ष नहीं है। वह ब्रज की स्मृति है, लोकविश्वास है, प्रकृति है और हमारी सांस्कृतिक चेतना का हिस्सा है। यदि कदंब के पेड़ समाप्त होते गए तो धीरे-धीरे ब्रज की वह प्राकृतिक तस्वीर भी समाप्त हो जाएगी जिसमें कृष्ण अपने सखाओं के साथ खेलते दिखाई देते हैं। ब्रज को बचाना है तो केवल ब्रज के मंदिरों को नहीं, ब्रज की प्रकृति को भी बचाना होगा। कृष्ण की लीला भूमि में कदंब की छांव फिर घनी हो-यह केवल पर्यावरण का संकल्प नहीं, हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी भी है। आज ब्रज की धरती हमसे यही पूछ रही है-कृष्ण की कथा तो तुमने बचा ली, लेकिन कृष्ण की छांव कहां बचाई?

-राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद-साहित्यकार

सेवा सेतु अभियान-2026 में आमजन को मिल रही राहत

अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा संचालित सेवा सेतु अभियान में नागरिकों को राहत प्रदान की जा रही है

अजमेर, (निसं)। आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं सरकारी सेवाओं को अधिक सुगम बनाने के उद्देश्य से अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा संचालित सेवा सेतु अभियान-2026 के अंतर्गत नागरिकों को राहत प्रदान की जा रही है। अभियान के तहत 7 अक्टूबर से आयोजित शिविरों में विभिन्न सेवाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त कर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है, जिससे नागरिकों को अपने कार्यों के निस्तारण के लिए प्रभावी सुविधा उपलब्ध हो रही है।

अभियान के तहत अब तक आयोजित शिविरों में कुल 181 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 178 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया जा चुका है। निस्तारित प्रकरणों में कृषि भूमि पर बसी स्वीकृत योजनाओं में पट्टा जारी करने के 18 प्रकरण, प्राधिकरण की स्वयं की योजनाओं से संबंधित 16 प्रकरण, बकाया लीज राशि जमा करवाकर फ्री होल्ड एवं लीज मुक्ति प्रमाण पत्र के 10 प्रकरण, भवन मानचित्र स्वीकृति के 7 प्रकरण, निर्माण अवधि विस्तार के 52 प्रकरण, नाम हस्तांतरण के 60 प्रकरण, भूखण्डों के उप विभाजन एवं पुनर्गठन के 6 प्रकरण तथा लीज होल्ड से फ्री होल्ड के 9 प्रकरण शामिल हैं।

शिविरों के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न सेवाओं की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों एवं लंबित प्रकरणों के संबंध में संबंधित अधिकारियों से सीधे जानकारी एवं मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। प्राधिकरण के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा आवेदकों की समस्याओं को सुनते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है, ताकि पात्र नागरिकों को सेवाओं का लाभ समयबद्ध रूप से उपलब्ध करवाया जा सके।

अलवर अस्पतालों के सफाई कर्मी हड़ताल पर

- **समय पर सैलरी नहीं मिलने से सफाई कर्मचारियों में नाराजगी**

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के जिला अस्पताल, जनाना अस्पताल व शिशु अस्पताल के सफाई कर्मचारी शनिवार सुबह हड़ताल पर उतर आए। समय पर सैलरी नहीं मिलने से सफाई कर्मचारियों में आक्रोश फैल गया। सफाईकर्मियों का कहना है कि पहले की चेतावनी के बावजूद हर महीने की सात तारीख तक वेतन नहीं मिलता है। हड़ताल के पहले ही दिन अस्पतालों के वार्डों, गैलरी और परिसर में कचरे के ढेर लगने लगे हैं, जिससे मरीजों और उनके तीमारदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सफाईकर्मी राजू ने बताया कि उन्हें हर महीने केवल 6 से 7 हजार रुपए का मामूली वेतन मिलता है। इतने कम पैसों में परिवार का गुजर-बसर करना पहले ही चुनौतीपूर्ण है, उस पर भी ठेकेदार की मनमानी के कारण भुगतान में लगातार देरी की जाती है। नियमानुसार भुगतान 7 तारीख तक हो जाना चाहिए, लेकिन हर बार वेतन 10 तारीख या उसके भी बाद मिलता है। सफाईकर्मियों का कहना है कि वेतन में देरी को लेकर वे पहले भी विरोध दर्ज करा चुके हैं, लेकिन हर बार केवल आश्वासन देकर मामला टाल दिया जाता है। कर्मचारियों ने साफ कर दिया है कि जब तक ठेकेदार की मनमानी पर रोक नहीं लगती और समय पर वेतन भुगतान का स्थायी समाधान नहीं होता, तब तक तीनों अस्पतालों में सफाई कार्य पूरी तरह बंद रहेगा।

राशिफल रविवार 11 अक्टूबर, 2026

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, रविवार, विक्रम संवत-2083, चित्रा नक्षत्र रात्रि 10:33 तक, वैधृति योग रात्रि 9:05 तक, किस्तुघ्न करण प्रातः 9:25 तक, चन्द्रमा आज दिन 10:04 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति- सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कर्क, बुध-कन्या, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज द्विपुष्कर और राजयोग रात्रि 9:31 से रात्रि 10:33 तक है। आज शारदीय नवरात्र आरम्भ होंगे। आज अग्रसेन जयन्ती, मातामह श्राद्ध, वैधृति पुण्यं है। आज घट स्थापना का सर्वश्रेष्ठ समय दिन 11:51 से 12:37 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया- चर 7:54 से 9:21 तक, लाभ अमृत 9:21 से 12:14 तक, शुभ 1:40 से 3:07 तक

राहुकाल- 4:30 से 6:00 तक, सूर्योदय 6:28, सूर्यास्त 5:59

मेष

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज आपसी सहयोग-समन्वय से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

वृष

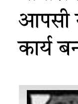

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन

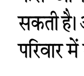

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण एवं धार्मिक कार्य बन सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

कर्क

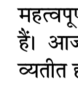

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आज धार्मिक कार्यों पर धन हानि हो सकती है।

कन्या

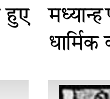

मानसिक तनाव दूर होगा। मनःस्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आज परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला

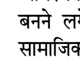

आवश्यक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज घर-परिवार में अनावश्यक धन खर्च होगा। परिवार में कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव दूर होगा।

वृश्चिक

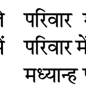

अपने आर्थिक/वित्तीय मामलों को दिन के मध्यान्ह पूर्व करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बढ़ सकता है। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

धनु

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

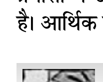

घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कुंभ

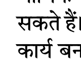

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

मीन

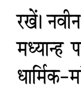

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को दिन के मध्यान्ह पूर्व करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 71 प्रभात जयपुर, रविवार 11 अक्टूबर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Clap A Bit More... Please!!

"We are living through an era when international law and human rights are under significant political attack."- Navi Pillay

A Brilliant Actor A Fully Complicated Man

From the terrifying gangster in 'Parinda' to the hilarious Uday Shetty in 'Welcome,' Nana Patekar was a master of controlled emotions, and uncontrolled too...

लगभग एक भी प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर नहीं पहुँचा

पर इंडिया ब्लॉक फिर भी इसे अपनी भारी सफलता बता रहा है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। जंतर-मंतर पर एक भी प्रदर्शनकारी मौजूद नहीं होने के बावजूद, ज्ञानेश कुमार और मोदी सरकार के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा बुलाया गया आंदोलन शानदार और जबरदस्त रूप से सफल रहा।

करीब 50,000 पुलिसकर्मियों द्वारा की गई हर सड़क और रास्ते की घेराबंदी और नाकेबंदी के बावजूद, यह सरकार के लिए खोखली जीत थी।

संदेश बिल्कुल साफ और जोरदार तरीके से सामने आया कि मोदी-शाह सरकार ने अपना राजनीतिक प्रभाव और मानसिक संतुलन, दोनों खो दिये हैं।

यह सरकार की ओर से इस बात की स्वीकारोक्ति है कि उसने गैरकानूनी तरीके से गणतंत्र को नष्ट किया है, अराजकता फैलाई है और लोकतंत्र को ऐसा नुकसान पहुँचाया है, जिसकी भरपाई संभव नहीं हो सकती।

यह अपराधबोध की स्वीकारोक्ति भी है कि सरकार ने चुनाव चुराए हैं। इसी वजह से सरकार घबराई हुई है और जगह-जगह नाकाबंदी की गई है।

हजारों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया।

सीजेपी के नेताओं को उस विमान से उतारकर हिरासत में ले लिया गया,

- **इंडिया ब्लॉक के अनुसार, दिल्ली की सड़कों पर 50,000 पुलिसकर्मी मौजूद थे, अतः अगर सरकार इसे अपनी सफलता गिना रही है तो यह काफी थोथी सफलता है**
- **कॉकरोज जनता पार्टी के अनुसार, हर तरह की साजिश रची गई, कॉकरोज जनता पार्टी के नेताओं को गिरफ्तार करने के लिए। एक अफवाह यह फैलाई गई कि दीपके की दादी का देहांत हो गया है तथा दाह संस्कार कल (अगले दिन) है। पर, किसी को मालूम नहीं दीपके कहाँ हैं और उनसे कैसे संपर्क किया जा सकता है।**
- **इन हालात में बहुत से लोगों ने घर में बने रहने का निर्णय लिया।**
- **कॉकरोच जनता पार्टी का मानना है, सरकार को भय है कि अगर जैन ज़ी के समर्थक जंतर-मंतर पहुँच गए तो उनसे वह जगह खाली करवाना और मुश्किल हो जाएगा। पर, यह भी आशंका है कि जब भी प्रदर्शन खत्म करने की घोषणा की गई, तब जैन ज़ी, जंतर-मंतर पहुँच जाएगी और प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर नहीं पहुँचने देने की सारी कवायद व्यर्थ हो जाएगी।**

जो उन्हें मुंबई से लेकर आया था। इसके बाद उन्हें अलग-अलग अज्ञात स्थानों पर ले जाया गया।

एक पुलिसकर्मी ने खबर दी कि दिपके की दादी का निधन हो गया है और कल सुबह महाराष्ट्र के अंदरूनी इलाके में उनका अंतिम संस्कार होना है। लेकिन न तो उनके माता-पिता उनसे संपर्क कर पाए और न ही यह पता चल रहा था कि उन्हें कहाँ रखा गया है या उन तक कैसे पहुँचा जाए।

दिल्ली पूरी तरह घेराबंदी में थी। हालात किसी दूतावास के आसपास की सुरक्षा से भी ज्यादा सख्त थे। मध्य दिल्ली के चारों ओर की सड़कें बंद कर दी गई थीं और लगभग पूर्ण कर्फ्यू जैसा माहौल था।

बहुत से लोगों ने घर से बाहर नहीं निकलने का फैसला किया, लेकिन उन्होंने दिल्ली में चल रहे इस तमाशे को देखा, जिसकी खबरें अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में छाई हुई हैं।

सरकार को डर है कि यदि छात्र और जेन ज़ी के युवा जंतर-मंतर पर धरने पर बैठ गए और जगह खाली करने से इनकार कर दिया, तो ज्ञानेश कुमार को बचाना और भी मुश्किल हो जाएगा।

लेकिन सरकार ने जिस तरह कार्रवाई की और प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया दी, उससे साफ हो गया है कि ज्ञानेश कुमार को बचने की उम्मीद बहुत कम है और मोदी तथा शाह के बचने की उम्मीद तो और भी कम है।

लेकिन यह अंत नहीं है। आज तो आंदोलन की केवल शुरुआत थी। जैसे ही आंदोलन से जुड़ी पाबंदियाँ हटेंगी, जेन ज़ी के युवा जंतर-मंतर पर पहुँच जाएंगे और यह पूरी कवायद बेकार साबित होगी।

कोई भी लोकतंत्र विरोध प्रदर्शनों और आंदोलनों से उस तरह नहीं निपटता, जिस तरह मोदी और शाह ने किया है। ये दोनों पक्का कर रहे हैं कि देश तानाशाही की ओर बढ़े, जहाँ लोगों

(शेष पृष्ठ 4 पर)

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले किरायेदार को 20 साल की सजा

जयपुर, 10 अक्टूबर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1, महानगर द्वितीय ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले पड़ोसी किराएदार को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 21 साल के इस

- **वर्ष 2022 में मुरलीपुरा थाने की घटना में अदालत ने एक लाख रूपए का जुर्माना भी लगाया।**

अभियुक्त पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी विकास कुमार खंडेलवाल ने अपने आदेश में कहा कि यदि अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख अपनाया गया तो अपराधियों के हौसले बुलंद होंगे और अपराध की पुनरावृत्ति की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने बताया कि घटना को लेकर पीड़िता की मां ने 24 सितंबर, 2022 को मुरलीपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि सुबह वह, उसका पति और बेटा काम पर गए थे और कमरे पर दो बेटे और पीड़िता थे। दोपहर को उसके बेटे ने आकर बताया कि पीड़िता के साथ अभियुक्त ने गलत काम किया है। सूचना पर जब वह घर आई तो पीड़िता ने बताया कि पास के कमरे में रहने वाले अभियुक्त ने उसके एक भाई को चाउमीन लाने बाहर भेज दिया और दूसरे को मोबाइल दे दिया। इसके बाद

(शेष पृष्ठ 4 पर)

अभिजीत दीपके ने आंदोलन की कमान अजिंक्य शिंदे को सौंपी

उनको आशंका थी, जैसे ही उनकी मुंबई से दिल्ली आ रही फ्लाइट पहुँचेगी, उन्हें हिरासत में ले लिया जाएगा

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके को पता था कि दिल्ली में उनके साथ क्या होने वाला है। उन्हें पहले से ही इसका अंदेशा था। सीजेपी के शीर्ष नेतृत्व को हिरासत में लिए जाने के बाद दिपके ने आंदोलन को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अजिंक्य शिंदे को सौंप दी है। दिपके ने शनिवार को पहले से रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो में घोषणा की कि सीजेपी के संगठन प्रभारी शिंदे अन्य नेताओं की रिहाई तक प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे।

विमान से दिपके को हिरासत में लिए जाने के तुरंत बाद यह वीडियो सीजेपी के एक्स खाते पर पोस्ट किया गया। इसमें दिपके ने शीर्ष नेतृत्व की अनुपस्थिति में आंदोलन की कमान शिंदे को सौंप दी।

दिपके ने वीडियो में कहा, "अगर आप यह वीडियो देख रहे हैं, तो इसका मतलब है कि मुझे, सौरव दास और आशुतोष रांका को गिरफ्तार कर लिया गया है। हमारी अनुपस्थिति में अजिंक्य, प्रदर्शन और सीजेपी आंदोलन का नेतृत्व करेंगे। कृपया उनका साथ दें।"

- **अतः फ्लाइट पकड़ने के लिए मुंबई के सांताक्रूज़ हवाई अड्डे पर प्लेन पर चढ़ने के बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया।**
- **इसलिए उन्होंने पहले से ही एक वीडियो रिकॉर्ड कर लिया तथा गिरफ्तारी के बाद यह वीडियो कॉकरोज जनता पार्टी के अधिकृत एक्स हैंडिल पर रिलीज़ कर दिया गया।**
- **वीडियो में मैसेज था कि दीपके, सौरव दास व आशुतोष रंका को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा अजिंक्य शिंदे के नेतृत्व में आंदोलन आगे बढ़ता रहेगा।**

अभिजीत ने संभावित गिरफ्तारी की आशंका को देखते हुए यह वीडियो पिछली रात ही रिकॉर्ड कर लिया था।

एक वीडियो बयान में शिंदे ने समर्थकों से जंतर-मंतर की ओर बढ़ते रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस उन्हें जहाँ भी रोके, वे उसी जगह प्रदर्शन शुरू कर दें।

शिंदे ने कहा, "सरकार हमारी एकता से डरी हुई है। कृपया जंतर-मंतर पहुँचें। अगर पुलिस आपको रोकती है, तो उसी जगह को जंतर-मंतर बना दें।"

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन का नेतृत्व करने के लिए दिपके और सीजेपी के सदस्य सौरव दास तथा आशुतोष रांका मुंबई से राजधानी पहुँचे थे। दिल्ली में विमान के उतरते ही पुलिसकर्मी विमान

(शेष पृष्ठ 4 पर)

मुख्य चुनाव आयुक्त का हटना, क्या हसीन ख्वाब ही है?

उनको हटाना उतना ही कठिन है, जितना सुप्रीम कोर्ट के किसी न्यायाधीश को जबरन पद मुक्त करना

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। चीफ इलेक्शन कमिश्नर (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में युवाओं के नेतृत्व में चल रहा आंदोलन शनिवार, 10 अक्टूबर को तेज़ हो गया। इस दौरान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं, विपक्ष के प्रमुख नेताओं, छात्र कार्यकर्ताओं और हज़ारों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। पुलिस की इस बड़ी कार्रवाई के बाद, जंतर-मंतर पर होने वाला प्रस्तावित प्रदर्शन चुनाव की निष्पक्षता, चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार को लेकर एक बड़े राजनीतिक टकराव में बदल गया।

- **ऐसे भी कुछ आसार नज़र नहीं आते कि, उन्हें "अचानक" अपराध बोध" होगा, और वे स्वयमेव इस्तीफा दे देंगे।**

पुलिस अधिकारियों के हवाले से मिली खबरों के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने राजधानी में 3,000 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके और पार्टी के वरिष्ठ नेता सौरव दास तथा आशुतोष रांका को मुंबई से दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने के बाद, विमान के अन्दर ही हिरासत में ले लिया गया। प्रदर्शन स्थल तक पहुँचने से पहले ही आंदोलन के प्रमुख नेताओं को हिरासत में लिए जाने से, छात्र संगठनों और विपक्षी दलों का समर्थन हासिल कर चुके आंदोलन से निपटने के लिए अधिकारियों ने जो रवैया अपनाया उस पर सवाल उठे। पुलिस ने सुरक्षा संबंधी चिंताओं और पहले से पर्याप्त सूचना न मिलने का हवाला देते हुए, प्रस्तावित प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

पुलिस की कार्रवाई केवल सीजेपी के नेताओं तक सीमित नहीं रही। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री

(शेष पृष्ठ 4 पर)

राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री विजय से मुलाकात की

चेन्नई, 10 अक्टूबर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष जोसेफ विजय से चेन्नई के पास पनैयूर स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। मुख्यमंत्री विजय ने गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। इस दौरान राहुल गांधी ने मदुरांतकम और धारापुरम

- **उन्होंने विजय को उपचुनावों की जीत पर बधाई दी।**

विधानसभा क्षेत्रों में टीवीके की जीत पर विजय को बधाई दी। इसके बाद दोनों नेताओं ने दोपहर के भोजन के दौरान बातचीत की।

राहुल गांधी और मुख्यमंत्री विजय के बीच हुई इस बैठक में टीवीके, कांग्रेस या गठबंधन में शामिल किसी अन्य दल का कोई नेता मौजूद नहीं था। बैठक में किन मुद्दों पर चर्चा हुई, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

'जन्तर-मन्तर सब जगह प्रस्फुटित हो जाएंगे, अगर सरकार ने प्रदर्शनकारियों को "ब्लॉक" किया'

अखिलेश यादव जैन ज़ी के आंदोलन को केवल दिल्ली तक सीमित नहीं देखना चाहते

- श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी सहित, कई राजनीतिक दलों ने उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनावों में युवाओं की नाराज़गी का फायदा उठाने के लिए अपने प्रयास तेज़ कर दिए हैं।

आज सीजेपी के प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर पहुँचने से रोकने की केन्द्र सरकार की कोशिशों के बीच, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की चेतावनी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, "अगर सरकार प्रदर्शनकारियों को रोकती है, तो देश में हर जगह जंतर-मंतर खड़े हो जाएंगे।"

- **अखिलेश, इस आंदोलन को यूपी तक ले जाने के इच्छुक हैं, क्योंकि उनका कार्यक्षेत्र यूपी है, और वे यूपी में इस जैन ज़ी की ऊर्जा का उपयोग करना चाहते हैं।**
- **इसके प्रयुत्तर में भाजपा मु.मंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़े पैमाने पर एक लाख शिक्षण संस्थाओं में "आउटरीच" चला रखा है।**
- **कांग्रेस इन मुद्दों पर ज्यादा सक्रिय नहीं, वह सपा के साथ सम्बंध दोस्ताना रखने में ही अपनी सार्थकता समझ रही है।**

ऐसा लगता है कि अखिलेश यादव इस आंदोलन को केवल दिल्ली तक सीमित न रखकर, इसे व्यापक रुप देना चाहते हैं। साथ ही, वे जंतर-मंतर को युवाओं की जागृति और नई राजनीतिक चेतना के प्रतीक के तौर पर पेश करना चाह रहे हैं। इस संदेश के ज़रिए यह दिखाने की कोशिश की जा रही है कि प्रदर्शन पर रोक लगाना भारतीय जनता पार्टी की तानाशाही सोच का सबूत है। ऐसी रोक, विरोध को खत्म करने के बजाय, उल्टा असर करेगी। इसके साथ ही, समाजवादी पार्टी खुद को जैन ज़ी के जोश और ऊर्जा के साथ जोड़ने की कोशिश कर रही है, क्योंकि आगामी चुनावों में युवा मतदाता निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

पिछले एक साल में उत्तर प्रदेश में छात्रों का विरोध लगातार देखने को मिला है। लेखपाल और सब-इंस्पेक्टर

(शेष पृष्ठ 4 पर)

लोक अदालत में 8.60 लाख लंबित मुकदमों का निस्तारण हुआ

जयपुर, 10 अक्टूबर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से शनिवार को साल 2026 की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें प्री-लिटिगेशन

- **वर्ष 2026 की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत में 25 अरब रूपए से अधिक के अवॉर्ड जारी हुए।**

सहित कुल 67.20 लाख से अधिक मुकदमों का निस्तारण किया गया और 25 अरब रुपए से अधिक के अवार्ड जारी किए गए। निस्तारित हुए प्रकरणों में 8.60 लाख से अधिक लंबित मुकदमे शामिल हैं।

लोक अदालत का विधिवत शुभारंभ जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर हाईकोर्ट के अन्य न्यायाधीश भी मौजूद

(शेष पृष्ठ 4 पर)

124 आई.ए.एस. और आई.एफ.एस. ने चुनाव आयुक्त के पक्ष में तर्क प्रस्तुत किये

इन अफसरों के अनुसार, केवल आरोप लगाने से आरोप सिद्ध नहीं हो जाते

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। भारत के चुनाव आयुक्त का बचाव करते हुए 124 पूर्व आईएएस और आईएफएस अधिकारियों के खुले पत्र ने भारत में चुनाव की निष्पक्षता, संस्थाओं की विश्वसनीयता और जनता के प्रति जवाबदेही के बीच संबंधों को लेकर एक बड़ा सवाल खड़ा किया है।

इस विवाद का मुख्य मुद्दा मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पैशल इंटैन्सिव रिविज़न/एसआईआर) है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूचियों की पुष्टि करना, अयोग्य या डुप्लिकेट नामों को हटाना और यह सुनिश्चित करना है कि केवल पात्र नागरिकों के नाम ही वोट देने के लिए पंजीकृत हों। पूर्व नौकरशाहों का मुख्य तर्क है कि चुनावी धांधली के आरोपों को केवल इसलिए सही नहीं मान लेना चाहिए कि उन्हें राजनीतिक रूप से जोरदार तरीके से उठाया जा रहा है। ऐसे आरोपों को विश्वसनीय सबूतों से साबित किया जाना चाहिए।

यह रूख लोकतंत्र के एक महत्वपूर्ण सिद्धांत पर आधारित है। चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार संस्था के खिलाफ लगाये गये आरोपों का मूल्यांकन, सत्यापन योग्य तथ्यों के आधार पर किया जाना चाहिए, न कि राजनीतिक बयानबाजी के आधार पर। हेरफेर के दावों तथा विशिष्ट अनियमितताओं की पहचान होनी चाहिए, सहायक दस्तावेज़ दिए जाने चाहिए और सबूतों की निष्पक्ष जाँच होनी चाहिए। इसी तरह, चुनाव आयोग को भी अपनी प्रक्रियाओं और फैसलों से जुड़े उचित सवालों के जवाब देने के लिए तैयार रहना चाहिए।

- **इन अफसरों के अनुसार, किसी आरोप को केवल इसलिए "सिद्ध" नही मान लेना चाहिए, क्योंकि वह आरोप बड़े पुरजोर ढंग से बहुप्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा लगाया गया है।**
- **आरोप "सिद्ध" तभी माना जाना चाहिये जब, आरोप को सही सिद्ध करने के लिये प्रस्तुत तथ्यों की निष्पक्ष तरीके से जांच हो गई हो।**

10 अक्टूबर, 2026 को सामने आया यह पत्र विपक्षी दलों और नागरिक समाज समूहों के विरोध प्रदर्शनों के बीच आया है, जो मतदाता सूची संशोधन में कथित गड़बड़ियों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जवाबदेही की मांग कर रहे हैं। विवाद इस दावे के कारण और बढ़ गया है कि मतदाता सूचियों से बड़ी संख्या में नाम गायब हो गए हैं और चिंताएं हैं कि वैध मतदाताओं के नाम भी हटाए जा सकते हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य डुप्लिकेट, मृत और अन्यथा अयोग्य मतदाताओं के नामों की पहचान करना है।

पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले पूर्व अधिकारियों ने चुनाव हारने पर चुनावी नतीजों को चुनौती देने की प्रवृत्ति पर सवाल उठाया है। उनका कहना है कि किसी संस्था को किसी राजनीतिक दल की जीत के समय विश्वसनीय और हार के समय बेईमान नहीं कहा जा सकता। उन्होंने भारत के चुनावी सुरक्षा उपायों का भी उल्लेख किया है। इसमें मतदान केन्द्रों पर मतदान एजेंटों की मौजूदगी, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को सील करना और उनकी सुरक्षा, स्ट्रॉन्ग रूम की व्यवस्था तथा वोटर वेरिफाएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) के माध्यम से सत्यापन शामिल हैं।

उनका तर्क है कि वोटों में हेराफेरी के आरोपों के साथ ऐसे सबूत भी होने चाहिए, जिनकी उचित कानूनी और संस्थागत प्रक्रियाओं के माध्यम से जाँच की जा सके। केवल सार्वजनिक रूप से आरोप लगा देने से उन्हें साबित तथ्य नहीं माना जाना चाहिए।

एसआईआर केवल मतदाता सूचियों को अपडेट करने की तकनीकी प्रक्रिया नहीं है। मतदाता सूचियाँ तय करती हैं कि कौन अपने मतदान के अधिकार का इस्तेमाल कर सकता है। सूचियों को सही करने से, गलत पहचान बताकर मतदान करने, एक ही व्यक्ति के कई बार रजिस्ट्रेशन और अन्य गड़बड़ियों को रोकने में मदद मिल सकती है। हालांकि, यदि जाँच प्रक्रिया (वैरिफिकेशन प्रोसैस) के दौरान गलती से योग्य वोटरों के नाम हट जाते हैं, तो इससे नागरिक अपने मतदान के अधिकार से वंचित हो सकते हैं और जिस निष्पक्षता के लिए यह प्रक्रिया

(शेष पृष्ठ 4 पर)

सीजेपी आज फिर जंतर-मंतर के लिए कूच करेगी

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता अजिंक्य शिंदे ने एलान किया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन उनका इस्तीफा न होने तक जारी रहेगा। सीजेपी नेता अजिंक्य शिंदे ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा

- **सीजेपी नेता अजिंक्य शिंदे ने ऐलान किया कि उनका प्रदर्शन ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा न होने तक जारी रहेगा।**

कि रविवार को सीजेपी के कार्यकर्ता और प्रदर्शनकारी एक बार फिर से जंतर-मंतर की ओर कूच करेंगे।

उन्होंने आगे कहा, अभिजीत दिपके की दादी का आज निधन हो गया। इसके बावजूद पुलिस ने दिपके को उनके वकील या घर वालों से बात नहीं करने दी। पुलिस उन पर इमोशनल

(शेष पृष्ठ 4 पर)

पर्यटन सीजन शुरू, जैसलमेर में विदेशी सैलानियों की आवक बढ़ने लगी

जर्मनी के सैलानियों ने स्वर्णनगरी की ऐतिहासिक विरासत को निहारा

जर्मनी के सैलानियों ने सोनार दुर्ग की दीवार के आगे खड़े होकर यादगार फोटो लिया।

- गड़ीसर सरोवर से शुरू हुआ सैलानियों का पर्यटन सफर सोनार दुर्ग, दीवान नथमल की हवेली और पटवा हवेली होते हुए रेतीले धोरों तक पहुंचा
- जर्मन सैलानी जैसलमेर के प्रसिद्ध सैंड ड्यून्स पहुंचे, यहां रेगिस्तान के जहाज कहे जाने वाले ऊंट की सवारी का आनंद लिया

जैसलमेर, (निसं)। पर्यटन सीजन की शुरुआत के साथ ही स्वर्णनगरी जैसलमेर में विदेशी सैलानियों की आवक बढ़ने लगी है। शनिवार को जर्मनी से आए सैलानियों के एक समूह ने शहर के ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कर यहां की स्थापत्य कला, पत्थरों पर की गई बारीक नक्काशी और राजस्थानी लोक संस्कृति को करीब से देखा। गड़ीसर सरोवर से शुरू हुआ उनका पर्यटन सफर सोनार दुर्ग, दीवान नथमल की हवेली और पटवा हवेली होते हुए रेतीले धोरों तक पहुंचा।

सैलानियों ने सबसे पहले गड़ीसर सरोवर का भ्रमण किया। इसके बाद वे विश्वविख्यात सोनार दुर्ग पहुंचे। दुर्ग के अखे प्रोल चौक में सैलानियों ने पीले पत्थरों पर उकेरी गई कलात्मक कारीगरी को पृष्ठभूमि में रखते हुए यादगार तस्वीरें खिंचवाईं। समूह में शामिल जूलिया ने सभी सदस्यों के साथ सामूहिक फोटो लिया। इसके बाद सैलानियों ने दुर्ग परिसर स्थित जैन मंदिरों, सिटी व्यू प्वाइंट और राजमहल का अवलोकन किया। सोनार दुर्ग के भ्रमण के बाद जर्मन सैलानी दीवान नथमल की ऐतिहासिक हवेली पहुंचे। यहां टूरिस्ट गाइड अमरदीप सिंह ने उन्हें हवेली के निर्माण और स्थापत्य कला से जुड़ी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जैसलमेर के तत्कालीन महारावल बैरीसाल सिंह ने अपने दीवान मोहता नथमल के निवास के लिए इस हवेली का निर्माण करवाया था।

गाइड के अनुसार, हवेली का निर्माण हाथी और लूलू नामक दो वास्तुकार भाइयों ने किया था। दोनों भाइयों ने निर्माण कार्य हवेली के अलग-अलग सिरों से एक साथ शुरू किया था। इसके कारण दोनों हिस्सों की नक्काशी और बनावट में मामूली अंतर दिखाई देता है, लेकिन समग्र रूप में दोनों भागों में अद्भुत संतुलन नजर आता है। पूरी हवेली पीले बलुआ पत्थर से निर्मित है। मुख्य द्वार पर पत्थर से तराशे गए दो हाथियों की आकृतियां इसकी सुंदरता में चार चांद लगाती हैं।

हवेली की बारीक नक्काशी देखकर सैलानी लुकास अभिभूत नजर आए। उन्होंने कहा कि पीले पत्थर पर इतनी बारीक कारीगरी उन्होंने अपने जीवन में पहली बार देखी है। वहीं, सैलानी लारा हवेली के अग्रभाग में दोनों हिस्सों पर की गई अलग-अलग चित्रकारी को देखकर प्रभावित हुईं। इसके बाद समूह ने पांच भाइयों की ऐतिहासिक पटवा हवेली का भ्रमण किया। हवेली के अग्रभाग पर पीले पत्थर में उकेरी गई चिड़ियों, मोर और कबूतरों सहित विभिन्न पक्षियों की कलाकृतियों ने सैलानी मारिया का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने इन कलाकृतियों को देखकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि इतनी बड़ी संख्या में बारीक नक्काशी उन्होंने पहले कभी नहीं देखी। सैलानियों ने पटवा हवेली चौक में कठपुतलियों की दुकान भी देखी और स्थानीय हस्तकला में रुचि दिखाई।

ऐतिहासिक इमारतों के भ्रमण के बाद जर्मन सैलानी जैसलमेर के प्रसिद्ध सैंड ड्यून्स पहुंचे। यहां उन्होंने रेगिस्तान के जहाज कहे जाने वाले ऊंट की सवारी का आनंद लिया। साथ ही स्थानीय लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत राजस्थानी लोकगीत सुनकर मरुधरा की लोक संस्कृति को महसूस किया। जर्मन सैलानियों का यह भ्रमण जैसलमेर की ऐतिहासिक विरासत, स्थापत्य कला और रेगिस्तानी संस्कृति के विविध रंगों से रूबरू होने का अवसर बना। सोनार दुर्ग की भव्यता, हवेलियों की बेजोड़ नक्काशी और धोरों में लोक संगीत की गूंज ने उनके पर्यटन अनुभव को यादगार बनाया।

रक्षा मंत्री का गजसिंह ने उम्मेद भवन पैलेस में स्वागत किया

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का उम्मेद भवन पैलेस पहुंचने पर गजसिंह व हेमलता राज्ये द्वारा बुके भेंट कर उनका स्वागत किया।

- गज सिंह ने रक्षा मंत्री के समक्ष केंद्र में राजस्थान की तरह ईडब्ल्यूएस में सरलीकरण की मजबूती से बात रखी और पत्र सौंपा

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व पूर्व नरेश गजसिंह की शनिवार को उम्मेद भवन पैलेस के मारवाड़ हाल में मुलाकात हुई। गजसिंह की तरफ से लंच का आयोजन रखा गया था। रक्षा मंत्री का उम्मेद भवन पैलेस पहुंचने पर गज सिंह व हेमलता राज्ये द्वारा बुके भेंट कर उनका स्वागत किया गया। गज सिंह ने इस दौरान रक्षा मंत्री के समक्ष केंद्र में राजस्थान की तरह ईडब्ल्यूएस में सरलीकरण की मजबूती से बात रखी और उन्हें पत्र भी सौंपा।

उन्होंने अनुरोध किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस संबंध में बात करें। गजसिंह ने कहा कि ईडब्ल्यूएस पात्रता की 5 एकड़ भूमि संबंधी शर्त व केंद्रीय परीक्षाओं में आयु सीमा और शुल्क में छूट दी जाए। उन्होंने कहा कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के युवाओं को शिक्षा और रोजगार में अवसर देना है, यह उद्देश्य तभी पूरा होगा जब पात्रता के नियम देश के अलग-अलग क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों को ध्यान में रखें और युवाओं को अवसर तक पहुंचने में व्यावहारिक सहायता मिले।

उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार ने 2019 में राज्य की नौकरी और राज्य संचालित शिक्षण संस्थानों के लिए ईडब्ल्यूएस पात्रता में भूमि और आवासीय संपत्ति की शर्तें हटाकर 8 लाख की वार्षिक पारिवारिक आय को आधार बनाया था। केंद्र सरकार भी इस व्यावहारिक राज्य स्तरीय उदाहरण को केंद्रीय नौकरियों और शिक्षण संस्थानों के लिए अपनाने पर विचार करें। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सरकारी भर्ती परीक्षा में ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों को आयु सीमा में प्रयुक्त छूट और आवेदन शुल्क में रियायत दी जाए ताकि पात्र युवा आर्थिक कठिनाई के कारण प्रतियोगिता में भाग लेने के अवसर से वंचित नहीं हो।

उन्होंने इस अवसर पर रक्षा मंत्री से अनुरोध किया कि प्रधानमंत्री व कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग और संबंधित मंत्रालयों के समक्ष इस जनहित के विषय को उठाकर समयबद्ध समीक्षा का मार्ग प्रशस्त करें। ऐसा होने से आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को केंद्र की नौकरियों में भी अधिक फायदा मिल सकेगा। मुलाकात के दौरान जोधपुर में हवाई सुविधाओं की ओर बढ़ोतरी, मारवाड़ की संस्कृति व पर्यटन के संबंध में भी चर्चा हुई। उम्मेद भवन पैलेस में इस अवसर पर सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणी, सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ, वायु सेना अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे।

पुष्कर सरोवर के रामघाट पर दो युवक डूबे, एक की मौत

- दूसरे को बचाया, शनि अमावस्या पर स्नान के दौरान हुआ हादसा

पुष्कर, (निसं)। शनि अमावस्या के अवसर पर पुष्कर सरोवर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच रामघाट पर स्नान करते समय दो युवक डूबने लगे। हादसे की सूचना मिलते ही सिविल डिफेंस की रेस्क्यू टीम और स्थानीय पुरोहित राहुल पाराशर ने बचाव अभियान चलाया। टीम ने दोनों युवकों को सरोवर से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां एक युवक को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे युवक की जान बचा ली गई।

मृतक की पहचान अरविंद सोनी (24) पुत्र इंदरचंद सोनी, निवासी बिंदासर, जिला चूरू के रूप में हुई है। वहीं, बचाए गए युवक की पहचान मोनू सोनी (20) पुत्र ओमप्रकाश सोनी, निवासी टाटनवा, जिला सीकर के रूप में हुई है। सिविल डिफेंस टीम के किशन गोपाल जाट ने बताया कि रामघाट पर दो युवकों के डूबने की सूचना मिलने पर टीम के सदस्य तत्काल बचाव कार्य में जुट गए। किशन गोपाल जाट, राधेश्याम माली, सुनील सोनी, हिम्मत सिंह, सुरेंद्र परिहार और नरेश दगदी ने स्थानीय पुरोहित राहुल पाराशर के सहयोग से दोनों युवकों को सरोवर से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने अरविंद सोनी को मृत घोषित कर दिया, जबकि मोनू सोनी को बचा लिया गया। शनि अमावस्या पर हुए इस हादसे से श्रद्धालुओं के बीच चिंता का माहौल रहा।

टोंक में साइबर ठगी का एक आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। बरौनी थाना क्षेत्र में थाना बरोनी टीम व जिला स्पेशप टीम ने साइबर ठगी के खिलाफ संयुक्त कार्यवाही करते हुए उनके नेटवर्क का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

आरोपी सोशल मीडिया पर मुनाफे का लालच देकर लोगों से ऑनलाइन ठगी करते थे। पुलिस ने कब्जे से 8 मोबाइल फोन, एक टैबलेट, 14 एटीएम कार्ड, 14 सिम कार्ड सहित साइबर ठगी में इस्तेमाल होने वाला अन्य सामान जब्त किया है। वहीं दोनों आरोपियों द्वारा अपने म्यूल अकाउंट में कुल 51 हजार 55 रुपये की राशि प्राप्त की गई है। पुलिस ने आरोपी ओमप्रकाश मीणा निवासी राजाधिराजपुरा दत्तवास को गिरफ्तार किया है तथा दूसरा आरोपी मुकेश मीणा फरार होने में कामयाब रहा। पुलिस के अनुसार मुकेश मकान मालिक है, उसकी तलाश की जा रही। पुलिस इन उपकरणों और दस्तावेजों के आधार पर ठगी के नेटवर्क से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है। मामले में बरौनी थाने में दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ एनसीआरपी पोर्टल पर 6 शिकायतें दर्ज हैं।

वाहन की चपेट से बाइक सवार दो जनों की मौत, तीन घायल

दो बाइकों पर सवार पांच युवक बारां में आयोजित डोल मेले से वापस कोटा की ओर आ रहे थे

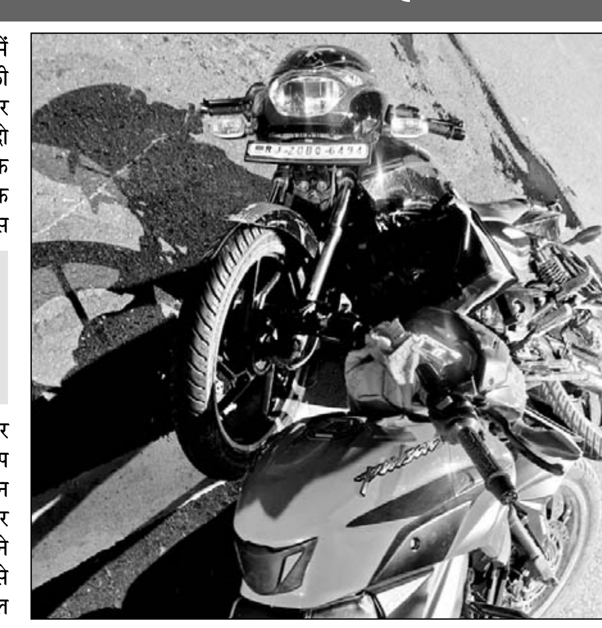
कैथून थाना इलाके में हादसे में मोटरसाइकिलें क्षतिग्रस्त हो गई।

- अज्ञात वाहन ने दो बाइक सवार पांच युवकों को टक्कर मार दी थी

कोटा, (निसं)। कैथून थाना इलाके में शुक्रवार देर रात्रि को अज्ञात वाहन की चपेट मे आने से दो बाइक पर सवार पांच जने घायल हो गये, जिसमें दो युवकों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दो बाइकों पर सवार पांच युवक बारां में आयोजित डोल मेले से वापस कोटा की ओर आते समय फोरलेन पर कैथून थाना इलाके के डायरा के समीप पीछे से तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने दोनों बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी। अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो बाइकों पर सवार पांच जनो में से दो की मौत हो गई एवं तीन अन्य घायल हो गये। कैथून थानाधिकारी मनोज सिकरवार ने बताया कि दो बाइकों पर सवार पांच युवक बारां में आयोजित डोल मेला देखकर वापस कोटा की ओर आते समय नेशनल हाईवे-27 पर थाना इलाके के डायरा के समीप दोनों बाइक सवार अज्ञात वाहन की चपेट में आ गये, हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। थानाधिकारी ने बताया कि हादसे में बाइक सवार बरडा बस्ती निवासी सुनील हरित (24) की मौके पर ही मौत हो गई एवं गंभीर रूप से घायल घोड़ा बस्ती निवासी सोनू उर्फ सन्नी (24) ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं हादसे में घोडा बस्ती निवासी दीपक, बरडा बस्ती निवासी विष्णु और घोड़ा बस्ती निवासी इंद्र घायल हो गये सभी घायलों को उपचार के लिये कोटा के अस्पताल में भर्ती कराया गया, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

युवक की मौत

सादुलपुर, (निसं)। गांव मिट्ठी रेडू में खेत में कृषि कार्य के दौरान कुंड से पानी निकालते समय पैर फिसलने से पानी में डूबने के कारण गांव बैजूवा निवासी 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही राजगढ़ थाना पुलिस ने मौका निरीक्षण किया और युवक के शव को पानी के कुंड से बाहर निकालने की कार्रवाई की।

थाना अधिकारी राजेश सिहाग ने बताया कि गांव बैजूवा निवासी पूर्ण सिह ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि उसका भतीजा सचिन पुत्र रामभगत अपनी ससुराल मिट्ठी रेडू में गया हुआ था, जहां 9 अक्टूबर को खेत में कृषि कार्य के दौरान कुंड से पानी निकालते समय अचानक उसका पैर फिसल गया और वह कुंड में पानी में डूब गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

सीकर में चूरू के सर्राफा कारोबारी और मुनीम से सोने के गहने लूटे

- सोने की डाई कटिंग करवाने आए थे चूरू के सर्राफा कारोबारी और मुनीम
- आरोपियों ने कारोबारी के मुनीम को बीच सड़क पर थप्पड़ मारकर वारदात की और फरार हो गये

सीकर, (निसं)। सीकर में सोने की डाई कटिंग करवाने आए चूरू के सर्राफा कारोबारी और मुनीम से लूट का मामला सामने आया है। आरोपियों ने कारोबारी के मुनीम को बीच सड़क पर थप्पड़ मारकर सोने के गहने लूट लिए। पीड़ित सर्राफा कारोबारी ने सीकर के कोतवाली पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया है।

चूरू के वार्ड नंबर 9 निवासी आशुतोष सोनी ने कोतवाली पुलिस थाने में शिकायत दी है। शिकायत में बताया कि वह अपने मुनीम गणपत दास के साथ 8 अक्टूबर को ज्वैलरी के काम से सीकर आए थे। शाम को करीब 4:20 बजे मुनीम गणपत दास घंटाघर के पास स्थित बसंत कुमार राकेश की दुकान से डाई कटिंग करवाकर चांदपोल गेट की तरफ जा रहे थे।

इसी दौरान क्लब फॉक्स शोरूम चौराहे पर एक अंजान आदमी मुनीम के पीछे चल रहा था, जिसने अचानक रोक लिया। इसके बाद वह अनजान आदमी खुद को अधिकारी बताकर कहने लगा कि तुम्हे साहब बुला रहे हैं। संदिग्ध आदमी मुनीम गणपत दास को अपने साथी के पास ले गया। दूसरा व्यक्ति बैग चेक करने का ड्रामा करने लगा। फिर थप्पड़ मारकर मुनीम गणपत दास से बैग छीन लिया।

मुनीम ने विरोध किया तो थप्पड़ मारकर साइड में खड़े रहने को कहा। इसके बाद बैग से एक डिब्बा निकाला, जिसमें 160.640 ग्राम सोने की कटाई, 3.300 ग्राम सोने के चार मंगलसूत्र, 34 सोने के मोती, 5 ग्राम वजन की एक सोने की नथ और पैंडल सेट सहित अन्य गोल्ड लूट लिया। इसके बाद वह लोग वहां से फरार हो गए।

पावटा क्षेत्र के भोनावास दह धाम की पहाड़ियों में आग लगी

आग से वन क्षेत्र में मौजूद वन्यजीवों, पेड़-पौधों और प्राकृतिक संपदा को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई

स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने के प्रयास किये।

पावटा, (निसं)। क्षेत्र के भोनावास हनुमान मंदिर दह धाम की पहाड़ियों में अज्ञात कारणों से आग लगने की घटना सामने आई है। पहाड़ियों में लगी आग से वन क्षेत्र में मौजूद वन्यजीवों, पेड़-पौधों और प्राकृतिक संपदा को नुकसान पहुंचने की आशंका है। आग की लपटों ने पहाड़ियों के प्राकृतिक वातावरण को प्रभावित किया है, जिससे पर्यावरण संरक्षण को लेकर चिंता बढ़ गई है। पहाड़ियों में आग लगने से वहां रहने वाले छोटे-बड़े वन्यजीवों के जीवन पर संकट मंडरा रहा है। आग की चपेट में आने से जीव-जंतुओं के प्रभावित होने के साथ ही उनके प्राकृतिक आवास को भी नुकसान पहुंच सकता है।

भोनावास दह धाम की पहाड़ियां प्राकृतिक सौंदर्य और वन संपदा की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में आग की घटना ने वन एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं आग की सूचना पर पावटा प्रागपुरा नगरपालिका की दमकल व प्रागपुरा थाना पुलिस पहुंची व करीब 6 घंटे बाद पहाड़ी के नीचे वाले हिस्से में लगी आग पर काबू पाया। आग से उठ रहा धुआं पूरे क्षेत्र में प्रदूषण फैला रहा है, जिससे लोगों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा आग से निकलने वाला धुआं वातावरण को प्रदूषित कर रहा है, जिसका असर आम लोगों के स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। लोग कहते हैं वन विभाग को आग की घटनाओं को रोकने के लिए ठोस और प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर जानबूझकर आग लगाने वाले शरारती तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

अज्ञात कारणों से किराना दुकान में आग लगी : कोटपूतली केनिकटवर्ती ग्राम खेड़ा निहालपुरा में शनिवार दोपहर एक गरीब परिवार की आजीविका का एकमात्र सहारा पलभर में जलकर राख हो गया। खेड़ा निहालपुरा निवासी मोहित पुत्र गजेसिंह की किराना दुकान में शनिवार को अज्ञात कारणों से अचानक भीषण आग लग गई। दुकान के पास से ही आम रास्ता गुजरता है। आशंका जताई जा रही है कि रास्ते से गुजरते समय किसी राहगीर ने जलती हुई बीड़ी लापरवाही से वहाँ फेंक दी, जिसकी चिंगारी ने धीरे-धीरे सुलगकर विकराल आग का रूप ले लिया। पीड़ित मोहित गरीब परिवार से ताल्लुक रखते हैं। इस किराना स्टोर के अंदर रखा करीब 70 हजार रुपये का पूरा सामान व नकदी जलकर पूरी तरह खाक हो गई है।

ब्यावर में कलैक्टर की जनसुनवाई में पीड़ितों को मिल रही है सहायता

ब्यावर के शाहपुरा मोहल्ला निवासी मुकेश वैष्णव और उनकी पत्नी विमला देवी के लिए जिला प्रशासन की पहल मददगार साबित हुई

- पत्नी के इलाज के लिए पति को आर्थिक मदद और एम्बुलेंस की व्यवस्था मिली, डेढ़ माह के इलाज के बाद स्वास्थ्य में सुधार हुआ

जयपुर/ब्यावर। मुश्किल वक्त में जब अपनों के अलावा किसी से मदद की उम्मीद नहीं होती, तब शासन-प्रशासन का साथ किसी सहारे से कम नहीं होता। ब्यावर के शाहपुरा मोहल्ला निवासी मुकेश वैष्णव और उनकी पत्नी विमला देवी के लिए जिला प्रशासन की पहल ऐसी ही मददगार साबित हुई। साधन संसाधन में सबसे कमजोर व्यक्ति को सबसे पहले मदद देकर अंत्योदय के सिद्धान्त को व्यवहार में लाने के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संकल्प को समझना है तो मुकेश के साथ घटी घटना के पहलुओं पर गौर करना होगा।

मुकेश की पत्नी विमला देवी करीब पांच-छह वर्ष पहले मोटरसाइकिल दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गई, हादसे के बाद उनके पैरों में संक्रमण हो गया और धीरे-धीरे उनका चलना-फिरना पूरी तरह बंद हो गया। संक्रमण बढ़ने पर एम्स, जोधपुर में घाव का उपचार कराया गया लेकिन स्थिति गंभीर होने और गैंगरीन सहित अन्य स्वास्थ्य समस्याएं सामने आने के बाद वर्ष 2022 में विक्टोरिया अस्पताल, अजमेर में उनका पैर काटना पड़ा।

मुकेश ने बताया कि पत्नी की तबीयत अक्सर खराब रहती है और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर है। आर्थिक परेशानियों के बीच पत्नी के इलाज को लेकर वे बेहद चिंतित थे। इसी दौरान उन्होंने अपनी समस्या जनसुनवाई में जिला कलैक्टर कमल राम मीना के समक्ष रखी। जनसुनवाईयों का इतिहास पुराना है। शासन की हर प्रणाली में जनसुनवाई होती रही हैं लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पद की शपथ लेने के प्रथम दिन से ही जनसुनवाई को गरीब और वंचित की पीड़ा को हरने का माध्यम बनाने का फैसला लिया और मंत्रियों और अधिकारियों को जन की बात सुन कर समाधान निकालने के निर्देश दिए और इस निर्देश की पालना की निगरानी की पुख्ता व्यवस्था की। कलैक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई, साथ ही विमला देवी को एम्बुलेंस से ब्यावर से जोधपुर एम्स तक भेजा, जहां करीब डेढ़ माह से अधिक समय तक उपचार चला। उपचार के बाद अब उनके स्वास्थ्य में सुधार है। इलाज के बाद पत्नी के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे मुकेश वैष्णव ने जिला कलैक्टर कमल राम मीना से मुलाकात कर धन्यवाद और आभार जताया। उन्होंने कहा कि पत्नी की बीमारी और आर्थिक संकट के कठिन दौर में जिला प्रशासन से मिली मदद ने उन्हें बड़ा संबल दिया।

ऑपरेशन विषनहस : भूटान भागने से पहले ए.एन.टी.एफ. के हत्थे चढ़ा इनामी तस्कर

मादक पदार्थ तस्कर सोहनलाल काठमांडू में छिपा था, पुलिस ने भारत बुलाकर रक्सौल सीमा पर दबोचा

जयपुर (कासं)। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने 'ऑपरेशन विषनहस' के तहत बड़ी अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई करते हुए छह साल से फरार 75 हजार रुपए के इनामी मादक पदार्थ तस्कर सोहनलाल उर्फ सोनू (32) निवासी धोरीमन्ना जिला बालोतरा को भारत-नेपाल सीमा पर बिहार के रक्सौल से गिरफ्तार किया है। आरोपी नेपाल के काठमांडू में छिपकर रह रहा था और वहां से राजस्थान में अपने तस्करी नेटवर्क को संचालित कर रहा था। उसे पकड़ने के लिए एएनटीएफ टीम ने पशुपतिनाथ मंदिर के बाहर माला बेचने वाले, तिलक लगाने वाले और श्रद्धालुओं का भेष धारण कर जाल बिछाया। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

एएनटीएफ के पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि नेपाल से गिरफ्तार किया गया यह एएनटीएफ का पहला अंतरराष्ट्रीय फरार इनामी तस्कर है। इस कार्रवाई के साथ एएनटीएफ देश-विदेश से अब तक 103 फरार इनामी तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

शराब तस्करी के बाद डोडा-चूरा का कारोबार

एएनटीएफ पुलिस महानिरीक्षक के अनुसार आरोपी सोहनलाल 12वीं तक पढ़ा है। बुरी संगति के कारण उसे शराब की लत लगी और वर्ष 2016 में उसने अवैध शराब की तस्करी शुरू कर दी। बालोतरा में उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के दो मामले दर्ज हुए। इस दौरान वह बाड़मेर जेल में 30 दिन तक बंद रहा। पुलिस के मुताबिक, जेल से बाहर आने के बाद उसने शराब तस्करी में जोखिम अधिक और मुनाफा कम समझते हुए डोडा-चूरा और अफीम की तस्करी शुरू कर दी।

आरोपी ने मध्य प्रदेश के नीमच तथा राजस्थान के चित्तौड़गढ़, उदयपुर और भीलवाड़ा से डोडा-चूरा जुटाकर मारवाड़ और पंजाब के तस्करों तक पहुंचाना शुरू किया। वर्ष 2020 में जालौर जिले के चितलवाना थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज होने के बाद वह फरार हो गया। इसके बाद वह मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, गोवा, दिल्ली, चंडीगढ़ और आंध्र प्रदेश सहित विभिन्न स्थानों पर ठिकाने बदलता रहा।

नेपाल में पशुपतिनाथ मंदिर जाता था आरोपी

राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने छह साल से फरार मादक पदार्थ तस्कर सोहनलाल को भारत-नेपाल सीमा पर बिहार के रक्सौल से गिरफ्तार किया।

■ छह साल से फरार इस अंतर्राष्ट्रीय तस्कर को पकड़ने के लिए एएनटीएफ टीम ने पशुपतिनाथ मंदिर के बाहर माला-तिलक बेचने का स्वांग रचा

पुलिस के अनुसार वर्ष 2025 में राजस्थान पुलिस में एएनटीएफ के गठन के बाद गिरफ्तारी के डर से आरोपी अक्टूबर 2025 में नेपाल भाग गया। वह काठमांडू में रहकर राजस्थान में अपने नेटवर्क को संचालित कर रहा था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह रोज पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शन करने और मन्नत मांगने भी जाने लगा।

पंजाब का तस्कर बनकर बिछाया जाल

एएनटीएफ टीम ने पहले आरोपी के स्थानीय गुर्गों तक पहुंच बनाई। पुलिसकर्मियों ने खुद को पंजाब का बड़ा मादक पदार्थ खरीदार बताकर भारी मात्रा में माल खरीदने की पेशकश की। गुर्गों ने बताया कि इतनी बड़ी डील के लिए उनके आका सोहनलाल से नेपाल में मिलना होगा। इसके बाद टीम काठमांडू पहुंची। आरोपी की पहचान और गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पुलिसकर्मियों ने अलग-अलग भेष धारण किए। एक जवान माला बेचने वाला बना, दूसरा माथे पर चंदन लगाकर तिलक लगाने वाले के रूप में रहा, जबकि अन्य जवान सामान्य श्रद्धालुओं की तरह तैनात हुए।

पुलिस टीम ने पंजाब का बड़ा तस्कर बनकर सोहनलाल से मुलाकात की और उसका विश्वास जीता। इसके बाद उसे बताया गया कि सुरक्षा कारणों से बड़ी नकदी नेपाल नहीं लाई जा सकती। उसे अग्रिम राशि लेने के लिए बिहार के रक्सौल बॉर्डर पर बुलाया गया। भारी मुनाफे और नकदी के लालच में जैसे ही आरोपी भारतीय सीमा में दाखिल हुआ, टीम ने उसे दबोच लिया।

भूटान भागने की तैयारी में था आरोपी

पुलिस के मुताबिक आरोपी को आशंका थी कि एएनटीएफ नेपाल तक पहुंच सकती है। इसी कारण उसने 10 अक्टूबर 2026 को भूटान भागने की योजना बनाई थी, लेकिन इससे पहले ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर उसके तस्करी नेटवर्क, संपर्कों और अन्य सहयोगियों के बारे में जानकारी जुटाएगी।

रेस्टोरेंट की आड में चल रहा था अवैध हुक्का बार

जयपुर। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने जेएलएन मार्ग स्थित 3डी रेस्टोरेंट एंड बार में कार्रवाई कर कथित अवैध हुक्का बार का खुलासा किया। पुलिस ने मौके से रेस्टोरेंट मैनेजर मोहम्मद नाहिद (30) को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान चार हुक्के, चार चिलम, चार पाइप और विभिन्न प्रकार के तंबाकूयुक्त फ्लेवर जब्त किए गए। हुक्का पी रहे चार युवकों के कोटपा अधिनियम के तहत 200-200 रुपए के चालान काटे गए।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि जिले में देर रात तक संचालित कैफे और बार में अवैध गतिविधियों पर निगरानी रखने तथा उनके खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इसके तहत जवाहर सर्किल थानाधिकारी महेश चंद के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।

थानाधिकारी महेश चंद के अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि जेएलएन मार्ग स्थित यूडीबी बिल्डिंग के 3डी रेस्टोरेंट एंड बार में ग्राहकों को खानपान के साथ हुक्का पिलाया जा रहा है। इस पर उपनिरीक्षक श्याम प्रकाश टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान रेस्टोरेंट में टेबलों पर हुक्के रखे मिले। चिलम में तंबाकूयुक्त फ्लेवर का इस्तेमाल किया जा रहा था और टेबलों पर जलते कोयले तथा फॉयल पेपर भी भरा फ्लेवर भी मिला।

पुलिस ने हुक्का बार संचालन से संबंधित लाइसेंस मांगा, लेकिन मैनेजर प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने हुक्का सामग्री जब्त कर मैनेजर को गिरफ्तार किया। वहीं, हुक्का पी रहे चार युवकों के कोटपा अधिनियम के तहत 200-200 रुपए के चालान काटे गए।

सार-समाचार

मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला आयोजित

जयपुर। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर-द्वितीय, एसएमएस अस्पताल एवं एसएमएस मेडिकल कॉलेज की ओर से कॉलेज परिसर के एलटी-1 में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के मुख्य अतिथि विशिष्ट न्यायाधीश, पॉक्सो एक्ट प्रकरण क्रम-1, जयपुर महानगर-द्वितीय श्री विकास खंडेलवाल तथा विशिष्ट अतिथि मनोस्वास्थ्य संस्थान, जयपुर के वरिष्ठ प्राध्यापक एवं अध्यक्ष डॉ. शिव गौतम रहे। अध्यक्षता करते हुए विकास खंडेलवाल ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य केवल दिखाई देने वाली बीमारियों तक सीमित नहीं है। आघात या दुर्घटना से उत्पन्न मानसिक समस्याओं को दवा, परामर्श और ध्यान के माध्यम से गंभीर होने से रोकने के प्रयास किए जा सकते हैं। इस अवसर पर हार्टफुलनेस ध्यान सत्र भी आयोजित किया गया। डॉ. शिव गौतम ने मानसिक बीमारियों की मूलभूत जानकारी देते हुए कहा कि इनके प्रति समाज में व्याप्त पूर्वाग्रह दूर करना जरूरी है। मानसिक समस्याओं को समय पर समझने और उपचार में देरी से गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

लोक अदालत बेंच-9 ने 5300 मामले निपटाए

जयपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित लोक अदालत में जयपुर महानगर प्रथम की बेंच संख्या 9 ने 5,300 मामलों का निस्तारण किया। बेंच अध्यक्ष आरजेएस मनीष स्वामी और सदस्य अधिवक्ता हर्ष गोस्वामी के मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में विभिन्न मामलों का आपसी सहमति, सुलह और समझाइश के माध्यम से समाधान किया गया। लोक अदालत में यस बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, आवास फाइनेंस और फिनोवा कैपिटल से जुड़े प्रकरणों का निस्तारण किया गया। इन संस्थाओं से संबंधित परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट) के तहत न्यायालय संख्या 8, 9, 10 और 13 में लंबित विवादों के समाधान में लोक अदालत की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मामलों के निस्तारण से पक्षकारों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिली और समय व संसाधनों की बचत हुई। लोक अदालत का उद्देश्य त्वरित, सुलभ और सौहार्दपूर्ण न्याय उपलब्ध कराने के साथ न्यायालयों में लंबित मामलों का भार कम करना रहा।

स्व. महेंद्र यादव को श्रद्धांजलि अर्पित

जयपुर। जयपुर समाचार पत्र वितरक महासंघ की ओर से स्वर्गीय महेंद्र यादव की 16वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन नर्मदेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण, अल्बर्ट हॉल के पीछे रामनिवास बाग में किया गया। इस दौरान जयपुर शहर के विभिन्न सेंटरों से आए समाचार पत्र वितरकों ने राम नाम संकीर्तन किया और पुष्पांजलि अर्पित कर स्वर्गीय यादव को श्रद्धांजलि दी। महासंघ के संगठन मंत्री एवं भाजपा शहर उपाध्यक्ष अजय यादव ने बताया कि इस दिवस को वितरक एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर पौधरोपण भी किया गया। श्रद्धांजलि सभा में महासंघ के कोषाध्यक्ष हनुमान सैनी सहित अनिल यादव (झोटवाड़ा), घनश्याम यादव, राजेश यादव, टीकम यादव, कैलाश मीना एडवोकेट, ओम प्रकाश यादव, गोविंद गुर्जर, पप्पू यादव, मनोज कुमार, दिनेश सैनी, गजेंद्र सिंह, मुकेश शर्मा (मोंटू), सलीम खान, भूपेंद्र यादव, पवन यादव और उमेश शर्मा सहित अन्य समाचार पत्र वितरक मौजूद रहे।

आईसीए गैलरी में ''वर्चुओसिटी'' प्रदर्शनी

जयपुर। आईसीए गैलरी की वार्षिक प्रदर्शनी 'वर्चुओसिटी' में आधुनिक भारतीय कला के 65 से अधिक प्रतिष्ठित कलाकारों की चुनिंदा कलाकृतियां प्रदर्शित की जा रही हैं। शनिवार को प्रदर्शनी का उद्घाटन राजस्थान सरकार के कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल तथा आईसीए गैलरी के विजेंद्र बंसल और अभिनव बंसल ने किया। प्रदर्शनी में एम.एफ. हुसैन की 'प्रॉपर्टी ऑफ अ लेडी', 'प्रॉपर्टी ऑफ अ टीचर' और 'होनोलूलु!' के साथ एस.एच. रजा की 'अंचल' व 'बिंदु' तथा एफ.एन. सूज़ा की 'अनटाइटल्ड (लैंडस्केप विद क्रॉसेज़)' प्रमुख आकर्षण हैं। इसके अलावा परेश मैती की 'शांतिनिकेतन' और 'शांतिनिकेतन', के.जी. सुब्रमण्यन की जलरंग, गौश और पेस्टल माध्यम की कलाकृतियां तथा गणेश पाइन की विशिष्ट शैली की कृतियां भी प्रदर्शित की गई हैं।

पांच स्पा सेंटर्स पर पुलिस की दबिश

जयपुर। मुरलीपुरा पुलिस ने स्पा सेंटरों के खिलाफ विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए पांच सेंटरों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस आयुक्तालय की गाइडलाइन की पालना नहीं मिलने पर 12 युवतियों और दो युवकों सहित 14 जनों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित स्पा सेंटरों में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसकी जांच और कार्रवाई के लिए, मुरलीपुरा थानाधिकारी वीरेंद्र कुरील के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। जहां टीम ने ए वन स्पा, रॉयल रिलैक्स स्पा, सॉफ्ट स्पा, ब्लैक बेरी स्पा और एमआरपी स्पा का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान निर्धारित दिशा-निर्देशों की पालना नहीं मिलने पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले स्पा सेंटरों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

दिया कुमारी नारी शक्ति मंथन' में शामिल

नई दिल्ली। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज नई दिल्ली में भाजपा शासित राज्यों के महिला एवं बाल विकास मंत्रियों के साथ आयोजित 'नारी शक्ति मंथन' कार्यशाला में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बी.एल. संतोष, पूर्व राज्यसभा सांसद विनय सहस्त्रबुद्धे और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी का मार्गदर्शन प्राप्त किया। कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और विभिन्न राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। साथ ही, विभिन्न राज्यों में अपनाई जा रही बेहतर कार्यप्रणालियों को साझा करने और उन्हें प्रभावी रूप से लागू करने की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। दिया कुमारी ने महिला विकास से महिला-नेतृत्व वाले विकास की दिशा में देश की प्रगति का उल्लेख किया।

''जश्ने-ए-बिग बी'' सम्मान समारोह आज

जयपुर। बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के 84वें जन्मदिन के अवसर पर रविवार, 11 अक्टूबर को शाम 6:30 बजे पिंक सिटी प्रेस क्लब सभागार में 'जश्ने-ए-बिग बी अवार्ड एवं सम्मान समारोह' आयोजित होगा। कार्यक्रम संयोजक और अमिताभ बच्चन के प्रशंसक नवल डांगी ने बताया कि समारोह में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ. समित शर्मा मुख्य अतिथि होंगे, जबकि अध्यक्षता लोकेश कुमार सिंह साहिल करेंगे। भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष डॉ. राखी राठौड़, कर्नल आर.एस. शेखावत रहेंगे।

शारदीय नवरात्र आज से : माता रानी के स्वागत में सजे बाजार

■ चुनरी, नारियल, कलश, पूजा सामग्री और सजावटी सामान की दुकानों पर रही रौनक

■ परकोटा से लेकर मानसरोवर, मालवीय नगर और प्रताप नगर तक दिखेगा त्यौहार का उत्साह

जयपुर (कासं)। शारदीय नवरात्र रविवार से शुरू होने जा रहे हैं। इसके साथ ही राजधानी जयपुर में नौ दिन तक चलने वाले शक्ति की उपासना के पर्व की रौनक दिखाई देने लगी है। माता रानी के स्वागत के लिए शहर के प्रमुख बाजारों से लेकर कॉलोनियों के छोटे-बड़े बाजारों तक तैयारियां शुरू हो गई हैं। दुकानदारों ने पूजा सामग्री, चुनरी, नारियल, कलश, माता की प्रतिमाओं और सजावटी सामान से दुकानें सजानी शुरू कर दी हैं। वहीं, घरों और मंदिरों में घट स्थापना तथा पूजा-अर्चना की तैयारियां भी की जा रही हैं।

नवरात्र को लेकर शहर के परकोटा क्षेत्र के बाजारों में विशेष हलचल रहने की उम्मीद है। बड़ी चौपड़, छोटी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, जौहरी बाजार, किशनपोल बाजार और चांदपोल बाजार सहित विभिन्न प्रमुख बाजारों में नवरात्र से जुड़ी सामग्री की खरीदारी की तैयारियां हैं। इसके अलावा मानसरोवर, मालवीय नगर, प्रताप नगर, वैशाली नगर, राजापार्क और झोटवाड़ा के बाजारों में भी त्योहार को लेकर रौनक बढ़ने लगी है। घरों में पूजा के लिए जरूरी सामान जुटाने के साथ ही माता की चौकी सजाने और मंदिरों को आकर्षक रूप देने की तैयारियां की जा रही हैं।

चुनरी और माता की पोशाक तक की मांग

नवरात्र के दौरान माता रानी को चुनरी अर्पित करने और विशेष श्रृंगार करने की परंपरा के चलते लाल चुनरी, पोशाक, मुकुट, आभूषण और श्रृंगार सामग्री का विशेष महत्व रहता है। बाजारों में अलग-अलग रंगों और डिजाइन की चुनरियां, माता की पोशाकें, पूजा थालियां और सजावटी वस्तुएं उपलब्ध हैं। श्रद्धालु अपनी पसंद और बजट के अनुसार पूजा सामग्री खरीदने की तैयारी कर रहे हैं।

घट स्थापना के लिए कलश, मिट्टी के पात्र, दीपक, रोली, मौली, चावल, सुपारी, नारियल, कपूर, घी और धूपबत्ती जैसी सामग्री की भी जरूरत रहती है। इसके साथ ही माता की चौकी सजाने के लिए रंग-बिरंगे कपड़े, फूल-मालाएं, बंदनवार, झालर और रोशनी के सामान की खरीदारी भी की जाती है। बाजारों में इन वस्तुओं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए दुकानदार तैयारियां कर रहे हैं।

घरों व मंदिरों में होगी घट स्थापना

शारदीय नवरात्र में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। पहले दिन शुभ मुहूर्त में घट स्थापना के साथ नवरात्र की शुरुआत होगी। श्रद्धालु घरों में कलश स्थापित कर अखंड ज्योत जलाएंगे और नौ दिनों तक विधि-विधान से पूजा-अर्चना करेंगे। कई घरों में दुर्गा सप्तशती का पाठ, भजन-कीर्तन और विशेष धार्मिक अनुष्ठान भी आयोजित किए जाएंगे।

नवरात्र को देखते हुए जयपुर के प्रमुख देवी मंदिरों में भी तैयारियां की जा रही हैं। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, फूलों से सजावट और श्रद्धालुओं के दर्शन की व्यवस्था पर ध्यान दिया जा रहा है। नवरात्र के दौरान बड़ी संख्या में भक्त माता के दर्शन करने पहुंचते हैं। ऐसे में मंदिर प्रबंधन की ओर से भीड़ को व्यवस्थित रखने, प्रवेश और निकास मार्ग सुचारू बनाए रखने तथा साफ-सफाई की व्यवस्था को लेकर तैयारियां की जाती हैं। शहर के धार्मिक स्थलों पर नवरात्र के दौरान भजन-कीर्तन और विशेष अनुष्ठानों का आयोजन भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहता है। सुबह से शाम तक मंदिरों में दर्शन के लिए भक्तों की आवाजाही बनी रहती है।

चांदी के आभूषणों से भरा पार्सल चुराने वाले 2 बदमाश गिरफ्तार, नाबालिग निरुद्ध

जयपुर। बनीपार्क थाना पुलिस ने कूरियर ऑटो से चांदी के आभूषणों से भरे पार्सल चोरी करने के मामले में अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर एक विधि से संघर्षरत बालक को निरुद्ध किया है। आरोपियों के कब्जे से अब तक करीब 10 किलोग्राम चांदी के आभूषण और अन्य सामान बरामद किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि परिवादी की फर्म पर काम करने वाले कर्मचारी ने अपने गांव के दोस्त के साथ मिलकर चोरी की साजिश रची थी।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि मुरलीपुरा निवासी रवि कुमार ने बनीपार्क थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उसने सुभाष नगर शॉपिंग सेंटर स्थित न्यू नीलकंठ एयर सर्विस से 30 सितंबर 2026 को अहमदाबाद, सूरत और मुंबई भेजने के लिए पार्सल बुक किए गए थे। कंपनी का स्टाफ इन पार्सलों को लोडिंग ऑटो से कलेक्टर सर्किल ले जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में बदमाशों ने ऑटो से पांच पार्सल चोरी कर लिए। इनमें से तीन पार्सलों में करीब 20 किलोग्राम चांदी के आभूषण और अन्य सामान था। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए बनीपार्क थानाधिकारी सुरेश कुमार यादव के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। जांच में सामने आया कि परिवादी की फर्म पर काम करने वाले कर्मचारी ने अपने गांव के दोस्त प्रिंस के साथ मिलकर चोरी की योजना बनाई थी। योजना के अनुसार 30 सितंबर की रात करीब 10:45 बजे बदमाशों ने बनीपार्क के हाथी बाबू मार्ग पर प्लॉट नंबर डी-42 के सामने अंधेरे का फायदा उठाया। उन्होंने लोडिंग ऑटो से पार्सल चुराए और कार में बैठकर फरार हो गए।

जेएनयू की 11 छात्राओं के यौन उत्पीड़न के आरोप पर भाजपा महिला मोर्चा ने पुतला फूंका

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के नेतृत्व में महिला मोर्चा की पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस सांसद एवं जेएनयू प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल का पुतला जलाया।

■ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस सांसद व जेएनयू के प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल पर कठोर कार्रवाई की मांग की

जयपुर (कासं)। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की 11 छात्राओं के साथ अंक बढ़ाने के बदले यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर भाजपा महिला मोर्चा ने प्रदेश कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में महिला मोर्चा की पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने आरोपी कांग्रेस सांसद एवं जेएनयू प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल के खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई की मांग की।

मदन राठौड़ ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में छात्राओं की सुरक्षा, गरिमा और सम्मान सर्वोपरि है। ऐसे गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने पर सख्त सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने छात्राओं को न्याय दिलाने की मांग का समर्थन किया। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राखी राठौड़ ने कहा कि छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न का मामला चिंताजनक है। पीड़ितों को न्याय और दोषी के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन कर विरोध जताया। भाजपा सांसद मंजू शर्मा ने शिक्षण संस्थानों में छात्राओं को भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने और गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच पर जोर दिया। प्रदर्शन में महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, भाजपा प्रदेश मंत्री डॉ. अपूर्वा सिंह, पूर्व मेयर सौम्या गुर्जर, मोर्चा महामंत्री मूर्ति मीणा, मीना बनजी और मोर्चा मीडिया प्रभारी सुजाता मीणा सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

2018 की सुपरवाइजर भर्ती परीक्षा का पेपर 5 लाख में खरीदने वाला गिरफ्तार

रिश्तेदार को कराई थी ब्लूटूथ से नकल, एसओजी ने अब तक 14 आरोपी दबोचे

आरोपी मनीष गिला

जयपुर (कासं)। राजस्थान पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने सुपरवाइजर (महिला अधिकारिता) सीधी भर्ती परीक्षा-2018 के पेपर लीक मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी मनीष गिला (32) निवासी श्रीबालाजी जिला नागौर हाल पांचू जिला बीकानेर को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने संगठित पेपर लीक गिरोह के सदस्य पौरव कालेर से पांच लाख रुपए में लीक प्रश्न पत्र खरीदा था और अपनी रिश्तेदार अभ्यर्थी को ब्लूटूथ उपकरण के जरिए नकल करवाई थी। इस मामले में एसओजी अब तक 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विशाल बंसल ने बताया कि सुपरवाइजर (महिला अधिकारिता) सीधी भर्ती परीक्षा-2018 का आयोजन 6 जनवरी 2019 को किया गया था। जांच में सामने आया कि परीक्षा का प्रश्न पत्र बीकानेर स्थित श्री रामसहाय आदर्श सेकंडरी स्कूल परीक्षा केंद्र से लीक किया गया था। पेपर लीक गिरोह के मुख्य सरगना तुलछाराम कालेर, पौरव कालेर, राजू मैट्रिक्स और दिनेश सिंह चौहान ने मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया था। प्रश्न पत्र लीक होने के बाद गिरोह के सदस्यों ने उसे हल किया और अभ्यर्थियों को ब्लूटूथ उपकरण के माध्यम से उत्तर बोलकर नकल करवाई। इस संबंध में एसओजी थाना जयपुर में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी मनीष गिला ने पौरव कालेर से पांच लाख रुपए में लीक प्रश्न पत्र खरीदा था। इसके बाद उसने अपनी रिश्तेदार अभ्यर्थी मंजू कुमारी विश्नोई को ब्लूटूथ उपकरण के माध्यम से परीक्षा में नकल करवाई। एसओजी मंजू कुमारी विश्नोई को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। अब मनीष गिला की गिरफ्तारी के बाद जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि उसने पेपर लीक मामले में अन्य किन अभ्यर्थियों को प्रश्न पत्र उपलब्ध करवाया या नकल कराने में मदद की थी। पुलिस अधीक्षक सतनाम सिंह ने बताया कि इस प्रकरण में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 14 हो गई है। इनमें संगठित पेपर लीक गिरोह के आठ सदस्य और छह महिला अभ्यर्थी शामिल हैं। एसओजी आरोपी मनीष गिला को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ कर रही है। जांच में पेपर लीक नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और नकल कराने में शामिल अभ्यर्थियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

ट्रैक्टर-टैंकर ने 4 वर्षीय मासूम को कुचला

जयपुर। विंदायका थाना इलाके के रोड नंबर-5 स्थित महाराणा प्रताप कॉलोनी में शनिवार शाम गटर खाली करने वाले ट्रैक्टर-टैंकर की चपेट में आने से चार वर्षीय मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के समय बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल हो गया।

जानकारी के अनुसार बिहार निवासी वीर बहादुर की चार वर्षीय बेटी काजल शनिवार शाम महाराणा प्रताप कॉलोनी में अपने घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान गटर खाली करने वाला ट्रैक्टर-टैंकर वहां से गुजर रहा था। बच्ची इसकी चपेट में आ गई और गंभीर रूप से कुचलने से उसकी मौत हो गई। इस हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बच्ची के शव को कब्जे में लेकर कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

International Day of the Girl Child

International Day of the Girl Child is celebrated every year on 11 October to recognize the rights, achievements, and challenges of girls around the world. It reminds us that every girl deserves equal opportunities to learn, grow, and follow her dreams. Girls should have access to quality education, proper healthcare, safety, and freedom from discrimination and violence. Families and societies must support girls and encourage them to become confident and independent. When girls are educated and empowered, they can contribute greatly to the development of their families, communities, and countries. This day inspires us to create a brighter and more equal future for every girl.

Clap A Bit More... Please!!

When she was awarded the Nobel Peace Prize, Pillay was sitting inside Courtroom 600 at the Palace of Justice in Nuremberg, Germany, the historic site of the post-WWII Nuremberg trials. When the director of the International Nuremberg Principles Academy walked over with a serious expression, she initially thought he had bad news before realizing she had won.

● Bulbul Joshi

South African champion of international law Navi Pillay, full name Navneetham, which means the best liked food of Lord Krishna, the controller of righteous dharma, butter, who was awarded this year's Nobel Peace Prize, joked that she might "share the prize" with US President Donald Trump if people kept applauding her.

"If you clap a little bit more, I may share this prize with Trump," Pillay said in a video posted to X by the Secretary General of Amnesty International, which showed Pillay being applauded in Nuremberg after the announcement of the award.

United States President Donald Trump has long coveted the prize and repeatedly said that he deserves it despite starting the ongoing US-Israel war on Iran.

Last year's winner, Venezuelan opposition leader Maria Corina Machado, handed her medal to Trump after the US deposed Venezuelan former President Nicholas Maduro in January. And now Pillay has offered hers too.

Hours after Pillay's victory, US President Trump shared a post on Truth Social saying that the Nobel committee "demeaned" the prize by awarding it to Pillay, as the White House imposed more sanctions on the International Criminal Court.

"The United States of America, represented by me as your president, should have received the Nobel Peace Prize, but didn't," he said at a rally in Syracuse, New York, late Friday night, devoting a remarkable amount of time to discussing the prize. The president called it an "indelible stain on the country of Norway" and said that he'd never heard of this year's winner. (The prize is not awarded by the Norwegian government.)

But his campaign for the Nobel epitomizes the problems of his second term: He seeks personal glory, but he's all too eager to try and take shortcuts to get there. And strewn along the path are haphazard and often counterproductive gambits.

That is the story of the shameful expectations of a large man shortened and diminished by desires he did nothing to work for, unfortunately. In Pillay's comments on Friday, she denounced attacks on international legal institutions.

"We are living through an era when international law and human rights are under significant political attack," she said. "This worsening reality is particularly visible with the attacks on the International Criminal Court."

#NOBEL

A South African of Indian Tamil origin, the 85-year-old Pillay was the first woman to start a law practice in what was then the province of Natal in 1967.

She was a defence lawyer for Nelson Mandela, who previously won the Nobel Peace Prize, and other anti-apartheid activists and was the first woman of colour to serve on South Africa's High Court.

Committee Chairman Jorgen Watne Frydnes said that the system of international law was "under tremendous pressure" and its institutions were "under attack." It is judges, he continued, "who guard the thin red line between order and chaos." Pillay currently sits on the International Court of Justice in the case in which Myanmar stands accused of genocide against the Rohingya.

Reacting to Pillay's Nobel win, Israel's Ministry of Foreign Affairs in a post on X on Friday, called it "the grotesque weaponisation of an award to legitimise anti-Israel hatred and prejudice."

Today, we want to commemorate the winner and know her, so, here are some interesting facts of her life. Pillay's grandparents were Indian indentured labourers who traveled across the kala pani (dark waters) from India to work on the sugar plantations of Natal, South Africa, in the 1890s. She has often credited their resilience and suffering under brutal colonial conditions as the foundation of her drive to be a "voice of victims everywhere." Growing up as the daughter of a bus driver in a poor, segregated Indian neighbourhood in Durban, Pillay experienced the harsh daily realities of South Africa's apartheid system firsthand, which deeply shaped her legal career.

In 1967, she broke barriers by becoming the first non-white woman to open her own law practice in Natal. When she was awarded the Nobel Peace Prize, Pillay was sitting inside Courtroom 600 at the Palace of Justice in Nuremberg, Germany, the historic site of the post-WWII Nuremberg trials. When the director of the International Nuremberg Principles Academy walked over with a serious expression, she initially thought he had bad news before realizing she had won. Ashok Swain, a researcher at Uppsala University in Sweden, said that while the prize will not deliver any concrete change on the ground, the messaging of the award to Pillay is key in the current climate.

"International law ... was never perfect, but at least some rules were there. Now, it has become a free-for-all, and everyone interprets it the way they want," he has said to newspaper men.

rajeshsharma1049@gmail.com

A Brilliant Actor
A Fully Complicated Man

He seemed to operate entirely on his own terms. Conversations could be unpredictable, his responses unfiltered. There was an intensity about him that made interactions fascinating, occasionally uncomfortable, and rarely ordinary. But being an unconventional personality is one thing. Facing allegations of sexual misconduct is quite another. In 2018, actress Tanushree Dutta publicly renewed allegations that Patekar had sexually harassed her during the filming of *Horn 'Ok' Pleassss* in 2008.

● Kshema Jatuhkarna

"He was one of those rare actors who never needed to do too much to make you sit up and watch. That voice, that intensity, that honesty in every performance... he was completely his own," said actor Akshay Kumar, who starred with Patekar in several movies.

Nana Patekar, an acclaimed Indian actor and filmmaker known for his fiery performances in Bollywood films and theatre, has died aged 75.

Patekar died of a suspected cardiac arrest at his home in Goa, the Press Trust of India news agency reported on Thursday, quoting a doctor at the hospital where he was pronounced dead.

His son, Malhar Patekar, confirmed his death, saying the actor died of natural causes. A medico-legal case was registered, and a post-mortem examination will be conducted, officials said.

Patekar's career spanned nearly five decades across Hindi and Marathi cinema, theater and filmmaking.

Born in 1951 in India's western state of Maharashtra, Patekar built a career spanning nearly five decades in Hindi and Marathi language cinema. He was known for intense performances and roles that often portrayed complex or unconventional characters.

Patekar made his film debut in the 1978 Hindi film *Gaman*, and later earned acclaim for *Parinda* and *Krantiveer*. He gained wider international recognition with filmmaker Mira Nair's Oscar-nominated *Salaam Bombay!*

He won three National Film Awards, India's highest film honours, and received the Padma Shri, one of the country's highest civilian honours.

'One of those rare actors'

Prime Minister Narendra Modi mourned Patekar's death, praising his "intensity, individuality and unmistakable presence" as an actor.

"He brought remarkable versatility and creativity to every role and gave us characters that will be remembered for generations," Modi wrote on X.

He played a variety of roles, sharing screen space with actors such as Amitabh Bachchan and Shah Rukh Khan and excelling in both serious and comic roles.

"He was one of those rare actors who never needed to do too much to make you sit up and watch. That voice, that intensity, that honesty in every performance... he was completely his own," said actor Akshay Kumar, who starred with Patekar in several movies.

In 2018, as the #MeToo movement swept the world, Patekar was accused by an Indian actress of sexual harassment during the making of a film in 2008. He denied the allegation and a court in Mumbai dismissed the case last year. From the terrifying gangster in 'Parinda' to the hilarious Uday Shetty in 'Welcome,' Nana Patekar was a master of controlled emotions. But beyond the camera, his volatile personality and sexual misconduct allegations cast a long shadow over his extraordinary career.

#NOTHING CONVENTIONAL

There was nothing conventional about Nana Patekar. Not his face, not his voice, not his acting, and certainly, not his personality.

To reduce Patekar to his cinematic achievements would be to celebrate a formidable talent. To examine the man beyond the screen would mean confronting a far more fractured legacy, including allegations of sexual misconduct that became central to India's #MeToo reckoning.

And perhaps, that dichotomy is what makes his death particularly difficult to assess.

As an actor, Patekar understood the economy of emotions better than most of his contemporaries. He didn't need elaborate gestures, designer costumes or a dramatic background score to communicate menace. A twitch of his face, a prolonged stare or an unsettling silence could do the job. Take Vidhu Vinod Chopra's *Parinda* (1989). As the ruthless gangster Anna Seth, Patekar was terrifying precisely because his violence seemed so unpredictable. He could move from apparent calm to explosive rage within seconds.

There was something deeply unsettling about watching a man whose emotional temperature could change without warning.

That unpredictability became his greatest cinematic weapon.

In *Agni Sakshi* (1996), opposite Manisha Koirala, he played an abusive, obsessive husband with chilling conviction. His portrayal of Vishwanath was not simply that of a villain.

It was a disturbing study of possessiveness, entitlement and psychological intimidation. He made the character genuinely frightening without relying entirely on theatrical excess.

Then came *Krantiveer* (1994), where his explosive monologues against corruption and communal hatred became part of Bollywood folklore. His performance won him the National Film Award for Best Actor. But Patekar was never just about anger.

> In 2018, as the #MeToo movement swept the world, Patekar was accused by an Indian actress of sexual harassment during the making of a film in 2008. He denied the allegation and a court in Mumbai dismissed the case last year. From the terrifying gangster in 'Parinda' to the hilarious Uday Shetty in 'Welcome,' Nana Patekar was a master of controlled emotions. But beyond the camera, his volatile personality and sexual misconduct allegations cast a long shadow over his extraordinary career. There was nothing conventional about Nana Patekar.

Restrained performance vs volcanic rage

In Sanjay Leela Bhansali's *Khamoshi: The Musical* (1996), he played Joseph Braganza, a deaf father struggling with his daughter's ambitions.

It was a remarkably restrained performance, demonstrating that the same actor capable of volcanic rage could also convey heartbreak through silence.

His versatility extended to *Prahaar*, which he directed, *Ab Tak Chhappan*, where he played encounter specialist Sadhu Agashe with unnerving composure, and *Apaharan*, in which he brought moral ambiguity to a corrupt political strongman.

And then there was *Welcome* (2007).

Who would have imagined that the man who terrorised audiences in Parinda could become one of Bollywood's most entertaining comic gangsters?

As Uday Shetty, alongside Akshay Kumar and Anil Kapoor, Patekar was gloriously ridiculous. His deadpan delivery, wounded pride and comic frustration were a masterclass in timing. He didn't abandon his intimidating persona for comedy. He cleverly turned it into the joke. That was his genius. Yet, the man behind these performances was considerably harder to celebrate without qualification.

Intensity

He seemed to operate entirely on his own terms. Conversations could be unpredictable, his responses unfiltered. There was an intensity about him that made interactions fascinating, occasionally uncomfortable, and rarely ordinary.

But being an unconventional personality is one thing. Facing allegations of sexual misconduct is quite another. In 2018, actress Tanushree Dutta publicly renewed allegations that Patekar had sexually harassed her during the filming of *Horn 'Ok' Pleassss* in 2008.

#MeToo

Her accusations helped ignite India's #MeToo movement, forcing the Hindi film industry to confront questions about power, intimidation and the treatment of women.

Patekar denied the allegations. Mumbai police subsequently filed a closure report in 2019, citing insufficient evidence to prosecute him.

Dutta disputed the findings.

Those allegations remain an important part of his public legacy. Acknowledging his extraordinary talent does not require dismissing the women who challenged him, just as discussing allegations must not be confused with establishing guilt. His life also contained contradictions beyond controversy. He was known for his philanthropic efforts, particularly his support for struggling farmers, and often projected an indifference to Bollywood's obsession with glamour and material excess.

Patekar belonged to a generation of actors who could command the screen without conventional leading-man looks.

His distinctive voice, wiry physicality and ability to make even ordinary dialogue sound dangerous set him apart.

He won three National Film Awards and built a body of work across Hindi and Marathi cinema that few actors could easily replicate. His portrayal of an ageing theatre legend in the Marathi film *Natsamrat* was another reminder of his remarkable emotional range. But obituaries should not become exercises in selective memory.

Reputation for volatility

Nana Patekar leaves behind extraordinary performances, a reputation for volatility, significant allegations that shaped public conversations about accountability, and a complicated place in Indian cinema's history.

Patekar's death came days after he appeared at a theater event in Goa, where he spoke about the importance of keeping the performing arts alive. Patekar is survived by his wife, from whom he was separated, and a son.

rajeshsharma1049@gmail.com

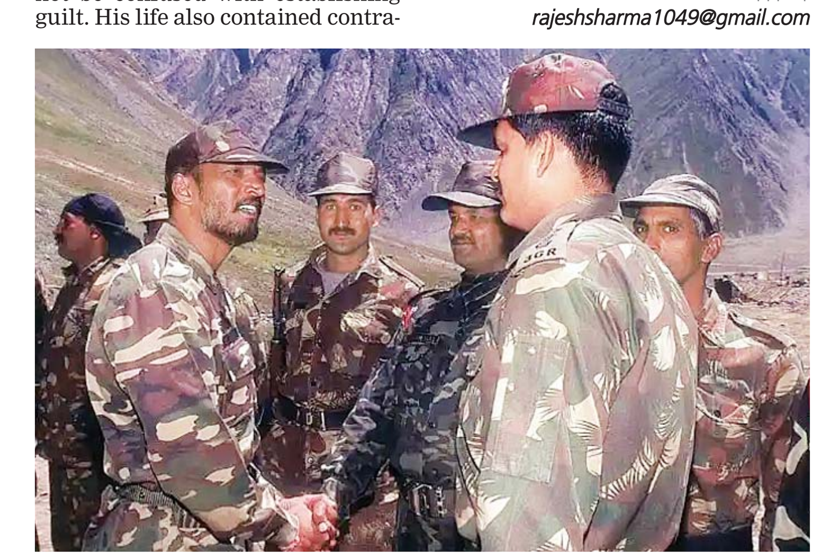

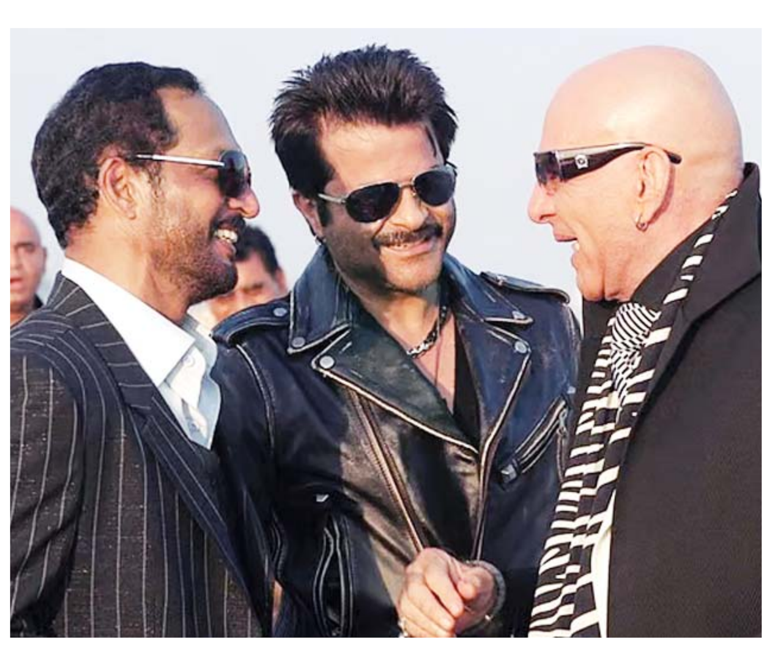

THE WALL

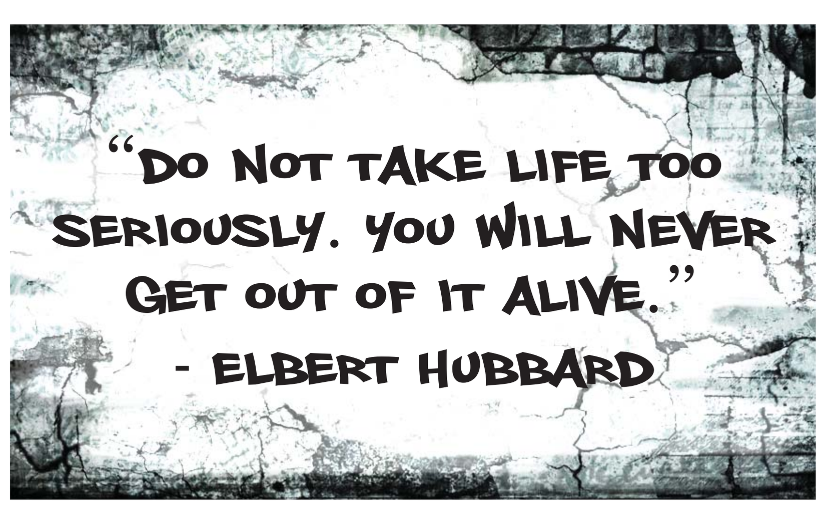

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

ये गेंदबाज हमारे अपने गेंदबाज हैं, किसी और के नहीं। इनके करियर दांव पर लगे हैं, इस ड्रेसिंग रूम तक पहुंचने के लिए इन्होंने बहुत मेहनत की है। अगर पिच पर बराबरी का मुकाबला होगा तो हमें क्रिकेट का एक बेहतर खेल देखने को मिलेगा। - गौतम गंभीर

भारतीय कोच, खिलाड़ियों के प्रदर्शन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मैरी कॉम

ओलंपिक मेडलिस्ट बॉक्सर मैरी कॉम के खिलाफ उनके पूर्व पति करोंग ओंखोलेर (ऑनलर) ने मानहानि की शिकायत दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि मैरी कॉम ने एक टीवी इंटरव्यू में उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने वाली टिप्पणियां कीं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इंटरव्यू में उनके बारे में यह धारणा बनाई गई कि उन्होंने मैरीकॉम के बैंक खातों से पैसे का गलत इस्तेमाल किया। साथ ही बच्चों के प्रति अपनी जिम्मेदारियां छोड़ दीं। इसकी शिकायत 6 अक्टूबर को दिल्ली की साकेत कोर्ट में दर्ज की गई।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट में लगातार चार साल तक 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड मैथ्यू हेडन के नाम है। उन्होंने 2001 से 2004 तक लगातार चार बार 1000 या अधिक रन बनाए।

डरबन टेस्ट में मैट रेनशॉ 190 रन बनाकर नाबाद

नाथन लायन आउट, दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी टी-ब्रेक तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 390/9

डरबन, 10 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मैट रेनशॉ ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में शतक लगा दिया है। रेनशॉ 190 रन बनाकर नाबाद हैं। उनके और नाथन लायन के बीच 9वें विकेट 134 रन की साझेदारी हुई। शनिवार को उन्होंने 46 रन के स्कोर से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में टी-ब्रेक तक 9 विकेट खोकर 390 से ज्यादा रन बना लिए हैं। उसने 187/6 के स्कोर से दिन की शुरुआत की। फिलहाल दूसरे दिन का दूसरा सेशन जारी है। सुबह 33 रन से पारी को आगे बढ़ाने वाले कप्तान पैट कमिंस 10 रन ही जोड़ सके और 43 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें वियान मुल्डर ने मार्करम के हाथों कैच कराया। उन्हें तीसरा विकेट मिला। मार्को यानसन और एनरिक नॉर्त्या ने 2-2 विकेट लिए।

मैट रेनशॉ ने टेस्ट में दूसरा शतक लगाया

पहले दिन 46 रन पर नाबाद लौटे मैट रेनशॉ ने दिन की दूसरी बॉल पर चौका चौका लगाकर अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने करियर का दूसरा शतक लगाया। कप्तान पैट कमिंस के आउट होने के बाद रेनशॉ ने मिचेल स्टार्क (6 रन) के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलियाई पारी को 200 पार पहुंचाया।

पहले दिन ऑस्ट्रेलिया के 6 विकेट गिरे

साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन मैच पर पकड़ बना ली। डरबन के किंग्समीड मैदान पर टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक 6 विकेट पर 187 रन बनाए।

पुर्तगाल विवाद के बाद रोनाल्डो की क्लब फुटबॉल में वापसी

सऊदी अरब की लीग में उतरे, करियर का 980वां गोल किया

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुर्तगाल नेशनल टीम से जुड़े विवाद के बाद शुक्रवार को क्लब फुटबॉल में वापसी की। वे शुक्रवार रात को सऊदी प्रो लीग में अल-नसर की ओर से उतरे।

रोनाल्डो ने अल-नसर की ओर से दिरियाह के खिलाफ एक गोला किया। उनकी टीम को 3-0 की जीत मिली। इस जीत से सऊदी प्रो लीग के 8वें राउंड में अल-नसर के अंक अल-कादसिया के बराबर हो गए। गोल अंतर के कारण अल-नसर अंक तालिका में नेता अल-कादसिया से पीछे है। किंग्सले कोमान के क्षेत्र के बाहर से लगाए शॉट को गोलकीपर

वलीद अब्दुल्लाह ने रोक दिया। रोनाल्डो ने पास से रिबाउंड पर शॉट लगाकर गेंद गोल में पहुंचा दी। अल-नसर के लिए सैमू कोस्टा ने ब्रेक से ठीक पहले दूसरा गोल किया। टीम के कोच टॉटनहम हॉटस्पर के पूर्व बॉस आंजे पोस्टेकोग्लू हैं। कोमान ने मैच खत्म होने से 13 मिनट पहले तीसरा गोल करके अल-नसर की जीत पक्की कर दी।

रोनाल्डो ने दागा 980वां गोल: रोनाल्डो ने पहले हाफ के बीच में गोल किया। यह उनके करियर का 980वां गोल था। वे इंटरनेशनल फुटबॉल में पुर्तगाल की ओर से 234 मैचों में 146 गोल कर चुके हैं।

भारत दौरे के लिए जिम्बाब्वे महिला टीम घोषित

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने भारत के खिलाफ 6 मैचों की द्विपक्षीय सीरीज के लिए 15 सदस्यीय महिला टीम घोषित कर दी है। जोसेफिन एनकोमो टीम की कप्तानी करेंगी। चयनकर्ताओं ने हाल ही में वेस्टइंडीज को हराकर पहली बार विमेंस चैंपियनशिप खिताब जीतने वाली सभी 15 खिलाड़ियों को टीम में बरकरार रखा है। दौरे की शुरुआत 16 अक्टूबर से रायपुर में 3 मैचों की 20 सीरीज से होगी। इसके बाद वडोदरा में 3 वनडे खेले जाएंगे। जिम्बाब्वे ने 27 सितंबर को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में वेस्टइंडीज को 4 विकेट से हराया था। चयनकर्ताओं ने उस मुकाबले में खेलने वाली सभी 15 खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है। टीम भारत के खिलाफ भी इसी प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करेगी। न्याशा ग्वांजुरा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ लिए थे 4 विकेट: वेस्टइंडीज के खिलाफ ऐतिहासिक जीत में न्याशा ग्वांजुरा ने 33 रन देकर 4 विकेट लिए थे।

तिलक ने टी-20 क्रिकेट में 5000 रन पूरे किये

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी तिलक वर्मा के बल्ले से 18 गेंदों में 44 रनों की नाबाद पारी देखने को मिली जिसके दम पर उन्होंने एक ऐसा कारनामा कर दिया जो उनसे पहले टी20 क्रिकेट में कोई भी दूसरा खिलाड़ी करने में कामयाब नहीं हो सका था। तिलक वर्मा ने अपनी इस पारी के दम पर टी20 क्रिकेट में अपने 5000 रनों का आंकड़ा भी पूरा कर लिया जिसमें वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले सिर्फ पहले ऐसे खिलाड़ी हैं जो 40 से अधिक के औसत और 140 प्लस के स्ट्राइक रेट के साथ पूरा करने में कामयाब हुए हैं।

तिलक ने 175वें टी20 मैच में पूरे किए 5000 टी20 रन: टी20 क्रिकेट में तिलक वर्मा की गिनती मैच फिनिशर खिलाड़ी के तौर पर की जाती है जिसमें अभी तक उन्होंने इस भूमिका काफी बखूबी अंजाम दिया है। तिलक वर्मा ने टी20 क्रिकेट में अपने 5000 रनों का आंकड़ा अपने 175वें मैच में पूरा किया

जिसमें उन्होंने 166 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 41.57 के औसत से 5031 रन बनाए हैं, जिसमें उनके बल्ले से 5 शतकीय और 30 अर्धशतकीय पारियां खेली हैं। इस दौरान तिलक वर्मा के स्ट्राइक रेट को लेकर बात की जाए तो वह 145.36 का देखने को मिला है।

कोहली को तिलक ने छोड़ा पीछे : भारतीय खिलाड़ी के रूप में टी20 क्रिकेट में सबसे कम पारियों में 5000 रनों का आंकड़ा पूरा करने के मामले में तिलक वर्मा ने विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है, जिसमें वह इस मामले में 5वें सबसे तेज खिलाड़ी बने हैं। तिलक वर्मा ने जहां 166वीं पारी में अपने 5000 रन पूरे किए तो वहीं विराट कोहली ने उनसे एक पारी अधिक यानी 167 पारियों में टी20 क्रिकेट में अपने पांच हजार रनों का आंकड़ा पूरा किया था। इस लिस्ट में पहले नंबर पर केएल राहुल का नाम है जिन्होंने 143 पारियों में अपने 5000 रनों का आंकड़ा टी20 क्रिकेट में पूरा किया था।

टी-20 में सबसे कम पारियों में 5 हजार रन पूरे करने वाले भारतीय खिलाड़ी

- केएल राहुल - 143 पारी
- रुतुराज गायकवाड - 145 पारी
- शुभमन गिल - 154 पारी
- अभिषेक शर्मा - 165 पारी
- तिलक वर्मा - 166 पारी
- विराट कोहली - 167 पारी

अभय-शिफॉन का तूफान, राजस्थान ने मणिपुर को 279 रन से रौंदा

अभय शर्मा 162 रन बनाकर दोहरे शतक से चूके, शिफॉन खान ने 133 रन की शतकीय पारी खेली

जयपुर, 10 अक्टूबर। बीसीसीआई की राष्ट्रीय अंडर-19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी में राजस्थान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मणिपुर को 279 रन से शिकस्त दी। राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 451 रन का विशाल स्कोर बनाया। अभय शर्मा ने 93 गेंदों पर 18 चौकों और आठ छक्कों की मदद से 162 रन बनाए, जबकि शिफॉन खान ने 106 गेंदों पर 11 चौकों और सात छक्कों के साथ 133 रन की विस्फोटक पारी खेली। अभय दोहरे शतक से चूक गए। रजत बघेल ने 55 और यथार्थ भारद्वाज ने 47 रन का योगदान दिया। 451 रन के लक्ष्य के दबाव में मणिपुर की टीम 172 रन पर सिमट गई। राजस्थान की ओर से शोभाग सिंह भाटी ने तीन विकेट लिए, जबकि सुमीत सैनी और सुमित तेजी ने दो-दो विकेट झटके। वीनू मांकड़ ट्रॉफी में राजस्थान के लिए अभय की 162 रन की पारी व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में शामिल हो गई। इस सूची में आदित्य गढ़वाल के 263 नाबाद, 212 और 196 रन, कार्तिक शर्मा के नाबाद 225 रन तथा मोहम्मद अनस के 247 रन की पारियां भी दर्ज हैं।

आईपीएल 2027 से पहले सीएसके को झटका, माइकल हसी ने आठ साल बाद छोड़ी टीम

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स में बदलाव का दौर जारी है। माइकल हसी ने 8 साल बाद चेन्नई सुपर किंग्स का साथ छोड़ दिया है। हसी पिछले 8 साल से चेन्नई टीम के साथ बल्लेबाजी कोच के तौर पर जुड़े हुए थे। उनसे पहले स्टीफन फ्लेमिंग और एरिक सिमंस छोड़ चुके हैं। हेड कोच फ्लेमिंग के जाने के बाद सपोर्ट स्टाफ में निरंतर बदलाव हो रहे हैं।

हेड कोच जहीर खान बन गए हैं, जबकि एरिक सिमंस की जगह गेंदबाजी कोच का रोल मोहित शर्मा ने ले लिया है। क्रिकबज के अनुसार चेन्नई सुपर किंग्स के फील्डिंग कोच जेम्स फोस्टर की नौकरी भी खतरे में पड़ती दिख रही है। बताया जा रहा है कि फोस्टर के कॉन्ट्रैक्ट को बढ़ाने के फैसले पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। फोस्टर इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर हैं और पिछले साल ही सीएसके को जॉइन किया था। माइकल हसी पिछले 8 साल से चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच बने हुए थे। उन्हें अपने कोचिंग रोस्टर से हटा दिया है। अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है कि उनकी जगह कौन लेगा। हसी बतौर खिलाड़ी और बतौर कोच भी चेन्नई फ्रेंचाइजी के साथ जुड़े रहे। वह कुल 6 सीजन बतौर खिलाड़ी सीएसके के लिए खेले और साल 2018 से वो तौर पर 5 बार की चैंपियन टीम से जुड़े हुए थे। इसी रिपोर्ट अनुसार मैनेजमेंट ने इस बारे में माइकल हसी को जानकारी दे दी है। खबर है कि माइकल कुछ अन्य टीमों के संपर्क में आए हैं। इसलिए यह चौंकाने वाली बात नहीं होगी कि 2027 में वो किसी दूसरी टीम को जॉइन कर लें।

सीएसके का नया सपोर्ट स्टाफ : स्टीफन फ्लेमिंग ने 18 साल बाद चेन्नई सुपर किंग्स का साथ छोड़ा था। जहीर खान को फिलहाल आईपीएल 2027 के लिए हेड कोच नियुक्त किया गया है। एरिक सिमंस भी पिछले 9 साल से चेन्नई टीम से जुड़े हुए थे, लेकिन अब मोहित शर्मा उनकी जगह लेने वाले हैं। फील्डिंग कोच जेम्स फोस्टर की नौकरी भी खतरे में है और माइकल हसी ने टीम का साथ छोड़ दिया है।

सिंधु आर्कटिक ओपन बैडमिंटन से बाहर

क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया की खिलाड़ी ने हराया, पुरुष डबल्स जोड़ी भी बाहर

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। भारत की पीवी सिंधु शुक्रवार को फिनलैंड के वंता में आर्कटिक ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गईं। 2 बार की ओलिंपिक पदक विजेता सिंधु को टॉप सीड और दुनिया की नंबर-5 खिलाड़ी रत्चानोक इंतानोन ने 21-11, 19-21, 21-18 से हराया। मुकाबला एक घंटे और दो मिनट चला। छठी वरीयता प्राप्त सिंधु ने जापान की रिको गुंजी को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। बाद में पुरुष डबल्स में कृष्ण प्रसाद गरगा और पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय की जोड़ी भी क्वार्टरफाइनल में हार गई। तीसरे गेम तक चला सिंधु-इंतानोन मैच: इंडोनेशिया की रत्चानोक इंतानोन ने पहला गेम 21-11 से जीता। सिंधु ने दूसरे गेम में वापसी करते हुए 21-19 से जीत दर्ज की। इंतानोन ने निर्णायक गेम 21-18 से अपने नाम किया। इस जीत के साथ सिंधु के खिलाफ उनका हेड-टु-हेड रिकॉर्ड 10-4 हो गया है।

रणजी का रण आज से जयपुर में, राजस्थान-तमिलनाडु होंगे आमने-सामने

जयपुर, 10 अक्टूबर। राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) की मेजबानी में राजस्थान और तमिलनाडु के बीच रणजी ट्रॉफी मुकाबला रविवार से जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच से पहले शनिवार को दोनों टीमों ने आरसीए अकादमी में जमकर अभ्यास किया। दोनों टीमों के बीच अब तक खेले गए पांच रणजी मुकाबलों में चार ड्रॉ रहे हैं, जबकि एक मैच तमिलनाडु ने जीता है। राजस्थान और तमिलनाडु के बीच 2011-12 में चेन्नई में खेला गया रणजी ट्रॉफी फाइनल भी ड्रॉ रहा था। राजस्थान ने पहली पारी में 621 रन बनाकर बढ़त हासिल की और लगातार दूसरी बार रणजी चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। तमिलनाडु के खिलाफ राजस्थान का सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर विनीत सक्सेना के 257 रन रहा, जबकि पंकज सिंह ने 2013-14 में 54 रन देकर पांच विकेट लेकर सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन किया। तमिलनाडु की ओर से एस. बद्रीनाथ का 175 रन का स्कोर और लक्ष्मीपति बालाजी का 42 रन देकर सात विकेट लेना उल्लेखनीय प्रदर्शन रहा।

राजस्थान टीम : मानव सुथार (कप्तान), महिपाल लोमरोर (उपकप्तान), सुमित गोदारा, रोहन राजभर, सचिन यादव, कार्तिक शर्मा, करण लाम्बा, अंशुल गढ़वाल, दर्शन जैन, मुकुल चौधरी, अजय कूकना, आकाश सिंह, चेतन शर्मा, हेमंत चौधरी और दानिश भाम्भू।

तमिलनाडु टीम : साई किशोर, आंद्रे सिद्धार्थ, वाशिंगटन सुंदर, जगदीशन, विमल कुमार, प्रदोष रंजन पॉल, बाबा इंद्रजीत, आतिश, अजितेश, निधीश राजगोपाल, सोनू यादव, सरवना कुमार, गोविंत, दीपेश, अजित राम, हेमचंदेशन और एस. सक्कीमुथु।

टीम इंडिया में सिर्फ दो लोगों की जगह पक्की

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। टीम इंडिया में सिर्फ दो लोगों की ही जगह पक्की है। हेड कोच गौतम गंभीर ने रांची में वेस्ट इंडीज के हाथों दूसरे टी20 मैच में मिली हार के बाद यह बात कही। वेस्ट इंडीज के खिलाफ दूसरे 20 मैच में शिवम दुबे को चौथे नंबर पर भेजने का टीम इंडिया का फैसला उल्टा पड़ गया, लेकिन हेड कोच गौतम गंभीर ने इस फैसले का बचाव किया। दुबे को कप्तानश्रेयस अय्यरसे पहले भेजा गया था, जिन्होंने पहले मैच में शतक लगाया था, लेकिन वे 10 गेंदों में सिर्फ 7 रन ही बना पाए। 249 रन का स्कोर बनाने के बावजूद भारत मैच हार गया, जिससे दुबे को प्रमोट करने के फैसले पर कड़ी आलोचना हुई। हालांकि मैच के बाद गंभीर ने साफ कर दिया कि भारत अपनी बैटिंग यूनिट को लेकर लचीला रवैया अपनाना जारी रखेगा, लेकिन मैच के बाद गंभीर ने साफ कर दिया कि भारत अपनी बैटिंग ऑर्डर को लेकर लचीला रवैया अपनाना जारी रखेगा। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर ने कहा कि हम लंबे समय से उनका इस्तेमाल इसी तरह करते आ रहे हैं, जिसमें वर्ल्ड कप और उससे पहले का समय भी शामिल है।

न्यूजीलैंड का पेसर भारत के खिलाफ वनडे-टेस्ट सीरीज से बाहर

विलियम ओरुर्क चोट से उबर रहे, एक नवंबर से वनडे सीरीज

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज विलियम ओरूर्क भारत के खिलाफ वनडे और टेस्ट सीरीज नहीं खेलेंगे। वे चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हो पाए हैं। ओरूर्क बाएं पैर में जांघ और पिंडली की चोट से जूझ रहे हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। बोर्ड ने इसे सावधानी से लिया गया फैसला बताया। ओरूर्क की नजर 9 दिसंबर से पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाले पहले टेस्ट में वापसी पर है। भारतीय टीम का न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा। 5 टी-20 के बाद 5 वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इसके बाद 2 टेस्ट मैच होंगे।

ओरूर्क ने अप्रैल 2025 से न्यूजीलैंड में इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेला: ओरूर्क अप्रैल 2025 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड में होने वाले इंटरनेशनल मैच में खेलने की उम्मीद कर रहे थे। पिछले घरेलू सीजन में पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण वह बाहर रहे

थे। 7 महीने बाहर रहने के बाद उन्होंने अप्रैल में बांग्लादेश दौरे से वापसी की। उन्होंने वहां तीनों वनडे खेले। ओरूर्क ने जून में इंग्लैंड के खिलाफ तीनों टेस्ट खेले। नॉटिंघम में तीसरे टेस्ट के आखिरी दिन उनकी हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई। अगस्त के अंत में ट्रेनिंग के दौरान उनकी काफ की मांसपेशी में खिंचाव आ गया। इसके बाद वह फिर रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं।

कोच ने कहा- ओरूर्क का नहीं खेलना निराशाजनक: न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, 'भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाले बड़े दौरे से विल का बाहर होना निराशाजनक है।' उन्होंने कहा, 'वह वनडे और टेस्ट सीरीज दोनों में खेलने वाले थे। बाद की बातचीत के बाद हम सभी इस बात पर सहमत हुए कि उन्हें दोनों चोटों से उबरने के लिए और समय देना बेहतर होगा।'

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले ओरूर्क की फिट चाहता है न्यूजीलैंड क्रिकेट: न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि ओरूर्क भारत के खिलाफ वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल किए जाने की दौड़ में थे। हालांकि, दोनों चोटों के कारण उन्हें पूरे दौरे से बाहर रखने का फैसला हुआ। यह फैसला उन्हें सुरक्षित तरीके से गेंदबाजी का वर्कलोड बढ़ाने के लिए लिया गया है। न्यूजीलैंड टीम प्रबंधन ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले उनकी पूरी फिटनेस चाहता है।

भारत 1 साल में 300 छक्के लगाने वाली पहली टीम

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। वेस्टइंडीज ने रांची में खेले गए दूसरे टी-20 मैच में भारत को 6 विकेट से हरा दिया। टीम ने 250 रन का टारगेट 18.3 ओवर में हासिल कर लिया। यह भारत के खिलाफ टी-20 में सबसे बड़ा रनचेज भी है। भारत ने पहली पारी में 13 छक्के लगाए। इसके साथ ही टीम एक साल में 300 छक्के लगाने वाली पहली फुल मेंबर टीम बन गई। मैच में कुल 501 रन बने। यह सिर्फ दूसरी बार है, जब किसी टी-20 मैच में 500 रन बने हैं।

भारत ने इस साल 311 छक्के लगाए : भारत ने 2026 के टी-20 इंटरनेशनल में 311 छक्के लगाए। पहली बार किसी फुल मेंबर यानी टेस्ट खेलने वाली टीम ने एक साल में 300 छक्के लगाए। इससे पहले भारत ने ही 2022 में 289 छक्के लगाए थे।

टी-20 में भारत के खिलाफ सबसे बड़ा रनचेज: वेस्टइंडीज ने रांची में भारत के खिलाफ टी-20 का सबसे बड़ा रनचेज किया। इससे पहले भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ने 2023 में 223 रन का टारगेट चेज किया था।

दमदार ऑलराउंड प्रदर्शन से लवेश ने दिलाई बड़ी जीत

लवेश ने 46 रन बनाने के बाद झटके पांच विकेट, क्रिकेट अकादमी 201 रन से जीती

जयपुर, 10 अक्टूबर। अंडर-12 कप में क्रिकेट अकादमी ने लवेश जांगिड़ के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत क्रिकेट अकादमी को 201 रन से करारी शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में नौ विकेट पर 246 रन बनाए। सुमित शर्मा ने 62 और लवेश जांगिड़ ने 46 रन की उपयोगी पारियां खेलीं। क्रिकेट अकादमी की ओर से गौतम गोलड़ा ने छह विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी क्रिकेट अकादमी की टीम के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 11 ओवर में 45 रन पर सिमट गई। करण प्रताप सिंह ने सर्वाधिक 16 रन बनाए। की ओर से लवेश जांगिड़ ने पांच, चित्रांश सैनी ने तीन और अनुराग सिंह ने दो विकेट लेकर टीम की जीत सुनिश्चित की। शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए लवेश जांगिड़ को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

रोमांचक मुकाबले में टीम जयपुर ने जीता सवाई मान गार्ड कप

जयपुर, 10 अक्टूबर। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत शनिवार को सवाई मान गार्ड कप (8 गोल) टूर्नामेंट का रोमांचक फाइनल मैच खेला गया। टीम जयपुर ने 9-7 के स्कोर से टीम स्टनहेगन को शिकस्त देकर खिताब अपने नाम कर लिया। विजेता टीम जयपुर की ओर से एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने 5 गोल और मार्टिन कार्लोस डोनोवन ने 4 गोल कर टीम को जीत दिलाई। टीम से विश्वराज सिंह और कुलदीप सिंह राठौड़ भी खेले। वहीं, टीम स्टनहेगन से डेन जोशुआ स्क्रासर ने 4 गोल दागे। वहीं, डीनो धनखड़ ने 2 गोल और एलन शॉन माइकल ने 1 गोल किया। टीम से अशोक चांदना भी खेले।

मूर्ति (बस्ट) का अनावरण

मैच के बाद स्वर्गीय ब्रिगेडियर महाराजा सवाई भवानी सिंह, एमवीसी की मूर्ति (बस्ट) का अनावरण भी किया गया। मूर्ति का अनावरण महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने किया। यह मूर्ति उनकी स्मृति में सुनील कुमार और कुसुम शर्मा द्वारा राजस्थान पोलो क्लब में स्थापित करने के लिए प्रदान की गई है।

मेयो पोलो कप एग्जीबिशन मैच आज

नाइट पोलो के रोमांच के बीच राजस्थान पोलो क्लब में प्रतिष्ठित यूएसपीए मेयो पोलो कप एग्जीबिशन मैच कल राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर शाम 6.30 बजे से खेला जाएगा। इस मुकाबले में टीम मेयो पिंक और टीम मेयो व्हाइट आमने-सामने होंगी। यह आयोजन भारत के प्रमुख कैजुअलवियर मैन्सवियर ब्रांड और यूनाइटेड स्टेट्स पोलो एसोसिएशन (यूएसपीए) के आधिकारिक ब्रांड यू.एस. पोलो एसोसिएशन ने मेयो कॉलेज के सहयोग से किया जा रहा है। मैच में पीवीएसएम, वीएसएम, एडीसी (सेवानिवृत्त), लेफ्टिनेंट जनरल आलोक क्लेर मुख्य अतिथि होंगे टीम मेयो पिंक में विश्वराज सिंह, राव हिम्मत सिंह बेदला, विक्रमादित्य सिंह बरकाना और हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह शामिल हैं। वहीं, टीम मेयो व्हाइट से शिवांश सिंह शक्तावत, वीरम देव सिंह, प्रताप सिंह कानोता और भवानी सिंह कालवी मैदान में उतरेंगे।

जयपुर परकोटे के नीचे मेट्रो सुरंग का काम शुरू

1511 करोड़ रु. की लागत से बनेगा 3.80 कि.मी. लम्बा कॉरिडोर

जयपुर, (कासं)। जयपुर मेट्रो के फेज-1सी के तहत परकोटे के नीचे भूमिगत सुरंग निर्माण का काम शनिवार को शुरू हुआ। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गलता गेट पर टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) का शुभारंभ किया। उनके साथ प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया भी मौजूद थे।

करीब 1511 करोड़ रुपए की लागत से बड़ी चौपड़ से गलता गेट होते हुए ट्रांसपोर्ट नगर तक 3.80 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर बनाया जाएगा। इसमें करीब 3 किलोमीटर भूमिगत ट्रैक और 0.8 किलोमीटर एलिवेटेड रैंप शामिल होगा। टीबीएम के जून-जुलाई 2027 तक बड़ी चौपड़ पहुंचने और पूरी परियोजना मार्च 2028 तक पूरी करने का लक्ष्य है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने जयपुर मेट्रो के लिए परकोटे के नीचे भूमिगत सुरंग निर्माण के कार्य का शुभारंभ गलता गेट पर टनल बोरिंग मशीन का बटन दबाकर किया। उनके साथ प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया भी मौजूद थे।

परकोटे के नीचे बनेंगी दो समानांतर सुरंगें

परियोजना के तहत करीब 2.25 किलोमीटर लंबी दो समानांतर भूमिगत सुरंगें बनाई जाएंगी। आपात स्थिति में यात्रियों की सुरक्षित निकासी के लिए इनके बीच सात क्रॉस पैसेज भी बनेंगे। कॉरिडोर में दो स्टेशन प्रस्तावित हैं। गलता गेट स्टेशन भूमिगत और ट्रांसपोर्ट नगर स्टेशन एलिवेटेड होगा। गलता गेट स्टेशन करीब 200 मीटर लंबा और 24 मीटर चौड़ा होगा। इसका ट्रैक स्तर जमीन से लगभग 15 मीटर नीचे रहेगा।

■ **जून-जुलाई 2027 तक बड़ी चौपड़ पहुंचेगी टनल बोरिंग मशीन, मार्च 2028 तक परियोजना पूरी करने का लक्ष्य**

ऐतिहासिक इमारतों और बाजारों की सुरक्षा पर जोर

परकोटे में घनी आबादी, पुराने भवन, ऐतिहासिक धरोहरें, संकरी सड़कें और व्यस्त बाजार होने के कारण सुरंग निर्माण को चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है

। टीबीएम से जमीन के नीचे खुदाई के साथ कंक्रीट के खंड लगाकर सुरंग बनाई जाएगी, जिससे सड़कों पर बड़े स्तर पर खुदाई की जरूरत नहीं पड़ेगी। निर्माण के दौरान आसपास की इमारतों, ऐतिहासिक संरचनाओं और बिजली-पानी जैसी उपयोगिता सेवाओं की लगातार निगरानी की जाएगी।

रामगंज चौपड़ के बजाय गलता गेट पर स्टेशन

योजना में पहले रामगंज चौपड़ स्टेशन प्रस्तावित था, लेकिन बाद में दोबारा सर्वे और तकनीकी व आर्थिक आकलन के बाद गलता गेट को स्टेशन बनाने का निर्णय लिया गया। इसका उद्देश्य कॉरिडोर को अधिक आबादी और प्रमुख स्थलों से जोड़ना है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि जयपुर मेट्रो का विस्तार मुख्यमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट है। फेज-1सी के बाद फेज-1डी के माध्यम से भी मेट्रो नेटवर्क के विस्तार की योजना है।

इन परियोजनाओं से ट्रांसपोर्ट नगर से अजमेर रोड की दिशा तक कनेक्टिविटी बढ़ाने और शहर में सड़क यातायात पर निर्भरता कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर शनिवार को एसएमएस मेडिकल कॉलेज सभागार में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाली विभूतियों को राज्य स्तरीय पुरस्कार से नवाजा गया।

जयपुर । विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर शनिवार को एसएमएस मेडिकल कॉलेज सभागार में राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया गया। मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जोगाराम ने कहा कि चिकित्सा संस्थानों को मरीज-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए मानसिक स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देना चाहिए, ताकि लोग अपनी परेशानियों के बारे में खुलकर बात कर सकें और समय पर पहचान के साथ उचित उपचार प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि वर्तमान में करीब 10 प्रतिशत आबादी किसी न किसी प्रकार की मानसिक परेशानी का सामना कर रही है। मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाने में परिवार, समाज और सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

इस अवसर पर डॉ. जोगाराम ने राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत किशोर स्वास्थ्य विषयक पोस्टर का विमोचन किया। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य माह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिला मानसिक स्वास्थ्य इकाई प्रभारियों और पोस्टर प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने तथा तनाव कम करने के लिए पसंदीदा गतिविधियों और संगीत को अपनाने की सलाह दी। वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. शिव गौतम ने मानसिक रोगों से जुड़े सामाजिक कलंक को दूर करने पर जोर दिया। अतिरिक्त मिशन निदेशक डॉ. टी. शुभमंगला ने जन्म से बुजुर्गावस्था तक जीवन के विभिन्न चरणों में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को बताया। निदेशक एड्स डॉ. सुशील परमार ने लत एवं मानसिक स्वास्थ्य, यूनिसेफ के हेल्थ स्पेशलिस्ट डॉ. अनिल अग्रवाल ने राजस्थान में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी प्रयासों और स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका तथा अलख फाउंडेशन की रानू पाराशर ने संगीत चिकित्सा के महत्व पर विचार रखे। स्टेट नोडल ऑफिसर एनएमएचपी डॉ. एस.एम. स्वामी ने मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की गतिविधियों की जानकारी दी। अंत में एसपीएम डॉ. प्रदीप चौधरी ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

■ **समारोह में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और बेहतर उपचार पर जोर दिया**

निर्वाचन आयुक्त से मिलने के लिए शक्ति प्रदर्शन उचित नहीं : राठौड़

जयपुर । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की सलाह पर प्रतिक्रिया को अनावश्यक बताया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयुक्त से मुलाकात के लिए सैकड़ों लोगों को लेकर जाना और शक्ति प्रदर्शन करना उचित प्रक्रिया नहीं है। प्रतिनिधिमंडल को निर्धारित संख्या में समय लेकर अपनी शिकायतें और तर्क प्रस्तुत करने चाहिए।राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस कभी 240 तो कभी 400 लोगों के साथ निर्वाचन आयुक्त से मिलने की बात करती है। निर्वाचन आयोग के समक्ष तथ्यों और तर्कों के आधार पर अपनी बात रखनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस वास्तविक शिकायतों के समाधान के बजाय भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है।

तम्बाकू मुक्ति उपचार एवं परामर्श सेवाओं में राजस्थान देशभर में प्रथम

10 माह में 1.52 लाख से अधिक लोगों को उपचार व परामर्श, 500 से अधिक केंद्रों की जियो-टैगिंग

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । तम्बाकू मुक्ति उपचार एवं परामर्श सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में राजस्थान को देशभर में प्रथम स्थान के लिए चयनित किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय संसाधन केंद्र ने पिछले 10 माह में किए गए कार्यों के आधार पर राज्य का चयन किया है। यह सम्मान जनवरी-फरवरी 2027 में नई दिल्ली में आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने इस उपलब्धि पर अधिकारियों और स्वास्थ्यकर्मियों को बधाई दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 में दंत चिकित्सकों के माध्यम से ब्लॉक स्तर तक 1.52 लाख से अधिक लोगों को तम्बाकू छोड़ने के लिए उपचार एवं परामर्श दिया गया। प्रदेश में 500 से अधिक तम्बाकू मुक्ति केंद्रों की जियो-टैगिंग की गई है तथा तम्बाकू छोड़ने में उपयोगी निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एनआरटी) को निःशुल्क दवा सूची में शामिल किया गया है।

राठौड़ ने बताया कि राजस्थान देश का एकमात्र राज्य है, जहां दंत चिकित्सकों के माध्यम से ब्लॉक स्तर तक ये सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के कंट्री हेड डॉ. यवन जे.-एफ. हुटिन ने भी प्रदेश के प्रयासों की सराहना की है और सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए तकनीकी सहयोग दिया जा रहा है। तम्बाकू नियंत्रण में उत्कृष्ट कार्यों के लिए राजस्थान सरकार को विश्व स्वास्थ्य संगठन का विश्व तम्बाकू निषेध दिवस अवार्ड-2026 भी मिल चुका है। दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में राजस्थान को इस सम्मान के तहत प्रथम स्थान मिला था। उन्होंने बताया कि मई 2026 में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पखवाड़े के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों ने प्रदेश के 71.73 लाख घरों का दौरा किया। इस दौरान 21.14 लाख तम्बाकू उपभोगियों की पहचान कर उन्हें तम्बाकू छोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। जरूरत के अनुसार लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और उच्च चिकित्सा संस्थानों में उपचार के लिए भेजा गया। राज्य तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ और जिला स्तरीय अधिकारी दंत चिकित्सकों को नियमित मार्गदर्शन दे रहे हैं। सरकार का उद्देश्य तम्बाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और तम्बाकू छोड़ने के इच्छुक लोगों को उपचार उपलब्ध कराना है।

गरबा-डांडिया स्थलों पर तैनात होंगी पुलिस

जयपुर (कासं)। शारदीय नवरात्र के दौरान गरबा-डांडिया आयोजनों में शामिल होने वाली महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए राजस्थान पुलिस प्रदेशभर में "शक्ति सुरक्षा अभियान" चलाएगी। अभियान के तहत आयोजन स्थलों पर महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती, सादे कपड़ों में निगरानी, डिकॉय ऑपरेशन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद भी महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस विशेष व्यवस्था करेगी।

राज्यपाल से नवनिर्वाचित महापौर सुनील कोठारी मिले

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से शनिवार को लोकभवन में जयपुर नगर निगम के नवनिर्वाचित महापौर सुनील कोठारी ने पहुंचकर शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। महापौर बनने के बाद कोठारी की राज्यपाल से यह पहली शिष्टाचार भेंट थी। इसके बाद कोठारी ने विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी से भी मुलाकात की।

जयपुर में 25 अक्टूबर को होगी सवर्ण आक्रोश सभा

जयपुर। जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में 25 अक्टूबर को सवर्ण आक्रोश सभा आयोजित होगी। राष्ट्रीय करणी सेना की ओर से होने वाली इस सभा में देश के विभिन्न राज्यों से सवर्ण समाज सहित सर्व समाज के दो लाख से अधिक लोगों के शामिल होने का दावा किया गया है। सभा में आरक्षण व्यवस्था में सुधार, यूजीसी नियमों की वापसी और सवर्ण आयोग के गठन सहित विभिन्न मुद्दे उठाए जाएंगे।

राष्ट्रीय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव सिंह शेखावत ने बताया कि सभा में आरक्षण में सुधार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों की वापसी, गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने, एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम में संशोधन, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) की व्यवस्था को सरल बनाने और सवर्ण आयोग के गठन की मांग प्रमुखता से उठाई जाएगी।

दशहरे की तैयारी तेज : महंगाई ने बढ़ाई रावण के पुतले बनाने वालों की चिंता

जयपुर। दशहरे का पर्व 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इसे लेकर राजधानी में तैयारियां तेज हो गई हैं। आदर्श नगर, शास्त्री नगर, मानसरोवर, प्रताप नगर, टोंक रोड, सोडाला, राजापार्क, गुर्जर की थड़ी और आतिश मार्केट सहित शहर के कई इलाकों में रावण और कुंभकरण के पुतले तैयार किए जा रहे हैं। कारीगर बांस, कागज और कपड़े से विशालकाय पुतलों को आकार देने में जुटे हैं। रंग-बिरंगे पुतलों को देखने के लिए राहगीर भी रुक रहे हैं।

जानकारी के अनुसार जयपुर में रावण और कुंभकरण के पुतले बनाने के काम से करीब 150 से 200 परिवार जुड़े हुए हैं। इन परिवारों को दशहरे पर होने वाली बिक्री से अच्छी कमाई की उम्मीद है, लेकिन कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और बारिश की आशंका ने उनकी चिंता बढ़ा दी है।

कागज महंगा, बांस के दाम भी बढ़े

रावण के पुतले बनाने वाले कारीगर कमल ने बताया कि इस बार कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी सबसे बड़ी चुनौती है। कागज के दाम दोगुने होने और बांस महंगा होने से पुतले बनाने की लागत बढ़ गई है। वहीं बारिश होने पर तैयार पुतलों को सुरक्षित रखना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में कारीगरों को समय पर पुतले तैयार करने के साथ उन्हें मौसम से बचाने की भी चिंता है।

कारीगर राजेश के अनुसार महंगाई का असर पुतलों की कीमतों पर भी दिखाई दे रहा है। जयपुर में 250 रुपए से लेकर 60 हजार रुपए तक के पुतले तैयार किए जा रहे हैं। छोटे और मध्यम आकार के पुतलों की कीमत 3 से 5 हजार रुपए तक बताई जा रही है, जबकि 25 से 30 फीट ऊंचे पुतलों की कीमत 20 से 30 हजार रुपए तक रहने की उम्मीद है। वहीं, 55 फीट ऊंचे रावण के पुतले की कीमत करीब 60 हजार रुपए तक रखी गई है।बच्चों के लिए छोटे और आकर्षक पुतले भी बनाए जा रहे हैं। इनकी कीमत 250 से 300 रुपए तक है। अलग-अलग आकार और कीमतों के पुतले उपलब्ध होने से लोग अपने बजट के अनुसार खरीदारी कर सकेंगे।

शहरभर में होंगे रावण दहन के आयोजन

दशहरे पर मानसरोवर, झोटवाड़ा, आदर्श नगर और विद्याधर नगर सहित जयपुर के विभिन्न इलाकों में रावण दहन के कार्यक्रम आयोजित होंगे। आयोजन समितियों ने भी तैयारियां शुरू कर दी हैं। महंगाई और मौसम की अनिश्चितता के बावजूद शहर में दशहरे को लेकर उत्साह बना हुआ है।कारीगरों को उम्मीद है कि दशहरे पर पुतलों की अच्छी बिक्री होगी, जिससे परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करने में मदद मिलेगी। कई परिवारों के लिए यह कारोबार सालाना आय का अहम जरिया है। कारीगर इसी कमाई से दीपावली और परिवार में बहन-बेटियों की शादियों सहित अन्य जरूरी खर्चों की तैयारी भी करते हैं।

जयपुर में रामलीला महोत्सव आज से

जयपुर। गुलाबी नगरी की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से श्री सनातन धर्म महोत्सव समिति की ओर से 11 से 20 अक्टूबर तक रामलीला मैदान में भव्य रामलीला महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

इसमें भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े पौराणिक प्रसंगों का सजीव मंचन किया जाएगा। रामलीला के माध्यम से धर्म, मर्यादा, आदर्श और संस्कारों का संदेश दिया जाएगा। आयोजन को लेकर समिति की ओर से तैयारियां पूरी की जा रही हैं।

रामायण के विभिन्न प्रसंगों का मंचन करने के लिए मथुरा से प्रसिद्ध कलाकारों को आमंत्रित किया गया है।

सवारी ने चाकू की नोंक पर ऑटो चालक से 12 हजार रु. लूटे

जयपुर (कासं)। जयसिंहपुरा खोर थाना इलाके में सवारी बनकर ऑटोरिक्शा में बैठे दो बदमाशों ने चालक को सुनसान कच्चे रास्ते पर ले जाकर लूट लिया। बदमाशों ने चालक के विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की और गले पर चाकू लगाकर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद जेब में रखे 500 रुपए लूट लिए और ऑनलाइन भुगतान ऐप का पासवर्ड पूछकर बैंक खाते से 11 हजार 600 रुपए ट्रांसफर कर लिए। वारदात के बाद दोनों बदमाश चालक को धक्का देकर गिराकर फरार हो गए। पीड़ित ने शुक्रवार को थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

जांच अधिकारी एएसआई रतनलाल ने बताया कि गोनेर के बीमलपुरा निवासी सूर्यदेव साव (35) ऑटोरिक्शा चलाता है। 6 अक्टूबर को सुबह करीब 3 बजे वह सिंधी कैंप बस स्टैंड के बाहर खड़ा था। इसी दौरान दो युवक उसके पास आए और लालवास स्थित सीआरपीएफ कैंप तक जाने के लिए ऑटो का किराया पूछा। दोनों के बीच 300 रुपए किराया तय हुआ। इसके बाद चालक दोनों को ऑटो में बैठाकर लालवास ले गये थे।

पंचायती राज चुनाव की तैयारियों में मुस्तैदी बरतें अधिकारी : राजेश्वर सिंह

नगरीय निकाय के 10245 के मुकाबले पंचायत चुनाव में 1.55 लाख पदों पर होगा निर्वाचन

जयपुर (कासं)। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारियों को अतिरिक्त सतर्कता, बेहतर समन्वय और समयबद्ध कार्ययोजना के साथ तैयारी करने के निर्देश दिए।

■ **राज्य निर्वाचन आयुक्त ने हर ग्राम पंचायत में जनरेटर व लाइटिंग की व्यवस्था के निर्देश दिए**

उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय चुनाव में 10,245 पदों के मुकाबले पंचायती राज चुनाव में लगभग 1.55 लाख पदों पर निर्वाचन होना है। ऐसे में चुनाव प्रक्रिया स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए व्यापक तैयारियां जरूरी हैं।

राजेश्वर सिंह शनिवार को शासन सचिवालय स्थित राज्य निर्वाचन आयोग सभागार में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में संभागीय आयुक्तों और जिला निर्वाचन अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय चुनाव की तरह पंचायती राज चुनाव भी प्रतिबद्धता और कार्यकुशलता के साथ कराए जाएं तथा सभी व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा हो।

राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 की तैयारियों को लेकर बैठक ली।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने प्रत्येक ग्राम पंचायत में आवश्यकतानुसार जनरेटर और लाइटिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने बिजली कंपनियों के अधिकारियों से समन्वय कर निर्वाचन अवधि में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं का पहले से सत्यापन करने को कहा।

संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर विशेष निगरानी

राजेश्वर सिंह ने संवेदनशील एवं क्रिटिकल मतदान केंद्रों की पहचान कर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला प्रशासन और पुलिस विभाग को आपसी समन्वय के साथ कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन कर कमियों को समय रहते दूर करने पर जोर दिया। बैठक में मतदान दलों के गठन एवं प्रशिक्षण, परिवहन, ईवीएम और मतपेटियों की उपलब्धता, मतपत्रों के मुद्रण एवं सुरक्षा तथा निर्वाचन सामग्री के प्रबंधन की समीक्षा की गई। दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं की सुविधा, मतदान प्रक्रिया की पारदर्शिता के लिए नियमानुसार वीडियोग्राफी तथा आदर्श आचरण संहिता की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। इससे पहले आयोग की ओर से चुनाव प्रक्रिया, नियमों और शर्तों पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। वीसी में राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राजेश वर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

'त्योहारों पर जयपुर में जाम से निपटने के लिए ट्रैफिक पुलिस 2 माह की कार्ययोजना बनाएगी'

जयपुर। त्यौहारों और पर्यटन सीजन में राजधानी की सड़कों पर यातायात सुचारू बनाए रखने के लिए जयपुर ट्रैफिक पुलिस अगले दो महीने की कार्ययोजना तैयार करेगी। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने शनिवार को पुलिस मुख्यालय में यातायात प्रबंधन की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों का मौके पर निरीक्षण कर व्यावहारिक समाधान निकालने और कार्ययोजना की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

डीजीपी ने कहा कि यातायात सुधार का असर सड़कों पर दिखाई देना चाहिए। पुलिस की मौजूदगी बढ़ाने के साथ डायवर्जन, पार्किंग और प्रमुख चौराहों पर यातायात प्रबंधन प्रभावी बनाया जाए।

अधिकारियों के काम का आकलन फील्ड में किए गए प्रयासों और उनसे मिले परिणामों के आधार पर किया जाए, ताकि आमजन को यातायात व्यवस्था में सुधार का प्रत्यक्ष लाभ मिल सके। उन्होंने सीमित संसाधनों में उपलब्ध पुलिस बल, वाहनों और उपकरणों का बेहतर उपयोग करने पर भी जोर दिया।

एक रास्ते का डायवर्जन दूसरे मार्ग पर न बढ़ाए जाम

डीजीपी ने निर्देश दिए कि यातायात डायवर्जन मौके की स्थिति, वाहनों के दबाव और वैकल्पिक मार्गों को ध्यान में रखकर तैयार किया जाए। एक मार्ग पर यातायात नियंत्रित करने के प्रयास में दूसरे मार्ग पर जाम की स्थिति नहीं बननी चाहिए। प्रमुख चौराहों, बाजारों, पर्यटन स्थलों और व्यस्त मार्गों पर जरूरत के अनुसार पुलिसकर्मियों की तैनाती तथा नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए।

नियम तोड़ने वालों पर होगी प्रभावी कार्रवाई

बैठक में ओवरस्पीडिंग, रेड लाइट जंपिंग, गलत दिशा में वाहन चलाने और बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई पर चर्चा हुई। प्रमुख चौराहों पर सड़क चिह्नांकन, संकेतक बोर्ड, सुरक्षित पैदल पार पथ और फ्री-लेफ्ट की व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए गए। यातायात बाधित करने वाले अस्थायी अतिक्रमणों के खिलाफ भी आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया।

कैमरों से चालान और पार्किंग व्यवस्था पर जोर

यातायात प्रबंधन में आईटीएमएस, कैमरा आधारित चालान और स्वचालित नंबर प्लेट पहचान तकनीक (एएनपीआर) का प्रभावी उपयोग करने पर जोर दिया गया। इसके साथ ई-रिक्शा संचालन को व्यवस्थित करने, पार्किंग व्यवस्था सुधारने और बसों के संचालन को सुचारू बनाने पर भी चर्चा हुई। त्योहारों के दौरान बाजारों और पर्यटन स्थलों पर वाहनों की आवाजाही बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम करने के निर्देश दिए गए।बैठक में पुलिस महानिदेशक यातायात मालिनी अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक यातायात बीएल मीणा, जयपुर पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल, डीआईजी विकास शर्मा सहित पुलिस उपायुक्त, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त और यातायात व्यवस्था से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मालिनी अग्रवाल ने प्रमुख मार्गों पर यातायात दबाव का नियमित आकलन करने और दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में सुधारात्मक कार्रवाई करने पर जोर दिया।

"स्मार्ट" के माध्यम से सात सेवाओं का तीन लाख लोगों को लाभ मिला- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों की 10 प्रमुख योजनाओं को "स्मार्ट" प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

■ मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि "स्मार्ट परियोजना" का मुख्य उद्देश्य, पात्र लाभार्थियों की पहचान या उन्हें स्वचलित रूप से संबंधित योजनाओं में जोड़ना व मानवीय हस्तक्षेप कम करना है।

जयपुर, 10 अक्टूबर। राजस्थान में आमजन को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं को सुगम, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी आधारित व्यवस्थाओं को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्य में स्मार्ट परियोजना (सर्विस मैनेजमेंट विद आर्टिफिशल इंटेलिजेंस एंड रियल टाइम सिस्टम) की शुरूआत की गई है, जिससे लाखों व्यक्तियों को लाभ मिला है।

स्मार्ट परियोजना में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग (एआई/एमएल) की सहायता से सार्वजनिक सेवाओं को नागरिकों तक पहुंचाने का तरीका बेहतर बनाया जा रहा है। इसका प्रमुख उद्देश्य पात्र लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें स्वचालित रूप से संबंधित योजनाओं में जोड़ना और मानवीय हस्तक्षेप को कम करके लाभों का पारदर्शी वितरण करना है।

मुख्यमंत्री द्वारा 1 जुलाई को जयपुर में आयोजित 29वें राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन में स्वचालित नागरिक सेवा प्रदायगी मंच 'स्मार्ट' परियोजना का शुभारंभ किया जा चुका है। इसके अंतर्गत आरम्भ की गई 7 सेवाओं से 3 लाख से अधिक नागरिक लाभान्वित हो चुके हैं। वहीं, मुख्यमंत्री ने राज उन्नति की 9वीं बैठक में स्मार्ट परियोजना के तहत विभिन्न विभागों की 10 प्रमुख योजनाओं को भी स्मार्ट प्लेटफॉर्म पर लाने के निर्देश दिए हैं। ये सेवाएं भी आमजन को जल्द सुलभ होंगी।

इसी प्रकार मुख्यमंत्री ने 2 अक्टूबर को राज्य स्तरीय विकसित भारत-जन सेवा अभियान कार्यक्रम में मूल निवास प्रमाण-पत्र के स्वत: जारी होने की सेवा का शुभारम्भ किया था। इससे पात्र नागरिकों को मूल निवास प्रमाण-पत्र के लिए न तो आवेदन करना होगा और न ही किसी कार्यालय के चक्कर लगाने होंगे। प्रथम चरण में स्कूल शिक्षा विभाग के रिकॉर्ड के आधार पर राजस्थान में लगातार 10 वर्षों तक अध्ययन करने वाले लगभग 3 लाख विद्यार्थियों को चिन्हित किया गया है। इन विद्यार्थियों को सहमति के आधार पर मूल निवास प्रमाण-पत्र स्वत: जारी किए जा रहे हैं। 9 अक्टूबर तक 27 हजार से अधिक नागरिक इस सुविधा से लाभान्वित हो चुके हैं।

वर्तमान में स्मार्ट परियोजना ई-गवर्नेंस की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसमें जन आधार परिवार कार्ड में नवजात सदस्य को स्वत: जोड़ना, सदस्य की मृत्यु होने पर जन आधार परिवार कार्ड से स्वत: विलोपन, नवजात सदस्य का आरजीएचएस परिवार कार्ड में स्वचालित रूप से जुड़ना, मृत्यु होने पर आरजीएचएस परिवार कार्ड में सदस्य का स्वत: विलोपन, नवजात सदस्य का राशन कार्ड में स्वचालित रूप से जुड़ना एवं सदस्य की मृत्यु होने पर राशन कार्ड से स्वत: विलोपन जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

बारामूला के जंगल में हथियारों व गोला बारूद का जखीरा बरामद

श्रीनगर, 10 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला के एक जंगल से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सोपोर पुलिस से मिली खास खुफिया जानकारी के आधार पर, उत्तरी कश्मीर जिले के सोपोर इलाके में मुकाम चेरहार के जंगल में घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) चलाया गया। उन्होंने कहा कि तलाशी के दौरान हथियार, गोला-बारूद, ग्रेनेड, इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) और अन्य संबंधित सामग्री का एक बड़ा जखीरा बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान, एक बड़े पत्थर के नीचे छिपाकर रखा गया एक नीला बैरल और एक बैग मिला।

पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि संदिग्ध विस्फोटक सामग्री की जांच और उसे सुरक्षित रूप से संभालने के लिए तुरंत बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) को मौके पर बुलाया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने हिरासत में लिए 60 वकीलों को रिहा कराया

इन वकीलों को सुप्रीम कोर्ट परिसर के पास प्रदर्शन करते हुए गिरफ्तार किया गया था

■ सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिख कर वकीलों को हिरासत में लेने के मामले में हस्तक्षेप करने का आग्रह किया था।

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। दिल्ली में शनिवार को सुप्रीम कोर्ट परिसर के पास प्रदर्शन कर रहे करीब 50 से 60 वकीलों को हिरासत में लिया गया। इनमें वरिष्ठ वकील और महिला वकील भी शामिल थीं।

भारत के मुख्य न्यायाधीश के हस्तक्षेप के बाद, कुछ घंटों में उन्हें रिहा कर दिया गया। जंतर- मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेआई) के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से पहले, दिल्ली में सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी, इसी दौरान ये गिरफ्तारियाँ हुईं।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) ने हिरासत में लिए गए वकीलों के मामले में हस्तक्षेप की मांग करते हुए मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा, इसके बाद मुख्य न्यायाधीश ने अधिकारियों को हिरासत में लिए गए वकीलों को रिहा करने का निर्देश दिया।

"सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन" के अध्यक्ष, एडवोकेट देवव्रत ने भी पुष्टि की कि मुख्य न्यायाधीश ने अधिकारियों को वकीलों को रिहा करने का निर्देश दिया था।

एससीबीए के अध्यक्ष प्रदीप राय ने सुबह करीब 11:30 बजे सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए यह मुद्दा उठाया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के वकीलों को उनके चैंबर से हिरासत में लिए जाने की खबर को "बेहद चिंताजनक" बताया।

सीजेपी आज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अत्याचार कर रही है। हमारा सवाल है कि उन्हें फ्लाइट से क्यों हिरासत में लिया गया? वो सामान्य तरह से फ्लाइट से दिल्ली आए थे। कोई भी फ्लाइट से आ सकता है। अगर वो किसी भी तरह का उल्लंघन करते, सड़क पर आकर प्रदर्शन करते, तो उनको हिरासत में ले सकते थे।

'जन्तर-मन्तर सब जगह प्रस्फुटित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की परीक्षाओं में हुईं कथित गड़बड़ियों, लखनऊ विश्वविद्यालय और इलाहाबाद विश्वविद्यालय में फीस बढ़ाने और सीटें कम किये जाने के विरोध में प्रदर्शन हुए। सरकारी स्कूलों में खराब सुविधाओं को लेकर कई जिलों में सड़कें रोकी गईं और छात्रावासों में विरोध प्रदर्शन हुए। शिक्षकों की भर्ती में देरी के खिलाफ भी नाराज़गी देखने को मिली। इसके अलावा, रोजगार की मांग को लेकर जैन ज़ी के युवाओं ने चौरी-चौरा से लखनऊ तक साइकिल यात्रा निकाली। प्रयागराज और अन्य जगहों पर स्थानीय प्रदर्शनों में एसआईआर प्रक्रिया और मुख्य चुनाव आयुक्त को भी निशाना बनाया गया। इन प्रदर्शनों में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन और नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया जैसे छात्र संगठनों ने भी हिस्सा लिया।

राजनीतिक दलों में युवाओं का समर्थन हासिल करने के लिये जबरदस्त होड़ लगी हुई है। योगी आदित्यनाथ सरकार एक लाख से अधिक शिक्षण संस्थानों में बड़े स्तर पर संपर्क अभियान चला रही है। इसमें देश के विकास से जुड़े विषयों पर प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा रही हैं। साथ ही, सरकार नौकरियों में नियुक्तियों और कौशल विकास से जुड़ी योजनाओं को भी प्रमुखता से सामने रख रही है।

समाजवादी पार्टी "छात्र सभा" और अन्य छात्र संगठनों, पीडीए गठबंधन तथा डिजिटल अभियानों के माध्यम से जैन ज़ी के युवाओं तक पहुँचने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस युवाओं से सीधे बातचीत करने और समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की तैयारियों पर ध्यान दे रही है। छोटे राजनीतिक दल और निर्दलीय उम्मीदवार भी रोजगार और शिक्षा से जुड़ी समस्याओं को उठाकर युवाओं को अपने साथ जोड़ रहे हैं।

वहीं, बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने युवाओं से भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस, दोनों की साज़िशों से दूर रहने की अपील की है। उनका कहना है कि ये दोनों दल युवाओं के मुद्दों का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

सीजेपी के नेताओं ने चेतावनी दी है कि दिल्ली में हुई कार्रवाही और लखनऊ सहित, दूसरे शहरों में पहले आयोजित समर्थन कार्यक्रमों के बाद शुरु हुआ यह आंदोलन देशभर में फैल सकता है। आंदोलन के नेताओं ने संकेत दिया है कि वे विभिन्न शहरों में प्रदर्शन जारी रखेंगे और चुनावी सुधारों तथा व्यवस्था में बदलाव से जुड़ी मांगें पूरी होने तक दबाव बनाए रखेंगे। उत्तर प्रदेश में पहले से मौजूद स्थानीय संगठनों और परीक्षाओं तथा रोजगार से जुड़े विरोध प्रदर्शनों के इतिहास को देखते हुए, इस आंदोलन के वहाँ भी फैलने की प्रबल संभावना है।

मुथूट कंपनी से गायब ढाई किलो सोने के मामले में निर्णय

■ तत्कालीन मैनेजर को बरी करते हुए अदालत ने कहा कि 2009 के मामले में अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ आरोप साबित करने में विफल रहा।

जयपुर, 10 अक्टूबर। न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-14 महानगर द्वितीय ने साल 2009 में मुथूट फाइनेंस कंपनी से गायब हुए ढ ाई किलोग्राम सोने से जुड़े मामले में तत्कालीन शाखा प्रबंधक विजय बी. पुरोहित व एक अन्य अनिकेत को बरी कर दिया है। पीठासीन अधिकारी आयुषी गोयल ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ लगाए आरोपों को साबित करने में विफल रहा है। ऐसे में बिना सबूत आरोपियों को दोषमुक्त करना सही होगा।

अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया कि मुथूट फाइनेंस के क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर के प्रबंधक अंबिका प्रसाद ने 20 मार्च 2009 को विद्याधर नगर पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें कहा था कि ब्रांच की ऑडिट के दौरान 15 गोल्ड पैकेट स्ट्रांग रूम में नहीं मिले। इन गोल्ड पैकेटों के बदले में कंपनी ने 20.57 लाख रुपए की लोन राशि दी है। मामले में आरोप था कि तत्कालीन ब्रांच मैनेजर विजय पुरोहित ने पैकेटों को अपने कब्जे में लेने के बाद कथित तौर पर उनका गबन किया तथा अनिकेत के साथ मिलकर साजिश रची। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। वहीं, बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता विपिन अग्रवाल ने कहा कि केवल नकदी और पासबुक की बरामदगी के आधार पर आरोपियों का अपराध में शामिल होना साबित नहीं होता।

124 आई.ए.एस. और आई.एफ.एस. ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बनाई गई थी, उसी पर सवाल उठ सकते हैं।

मौजूदा विवाद के बड़े पैमाने को देखते हुए ये चिंताएं और भी अहम हो जाती हैं। विपक्षी दलों और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठाए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। इससे प्रक्रिया और मतदाता की योग्यता से जुड़े सवाल और अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं।

इसलिए मुख्य सवाल यह नहीं है कि मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण होना चाहिए या नहीं। सूचियों को सही ढंग से बनाए रखना जरूरी है। असली सवाल यह है कि यह प्रक्रिया कितनी पारदर्शिता और समान नियमों के साथ पूरी की जाती है और क्या इसमें पात्र मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटने से रोकने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय मौजूद हैं।

पूर्व अधिकारियों की इस पहल ने राजनीतिक रूप से संवेदनशील बहस में प्रशासनिक अनुभव और संस्थागत व्यवस्था से जुड़े पहलुओं को भी शामिल कर दिया है। सबूतों पर जोर देने की उनकी बात सही है: धोखाधड़ी के आरोपों की सख्ती से जाँच होनी चाहिए और बिना सबूत वाले दावों को अपने आप सच नहीं मान लेना चाहिए।

हालाँकि, पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों की साख और पत्र का समर्थन करने वालों की संख्या अपने आप यह साबित नहीं करती कि विशेष गहन पुनरीक्षण की हर प्रक्रिया सही तरीके से पूरी की गई है। इसी तरह, विपक्षी दलों के आरोप भी अपने आप यह साबित नहीं करते कि चुनावों में व्यवस्थित रूप से हेराफेरी हुई है।

विश्वसनीय आकलन के लिए संबंधित चुनावी आंकड़ों तक पहुँच, नाम हटाने के कारणों की स्पष्ट जानकारी, गलतियों को सुधारने की प्रभावी व्यवस्था और जरूरत पड़ने पर स्वतंत्र जाँच जरूरी है। जिन नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, उन्हें अपनी पात्रता साबित करने और अपना नाम दोबारा जुड़वाने का उचित अवसर मिलना चाहिए।

लोकतंत्र का बड़ा सिद्धांत यह है कि संस्था की साख की रक्षा जिम्मेदारी से की गई आलोचना और साबित की जा सकने वाली जवाबदेही, दोनों से होनी चाहिए। राजनीतिक आरोपों के आधार पर चुनाव आयोग को दोषी नहीं मान लेना चाहिए। लेकिन केवल संवैधानिक संस्था होने के कारण उसे जाँच और सवालों से छूट भी नहीं मिलनी चाहिए।

अंतिम कसौटी स्पष्ट है: क्या योग्य नागरिक बिना किसी रुकावट के मतदान कर सकते हैं? क्या कानूनी प्रक्रियाओं के जरिए अपात्र नामों को हटाया जा सकता है? और क्या जनता यह जाँच सकती है कि इन दोनों उद्देश्यों को पूरा किया जा रहा है? यही वह पैमाना है, जिसके आधार पर एसआईआर और उससे जुड़े अलग-अलग दावों को परखा जाना चाहिए।

नाबालिग से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभियुक्त उसे अपने कमरे में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान, पीड़िता ने घटना को दोहराया, वहीं अभियुक्त ने कहा कि उसे रंजिशवश फंसाया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

रियाद एयरपोर्ट बंद, मिसाइल हवाई अड्डे के यात्री टर्मिनल से टकराई

■ कुवैत एयरवेज ने अपनी उड़ानें बंद की, रियाद जाने वाली उड़ानों को दूसरे हवाई अड्डों की ओर मोडा।

काहिरा, 10 अक्टूबर। सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित हवाई अड्डे पर शनिवार को फिर हमला हुआ और उसे खाली करा लिया गया। क्षेत्र के दो अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वहीं, दो दिन पहले हुए हमले में एक पायलट समेत तीन सऊदी नागरिकों की मौत हो गई थी। ईरान युद्ध के नए मोर्चे पर सऊदी अरब को लगातार हमलों का सामना करना पड़ रहा है।

एक अधिकारी ने बताया कि मिसाइल हवाई अड्डे के यात्री टर्मिनल से टकराई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने मीडिया से बात करने के लिए अधिकृत नहीं होने के कारण नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर जानकारी दी। एंबुलेंस को तेजी से हवाई अड्डे की ओर जाते देखा गया। उड़ानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटरडार24 के मुताबिक, रियाद जाने वाली उड़ानों को दूसरे हवाई अड्डों की ओर मोड़ दिया गया। इससे पहले दोपहर 2:05 बजे आखिरी उड़ान के उतरने के करीब चार घंटे बाद यह जानकारी सामने आई।

कुवैत एयरवेज ने बताया कि हवाई अड्डा बंद होने के कारण वह अपनी उड़ानें रद्द कर रही है। कनाडा के दूतावास ने अपने नागरिकों को हवाई अड्डे की यात्रा से बचने की सलाह दी और क्षेत्र में "लगातार जारी सैन्य गतिविधियों" का हवाला दिया। रियाद के निवासी अहमद सैयद ने बताया कि उन्होंने राजधानी में कम से कम दो जोरदार धमाकों की आवाज सुनी। धमाकों से शहर में कंपन महसूस हुआ। हवाई अड्डा प्रशासन ने यात्रियों के लिए संक्षिप्त अलर्ट जारी किया।

मुख्य चुनाव आयुक्त का हटना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पिनराई विजयन भी उन प्रमुख राजनीतिक नेताओं में शामिल थे, जिन्हें आंदोलन में शामिल होने या उसका समर्थन करने की कोशिश के दौरान हिरासत में ले लिया गया। तृणमूल कांग्रेस के नेताओं, डैरेक ओ'ब्रायन और डोला सेन को भी हिरासत में लिया गया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के वरिष्ठ नेताओं, जिनमें महासचिव एम. ए. बेबी, बृंदा करात और जॉन ब्रिटास शामिल हैं, को भी हिरासत में लिया गया। आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया को भी चंडीगढ़ में हिरासत में लिए जाने की खबर आई। अनेक जगहों पर कार्यकर्ताओं, वकीलों और छात्र नेताओं के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई की गई।

इन हिरासतों ने आंदोलन को और अधिक राजनीतिक रूप दे दिया है। विपक्षी नेताओं ने प्रशासन पर विरोध की आवाज़ को दबाने का आरोप लगाया, जबकि सरकार और पुलिस ने सार्वजनिक व्यवस्था तथा सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं के आधार पर पाबंदियों को सही ठहराया। तमिलनाडु के नेता एम. के. स्टालिन ने पुलिस कार्रवाई की आलोचना की और हिरासत में लिए गए राजनीतिक नेताओं, छात्रों तथा युवा प्रदर्शनकारियों को रिहा करने की मांग की। उन्होंने इसकी तुलना आपातकाल से की। इन विरोधी दावों ने प्रदर्शन से निपटने के सरकार के तरीके पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, पुलिस की प्रत्येक कार्रवाई की वैधता की जांच हर हिरासत के खास हालात के आधार पर की जानी चाहिए।

इस आंदोलन का मुख्य मुद्दा मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेन्सिव रिविजन-एसआईआर) है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पात्र मतदाताओं के नाम गलत तरीके से सूची से हटाए गए हैं और इस प्रक्रिया से चुनाव की निष्पक्षता को खतरा हो सकता है। चुनाव आयोग का कहना है कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची में डुप्लीकेट और अपात्र नामों की पहचान करना तथा सूची को अधिक सटीक बनाना है। मुख्य सवाल यह है कि क्या इन आरोपों की पुष्टि, नाम हटाए जाने के प्रामाणिक आंकड़ों, गलत तरीके से नाम काटे जाने के व्यक्तिगत मामलों, पात्र मतदाताओं के नाम दोबारा जोड़ने और चुनाव अधिकारियों के पारदर्शी स्पष्टीकरण के माध्यम से की जा सकती है।

युवाओं के नेतृत्व वाले मंच के रूप में सीजेपी के उभरने से ऐसे कई समूह एक साथ आ गये हैं, जो कभी किसी एक राजनीतिक बैनर के नीचे काम नहीं करते। छात्र संगठनों, वामपंथ से जुड़े समूहों, ऐक्टिविस्टों और विपक्षी दलों ने इस अभियान में हिस्सा लिया है या इसका समर्थन किया है। स्थापित राजनीतिक नेताओं की भागीदारी ने इस आंदोलन को उसके शुरुआती समर्थक वर्ग से आगे तक पहुँचा दिया है।

अब सवाल यह है कि बढ़ती राजनैतिक भागीदारी आंदोलन को मजबूत करेगी या उसकी स्वतंत्र पहचान को कमजोर कर देगी। यदि आंदोलन व्यापक गठबंधन बनाए रखता है और प्रमाणों पर आधारित चुनावी सुधारों पर ध्यान केन्द्रित करता है, तो वह एक प्रदर्शन के बाद भी दबाव बनाए रख सकता है। लेकिन यदि उसकी पहचान मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी के साथ विपक्ष के टकराव तक सीमित हो जाती है, तो, परंपरागत दलीय राजनीति पर संदेह करने वाले युवाओं के बीच, उसकी लोकप्रियता प्रभावित हो सकती है। वर्ष 2027 की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव मतदाता सूची के पुनरीक्षण से जुड़े राजनीतिक दांव-पेच को और बढ़ा सकते हैं।

क्या ये विरोध प्रदर्शन ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर सकते हैं? आंदोलन का बढ़ता दायरा और बड़े पैमाने पर लोगों को हिरासत में लिया जाना राजनीतिक दबाव तो बढ़ा सकता है, लेकिन इससे किसी संवैधानिक पदाधिकारी को अपने पद से हटने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। संविधान के अनुच्छेद 324(5) के तहत, मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने के खिलाफ सुरक्षा मिली हुई है और उन्हें केवल उसी तरीके और उन्हीं आधारों पर हटाया जा सकता है, जिन आधारों और प्रक्रिया के तहत सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जाता है। इसके लिए संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत से प्रक्रिया पूरी करनी होती है। कुमार स्वेच्छा से इस्तीफा दे सकते हैं, लेकिन अभी तक ऐसा कोई स्पष्ट संकेत नहीं है कि उन्होंने यह कदम उठाने का फैसला किया है।

तत्काल चुनौती यह है कि क्या इस टकराव से कोई ठोस संस्थागत नतीजा निकलता है। मतदाता सूची से हटाए गए नामों की पारदर्शी जानकारी देना, शिकायतों का प्रभावी समाधान करना, पात्र मतदाताओं के नाम दोबारा जोड़ना और विवादित मामलों की स्वतंत्र जाँच कराना प्रदर्शनकारियों के आरोपों की विश्वसनीयता स्थापित करने में मदद करेगा। न्यायिक फैसले या संसद की विधिवत कार्रवाई भी इस विवाद की दिशा बदल सकती है।

शनिवार को बड़े पैमाने पर लोगों को हिरासत में लिए जाने से शांतिपूर्ण तरीके से एकत्र होने का अधिकार भी एक प्रमुख मुद्दा बन गया है। पुलिस की भारी तैनाती और लोगों की आवाजाही पर लगी पाबंदियों के कारण यह आलोचना प्रबल हुई है कि प्रशासन विरोध की आवाज़ को सीमित कर रहा है। वहीं, पुलिस सुरक्षा, नियमों और यातायात व्यवस्था से जुडी चिंताओं का हवाला दे रही है। इन कदमों की आवश्यकता और उनकी मात्रा को लेकर बहस आगे भी जारी रहने की संभावना है।

कुल मिलाकर, अंततः, दिल्ली में हुए इस आंदोलन का महत्व इस बात पर निर्भर करेगा कि क्या यह जनता के गुस्से को चुनावी प्रक्रिया में प्रमाणित सुधार, संस्थागत जवाबदेही और लंबे समय तक इस प्रकार की नागरिक भागीदारी में बदल सकता है। ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा फिलहाल एक मांग है, कोई सुनिश्चित नतीजा नहीं। बड़ी चुनौती यह है कि क्या अब प्रमुख राजनीतिक नेताओं के समर्थन वाला यह युवा आंदोलन, चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली की सार्थक जाँच सुनिश्चित कर सकता है और चुनावी प्रक्रिया में जनता का भरोसा मजबूत कर सकता है।

लोक अदालत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थे। जस्टिस गोयल ने लोक अदालत में उपस्थित पक्षकारों को संबोधित करते हुए कहा कि कई पक्षकारों के बीच ऐसे सिविल व छोटे आपराधिक प्रकृति के मुकदमे होते हैं, जिन्हें आपसी राजीनामे से सुलझाया जा सकता है। लोक अदालत के माध्यम से ऐसे प्रकरणों को तय किया जाता है। इससे पक्षकार का समय और धन दोनों बचता है।

वहीं प्रकरण का अंतिम निस्तारण होने से उसकी अपील भी नहीं होती है। प्राधिकरण के सदस्य सचिव हरिओम शर्मा अत्री ने बताया कि लोक अदालत में राजीनामा हो सकने वाले आपराधिक प्रकरणों के साथ ही चैक अनादरण, धन वसूली, बिजली-पानी और तलाक को छोड़कर, अन्य पारिवारिक प्रकरणों से जुड़े मुकदमों को सूचीबद्ध किया गया था।

प्रकरणों के निस्तारण के लिए हाईकोर्ट में चार बेंच और प्रदेश की अधीनस्थ अदालतों में 499 बेंचों का गठन किया गया था।

लगभग एक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की आवाज़ दबाने के लिए केवल बल प्रयोग किया जाता है।

यह तरीका ज्यादा दिन नहीं चल सकता।

इसके विकल्प के रूप में छात्र आईएनए की दिल्ली हाट में और सफदरजंग फ्लाईओवर पर बैठ गए। पुलिस के वहाँ पहुँचने और सडकें बंद करने की कार्रवाई शुरू करने से पहले ही छात्र वहाँ जमा हो गए थे।

आशंका है कि यदि आज देर रात सडकें खोल दी गईं, तो छात्र रात में फिर से इकट्ठा हो जाएंगे और वहीं बैठे रहेंगे।

सुप्रीम कोर्ट कल रविवार को विशेष याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। इन याचिकाओं में मेट्रो सेवा बंद किए जाने, सीजेपी के हजारों समर्थकों को हिरासत में लेने और भारी संख्या में तैनात पुलिस बल द्वारा की गई हिंसा से जुड़े मामले शामिल हैं।

राजनाथ सिंह ने प्रसिद्ध सारंग हैलीकॉप्टर की एरोबैटिक टीम के हैरतअंगेज़ करतब देखे

रक्षा मंत्री ने जोधपुर में बहुराष्ट्रीय वायु सेना अभ्यास में मित्र राष्ट्रों के वायु सेना अधिकारियों से मुलाकात की

■ जोधपुर में आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय अभ्यास का मुख्य उद्देश्य विभिन्न रक्षा संस्कृतियों के बीच आपसी तालमेल बढ़ाना, संयुक्त अभ्यास की क्षमता विकसित करना तथा आधुनिक हवाई युद्ध की रणनीतियों का आदान-प्रदान करना है।

जोधपुर, 10 अक्टूबर (कासं)। जोधपुर की धरा एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय सैन्य शक्ति का गवाह बनी है, जहां शनिवार को केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह विशेष दौरे पर जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पहुंचे। एयरबेस पहुंचने पर भारतीय वायुसेना के शीर्ष अधिकारियों ने केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की औपचारिक अगवानी की और स्वागत किया। रक्षा मंत्री ने यहां आयोजित बहुराष्ट्रीय वायु अभ्यास "तरंग शक्ति-2026" के मुख्य कार्यक्रम में शिरकत की और युद्धाभ्यास में हिस्सा ले रहीं विभिन्न मित्र राष्ट्रों की वायुसेनाओं के अधिकारियों और जवानों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। निर्धारित कार्यक्रम के समापन के बाद रक्षा मंत्री दोपहर बाद, जोधपुर एयरपोर्ट से विशेष विमान द्वारा वापस दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

जानकारी के अनुसार, जोधपुर एयरबेस पर 26 सितंबर से 12 अक्टूबर तक आयोजित हो रहे इस विशाल युद्धाभ्यास में दुनियाभर के 8 देशों की वायुसेनाएं एक साथ मिलकर अपनी हवाई मारक क्षमता और युद्ध कौशल का प्रदर्शन कर रही हैं। इसके साथ ही, विश्व के 32 से अधिक देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधि इस अभ्यास के पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हुए हैं।

वहीं, "तरंग शक्ति-2026" युद्धाभ्यास के दौरान भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सारंग हेलीकॉप्टर एरोबैटिक टीम ने आसमान में सांसें थमा देने वाले हैरतअंगेज करतब दिखाए। सारंग टीम के पायलटों की सटीकता और कौशल को देखकर वहां मौजूद देश-विदेश के सैन्य प्रतिनिधि और दर्शक दंग रह गए। लड़ाकू विमानों की गर्जना और हेलीकॉप्टरों के जटिल फॉर्मेशन ने पूरे जोधपुर एयरबेस के माहौल को देशभक्ति और सैन्य शक्ति के रोमांच से भर दिया। रक्षा मंत्री ने सारंग टीम के प्रदर्शन की सराहना की और विदेशी प्रतिनिधियों के सामने भारतीय वायुसेना के इस गौरवशाली प्रदर्शन को भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता का बड़ा प्रमाण बताया।

अभिजीत दीपके ने आंदोलन की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में दाखिल हुए और तीनों को हिरासत में ले लिया। महाराष्ट्र के रहने वाले अजिंक्य शिंदे कई वर्षों से अभिजीत दिपके के करीबी सहयोगी रहे हैं। वे पहले आम आदमी पार्टी की महाराष्ट्र टीम में सोशल मीडिया समन्वयक के रूप में काम कर चुके हैं। बताया जाता है कि दीपके से उनकी पहली मुलाकात 2016 में गोवा में हुई थी।

शिंदे ने आम आदमी पार्टी के लिए पूरे समय काम करने के उद्देश्य से अपनी कॉरपोरेट नौकरी छोड़ दी थी। पार्टी में शामिल होने के बाद उन्होंने एक साल गोवा विधानसभा चुनावों के लिए काम किया। हालाँकि, गोवा विधानसभा चुनावों में पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई, फिर भी अजिंक्य पार्टी के प्रति समर्पित रहे और महाराष्ट्र में आम आदमी पार्टी की टीम के साथ काम करने लगे।

बताया जाता है कि वे महाराष्ट्र के हर जिले का दौरा कर चुके हैं। अजिंक्य महाराष्ट्र के तटीय शहर अलीबाग के रहने वाले हैं। दिपके, दास और रांका के अलावा, शनिवार सुबह प्रदर्शन से पहले ही सीजेपी के कई नेताओं और प्रदर्शनकारियों को भी हिरासत में लिया गया। दिल्ली पुलिस ने सीजेपी को प्रदर्शन के लिए अनुमति देने से इनकार कर दिया था। पुलिस का कहना था कि अनुमति के लिए पर्याप्त समय पहले आवेदन नहीं किया गया था।

इससे पहले, शनिवार सुबह यूट्यूबर ध्रुव राठी को भी दिल्ली पुलिस ने गुरुग्राम स्थित उनके घर से हिरासत में ले लिया। नरेन्द्र मोदी सरकार के मुखर आलोचक राठी इसी सप्ताह जर्मनी से भारत लौटे थे। उन्होंने 8 अक्टूबर को बेंगलुरु में हुए सीजेपी के प्रदर्शन में भी हिस्सा लिया था।

जंतर-मंतर के आसपास नाटकीय दृश्य देखने को मिले, जब पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शन स्थल तक पहुँचने की कोशिश कर रहे लोगों को हिरासत में लेना शुरु किया।

हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों को पुलिस बसों में भरकर राजधानी के छत्रसाल स्टेडियम ले गई।

पुलिस ने शनिवार से पहले की रात राजधानी के अलग-अलग इलाकों में चलाए गए अभियान के दौरान, कम से कम 400 प्रदर्शनकारियों को भी गिरफ्तार किया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

साइबर अपराध व सड़क सुरक्षा के बारे में जानकंरी दी

लालसोट। आगामी त्योहारों और चुनाव प्रक्रिया के मद्देनजर कानून व्यवस्था बनाए रखने को लेकर थाना परिसर लालसोट में सीएलजी सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में थानाधिकारी हरलाल मीणा ने सदस्यों के साथ संवाद कर क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। थानाधिकारी हरलाल मीणा ने आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने, सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्वक संपन्न कराने और क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने को लेकर चर्चा की गई। थानाधिकारी ने सीएलजी सदस्यों से क्षेत्र में होने वाली अवैधानिक गतिविधियों की जानकारी तत्काल पुलिस के साथ साझा करने की अपील की। उन्होंने पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में सहयोग की आवश्यकता बताई।

किशनगढ़ बास में राष्ट्रीय लोक अदालत में 75 हजार से अधिक मामलों का निस्तारण

न्यायाधीश शैलेन्द्र व्यास, सचिव अजीत कुड़ी ने किशनगढ़ बास में राष्ट्रीय लोक अदालत का अवलोकन किया।

- 8.68 करोड़ के अवार्ड पारित
- खैरथल-तिजारा जिले में 7 बेंचों पर हुई 83 हजार प्रकरणों की सुनवाई

किशनगढ़बास। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल-तिजारा के तत्वावधान में शनिवार 10 अक्टूबर को किशनगढ़ बास में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला व सेशन न्यायाधीश शैलेन्द्र व्यास के निर्देशन में आयोजित इस लोक अदालत में 75,575 प्रकरणों का निस्तारण कर 8,68,74,259 रुपये से अधिक के अवार्ड पारित किए गए।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अजीत कुड़ी व वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुरभी सिंह भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। लोक अदालत के सफल संचालन के लिए कुल 07 पीठों का गठन किया गया था, जिसमें मुख्यालय पर 01 पीठ तथा अधीनस्थ तालुकाओं में 06 पीठें गठित की गई। मुख्यालय पीठ में अध्यक्ष के रूप में जिला एवं सेशन न्यायाधीश शैलेन्द्र व्यास, सदस्य के रूप में एसडीएम किशनगढ़बास सतवीर सिंह यादव एवं अधिवक्ता प्रताप सैन उपस्थित रहे।

लोक अदालत के दौरान राजीनामा योग्य प्रकरणों एवं आमजन से संबंधित मामलों की सुनवाई की गई। प्री-लिटिगेशन (राजस्व सहित) के ऑनलाइन एवं ऑफलाइन कुल 73,351 प्रकरणों (67,503 ऑनलाइन एवं 5,848 ऑफलाइन) में से कुल 67,557 प्रकरणों का राजीनामे के माध्यम से निस्तारण किया गया, जिसमें 1,74,84,500 रुपये की राशि के अवार्ड पारित किए गए।

इसी प्रकार विभिन्न न्यायालयों में लंबित प्रकरणों एवं राजस्व मामलों के कुल 9,878 प्रकरणों में से 8,018 प्रकरणों का निस्तारण किया गया, जिसके तहत कुल 6,93,89,759 रुपये की राशि का निर्धारण/समझौता किया गया। इस प्रकार प्री-लिटिगेशन एवं न्यायालयों में लंबित तथा राजस्व मामलों के कुल 83,229 प्रकरणों में से कुल 75,575 प्रकरणों का ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य आपसी सहमति एवं समझाइश के माध्यम से विवादों का त्वरित, सरल एवं सुलभ निस्तारण सुनिश्चित करना तथा आमजन को अनावश्यक न्यायालयीन प्रक्रिया, समय और खर्च से राहत प्रदान करना है। लोक अदालत में पारित समझौता अवार्ड अंतिम एवं बाध्यकारी होता है तथा नियमानुसार इसके विरुद्ध अपील का प्रावधान नहीं होता। इस अवसर पर अधिवक्तागण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं पीएलवीगण भी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

निवाई में दो दिवसीय अग्रसेन जयंती महोत्सव का शुभारंभ

निवाई। अग्रसेन जयंती समिति के तत्वावधान में दो दिवसीय अग्रसेन जयंती महोत्सव का ध्वजारोहण के साथ शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नरेंद्र कुमार व दिलीप कुमार भाणजा परिवार द्वारा ध्वजारोहण करके किया। समारोह में सैंकड़ों महिला-पुरूषों की भीड़ उमड़ पड़ी। जिन्होंने आराध्य देव महाराजा अग्रसेन की विधिवत पूजा-अर्चना करके जन्म जयंती मनाई एवं दो दिवसीय महोत्सव के सफल आयोजन की कामना की। इस दौरान रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन ताराचंद गोयल रामनगर व पार्षद अनीता गोयल ने फीता काटकर किया। राजेंद्र जैन व दिलीप जैन बगड़ी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। रक्तदान शिविर में समाज के युवक-युवतियों, महिलाओं व पुरुषों में भारी उत्साह के साथ बढ़-चढक़र रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में 51 यूनिट रक्तदान हुआ। इस अवसर पर ताराचंद बोहरा, प्रधानाचार्य राकेशकुमार अग्रवाल, रवि अग्रवाल, महावीर प्रसाद पराना ओमप्रकाश गुप्ता टोंक, मोहन लाल गुप्ता, प्रेमचंद अग्रवाल, दिनेश मंगल, दिनेश गिन्दौड़ी, हुकमचंद जैन, पवन सांवलिया, पार्षद नीतू सांवलिया, योगेन्द्र जैन, मोहनलाल शेखाटिया व देवेन्द्र आण्डरा सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

चौमूं में प्रबोधन कार्यशाला आयोजित

चौमूं / कालाडेरा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं सचिव राज्य निर्वाचन आयोग राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव 2026 हेतु संभावित प्रत्याशियों को नामांकन भरने संबंधी प्रक्रिया एवं दिशा-निर्देशों से अवगत करवाये जाने हेतु शनिवार को अपराहन 3:00 बजे कार्यालय पंचायत समिति गोविन्दगढ के सभागार में अधोहस्ताक्षरकर्ता की अध्यक्षता में ''प्रत्याशी प्रबोधन कार्यशाला'' का आयोजन किया गया। प्रबोधन कार्यशाला में रिटर्निंग अधिकारी पंचायत समिति गोविन्दगढ सहायक कलेक्टर चौमूं मुक्त राव के द्वारा उक्त आयोजित प्रत्याशी प्रबोधन कार्यशाला में निम्न अधिकारियों/कार्मिकगणों द्वारा चुनाव लड़ने वाले इच्छुक प्रत्याशियों को नामांकन भरने संबंधी प्रक्रिया एवं उसके संलग्न होने वाले दस्तावेजों के संबंध में प्रशिक्षण व जानकारी प्रदान की गई। इस दौरानमुक्ता राव, रिटर्निंग अधिकारी, पंचायत समिति गोविन्दगढ एवं सहायक कलक्टर चौमूं, अतुल पारीक, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी, सहायक कलक्टर चौमूं, दीपक कुमार यादव, निजी सहायक, सहायक कलक्टर चौमूं, विकास शर्मा, प्रधानाध्यापक, महात्मा गांधी सीनियर सै0 विद्यालय वार्ड नं 11 कालाडेरा, श्रवण कुमार शर्मा, प्रधानाध्यापक, राउमावि हस्तेडा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

महायज्ञ के लिए 191 पीपे घी का दान

अलवर। माधोगढ़ गांव स्थित नल्देश्वर धाम आश्रम (मिनी अमरनाथ) में 11 से 19 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले नौ दिवसीय 108 कुंडीय रुद्र महायज्ञ को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। महायज्ञ में हवन के लिए मातादीन पणिहार ने 191 पीपे घी दान किए हैं। महायज्ञ के लिए इतनी बड़ी मात्रा में घी का दान धार्मिक आयोजन की तैयारियों से जुड़ी प्रमुख जानकारी है।

शाहपुरा: एनएच-48 पुलिया के हिस्से में धंसाव की तत्काल मरम्मत करने की मांग

शाहपुरा। मनोहरपुर शाहपुरा स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-48 की पुलिया के एक हिस्से में धंसाव सामने आने के बाद निर्माण गुणवत्ता और रखरखाव को लेकर सवाल उठने लगे हैं। पुलिया की मौजूदा स्थिति को लेकर सड़क सुरक्षा के लिहाज से चिंता जताई जा रही है। मामले में कुंवर दिगराज सिंह ने मौके पर पहुंचकर पुलिया का निरीक्षण किया और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों से तत्काल तकनीकी जांच कराने तथा आवश्यक मरम्मत करवाने की मांग की। निरीक्षण के दौरान पुलिया के एक हिस्से में धंसाव दिखाई देने पर दिगराज सिंह ने इसे गंभीर विषय बताया। उन्होंने कहा कि एनएच-48 व्यस्त राष्ट्रीय राजमार्ग है, जहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं। ऐसे में पुलिया की स्थिति की अनदेखी करना वाहन चालकों की सुरक्षा के लिहाज से उचित नहीं है।

दिगराज सिंह ने कहा कि लाखों लोगों की सुरक्षा से जुड़े इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक कदम उठाने चाहिए। उन्होंने पुलिया की गुणवत्ता की तकनीकी जांच कराने, धंसाव के कारणों का पता लगाने और जरूरत के अनुसार मरम्मत एवं मजबूतीकरण कार्य करवाने की मांग की।

पुलिया के निर्माण या मरम्मत कार्य के करीब एक वर्ष के भीतर ही धंसाव सामने आने की बात कही जा रही है। ऐसे में निर्माण की गुणवत्ता, इस्तेमाल की गई सामग्री और रखरखाव की व्यवस्था की जांच को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि, धंसाव के वास्तविक कारणों की पुष्टि तकनीकी जांच के बाद ही हो सकेगी। अब निगाहें की कार्रवाई पर टिकी हैं। देखना होगा कि संबंधित अधिकारी पुलिया की तकनीकी जांच करवाकर सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाते हैं और मरम्मत कार्य कब तक शुरू किया जाता है।

खाद के लिए किसान परेशान - टीकाराम जूली

अलवर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर ग्रामीण जनता की समस्याओं को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने खाद की किल्लत, राशन वितरण में आ रही परेशानियों, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिए बुजुर्गों और विधवा महिलाओं को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने की शिकायतों तथा शौचालय निर्माण की राशि नहीं मिलने जैसे मुद्दों को उठाते हुए सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। जूली ने कहा कि सरकार के दावों और गांवों में आम आदमी की वास्तविक जिंदगी के बीच बड़ा अंतर दिखाई दे रहा है। टीकाराम जूली ने कहा कि खेती-किसानी पर निर्भर ग्रामीण परिवारों के सामने खाद की उपलब्धता एक बड़ी चिंता बनी हुई है। किसानों को समय पर खाद नहीं मिलने से खेती की तैयारियों और फसलों की जरूरतों पर असर पडऩे की आशंका रहती है।

पावटा में नामांकन प्रक्रिया व निर्वाचन नियमों की जानकारी दी

पंचायत समिति पावटा में शनिवार को प्रत्याशी प्रबोधन कार्यशाला का आयोजन किया।

पावटा। राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की अनुपालना में पंचायत समिति पावटा में शनिवार को प्रत्याशी प्रबोधन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य एवं सरपंच पदों पर चुनाव लड़ने वाले सैकड़ों प्रत्याशियों ने भाग लिया।

उपखण्ड अधिकारी पावटा श्री ब्रजेश कुमार चौधरी के निर्देशन में आयोजित कार्यशाला में ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनर अजय सिंह यादव, मन मोहन मीणा, सुरेश यादव एवं दीपक कुमार बंसल ने प्रत्याशियों को निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ विस्तारपूर्वक प्रदान कीं। मास्टर ट्रेनर्स ने पीपीटी के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया, नामांकन पत्र भरने की प्रक्रिया तथा आवेदन पत्रों में आवश्यक जानकारियाँ सही ढंग से अंकित करने के संबंध में सरल एवं प्रभावी तरीके से जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान भरे हुए आवेदन पत्रों के नमूने प्रदर्शित कर प्रत्याशियों को व्यावहारिक जानकारी भी दी गई, ताकि वे नामांकन प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझ सकें और आवेदन पत्र भरते समय होने वाली संभावित त्रुटियों से बच सकें। कार्यशाला के दौरान प्रत्याशियों ने निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न शंकाएँ एवं प्रश्न प्रस्तुत किए। मास्टर ट्रेनर्स ने सभी प्रश्नों का बिंदुवार समाधान करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी दी।

सातवें दिन भी धरना जारी

मनोहरपुर । मनोहरपुर कस्बे के प्राचीन मठेश्वर महादेव मंदिर की भूमि को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मंदिर की भूमि पर कथित रूप से पत्थर डालकर निर्माण शुरू किए।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बनवारी लाल कुम्हार, निवासी ग्राम निमाली, दौसा ने अपने पुत्र गौरव कुलचानिया को दिनांक 19/09/2026 से अपनी समस्त स्वअर्जित चल अचल संपत्ति एवं पारिवारिक संबंधों से बेदखल कर दिया है उसके किसी कृत्य के लिए बनवारी लाल कुम्हार जिम्मेदार नहीं रहेगें।
OMPRAKASH YADAV, Advocate
Rajasthan High Court, Mob: 8233905434

'बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा और सशक्तीकरण जरूरी'

दौसा में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर 150 मेधावी बालिकाएं और 25 शिक्षिकाओं को सम्मानित किया।

दौसा। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शनिवार को जिला परियोजना समन्वयक कार्यालय, समग्र शिक्षा, दौसा की ओर से गुप्तेश्वर रोड स्थित यशोधरा मैरिज गार्डन में जिला स्तरीय समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम अधिकारी समग्र शिक्षा लोकेश शर्मा ने बताया कि समारोह में जिले की विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली 150 मेधावी बालिकाओं तथा बालिका शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाली 25 शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की थीम 'बाल विवाह समाप्त करें और बालिकाओं के अधिकारों में निवेश करें रही। समारोह का उद्देश्य बालिकाओं की शैक्षिणक उपलब्धियों को प्रोत्साहित करना, बालिका शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली शिक्षिकाओं के योगदान को सम्मान देना तथा बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के उन्मूलन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भरतपुर संभाग की संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा संगीता मानवी ने अपने संबोधन में कहा कि बालिकाओं को शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और समान अवसर उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाकर तथा उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करके ही सशक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने बालिका शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाली शिक्षिकाओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षिकाएं बालिकाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और उनके सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक वीरेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और समान अवसर उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। बालिकाओं की शैक्षिणक उपलब्धियों को सम्मानित करने तथा बालिका शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाली शिक्षिकाओं को प्रोत्साहित करने से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। सहायक परियोजना समन्वयक रामगोपाल सोनी ने कहा कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने, बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने तथा उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। प्रत्येक बालिका को शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध कराकर ही एक सशक्त एवं समृद्ध समाज का निर्माण किया जा सकता है।

खाली प्लाट बना कचरापात्र , सड़क पर कचरा फैलने से परेशान

किशनगढ़ बास। नगर पालिका के वार्ड नंबर 17 के खुराना चौक के पास की गली का खाली प्लॉट आज का कचराघर नहीं, सालों पुराना कचरापात्र बना हुआ है। यह समस्या आज की नहीं, कई वर्षों से चली आ रही है, पुराने वार्ड पार्षद ओर नगर पालिका अधिकारियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया उसी का नतीजा है। वैसे वार्ड की नई पार्षद भारती को अभी ज्यादा समय नहीं हुआ है इसलिए उन्हें दौषी नहीं ठहराया जा सकता है। इस हालत के लिए नगर पालिका को सीधे दोषी नहीं ठहराया जा सकता। घर-घर कचरा संग्रह गाड़ी रोज आ रही है, सफाई कर्मचारी रोज आ रहा है। फिर भी कुछ लोगों ने खाली जगह देखकर इसे स्थाई कचरा पात्र बना रखा है। यह हमारी गंदी आदत और नगर पालिका की ओर से एक्शन नहीं लिए जाने का नतीजा है।

जब इस प्लॉट पर ज्यादा कूड़ा इकट्ठा हो जाता है तो जिम्मेदारी से हटाने के बजाय इसमें आग लगा देते हैं। कचरे में पड़ी प्लास्टिक, पॉलीथीन और गंदगी से निकलने वाला जहरीला धुआं पूरे मोहल्ले में फैल जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। दमा, सांस और आंखों की बीमारी को न्योता देने वाली यह आग स्वच्छता अभियान पर भी कालिख पोत रही है।

मालपुरा में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया

खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने भोजनालय से नमूने लेकर जांच के लिए संग्रहित किया।

- खाद्य सुरक्षा अधिकारी मदन लाल गुर्जर ने मालपुरा स्कूल में विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं पौष्टिक खान-पान के प्रति जागरूक किया

टोंक। सही खान-पान, स्वस्थ राजस्थान' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में जागरूकता गतिविधियों एवं खाद्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण कर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. मदन लाल गुर्जर ने मालपुरा स्थित तिलक बाल विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं पौष्टिक खान-पान, खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान तथा स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। वही इसी दौरान बस स्टैंड, मालपुरा स्थित आनंद पवित्र भोजनालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाई गई कमियों पर सुधार नोटिस जारी कर पनीर का नमूना लिया गया। वहीं, रूपा एजेंसीज से मैगी नूडल्स का नमूना लेकर जांच के लिए संग्रहित किया गया।

सीएमएचओ डॉ. शैलेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि 'सही खान-पान, स्वस्थ राजस्थान' अभियान का उद्देश्य आमजन को सुरक्षित एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थों के प्रति जागरूक करना तथा खाद्य पदार्थों में मिलावट पर प्रभावी रोक लगाना है। उन्होंने खाद्य कारोबारियों से खाद्य सुरक्षा मानकों एवं स्वच्छता नियमों की पालना सुनिश्चित करने की अपील की।

कार्यालय उपायुक्त (विद्याधर नगर जोन) नगर निगम जयपुर
(अम्बाबाड़ी सर्किल, अम्बाबाड़ी जयपुर)
क्रमांक: एफ-55()वि.जोन/ज.न.नि./2026/2315 दिनांक: 9/10/2026
सार्वजनिक सूचना
भूखंड सं. 29 - ए, चाँद बिहारी नगर, खातीपुरा रोड, झोटवाड़ा, जयपुर (शंकर गृह.नि.म.स) का जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्री बदरी लाल कुमावत पुत्र श्री रामकिशन कुमावत के पक्ष में दिनांक 04.11.1998 को क्षेत्रफल 250.00 वर्गगज भूमि का लीज डीड पट्टा जारी किया गया था। प्रकरण में मूल आवंटी श्री बदरी लाल कुमावत पुत्र श्री रामकिशन कुमावत ने जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 27.05.2004 के द्वारा श्री योगेंद्र प्रताप सिंह पुत्र श्री भंवर सिंह को बेचान कर दिया। आवेदक श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र श्री भंवर सिंह द्वारा भूखंड सं. 29-ए, चाँद बिहारी नगर, खातीपुरा रोड, जयपुर क्षेत्रफल 250.00 वर्गगज का लीज डीड पट्टा अपने पक्ष में जारी किये जाने हेतु आवेदन किया गया है। इस बाबत किसी भी व्यक्ति,संस्था, फर्म, कंपनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार नाम लीज डीड पट्टा की कार्यवाही संपादित कर ली जावेगी। **उपायुक्त, विद्याधर नगर जोन, नगर निगम जयपुर**

खोया पाया
मेरे फ्लैट नम्बर- 28/ST/L/102 (1-F) सतलुज अपार्टमेंट, सेक्टर-28, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर का ओरिजनल (अलाटमेंट लेटर+कब्जा पत्र+7डेज लैटर+मूल भौतिक कब्जा पत्र+ सभी जमा रशीद) कहीं खो गया मिलने पर सूचित करें जितेन्द्र सिंह- 9680072939

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना
मण्डल रेल प्रबन्धक इन्जीनिरिंग उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवम् उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अनुसार निर्धारित प्रपत्रों में निविदा निम्न कार्यो के लिए कमानुसार आमंत्रित की जाती है। **क. सं.: 1। निविदा संख्या:** इंजी./जय/2026-27/112 **कार्य का नाम:** DEN (HQ-I) JP सब-डिविजन: जगतपुरा में सिविल एसेट्स सिस्टम और बंगले, रेल क्लब व अन्य सर्विस बिल्डिंग के रखरखाव और संचालन के लिए टेक्निकल सर्विस देना: PHOD कॉलोनी और GM कॉलोनी में हॉर्टिकल्चर (बागवानी) के काम का रखरखाव (24 महीने की अवधि के लिए)। **अनुमानित लागत:** 20060476.12। **बिड प्रति भूति राशि:** 401200/-। 1. उपरोक्त निविदा का पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। नोटिस बोर्ड मण्डल रेल प्रबन्धक (निर्माण लेखा) उत्तर पश्चिम रेल जयपुर के कार्यालय में देखी जा सकती है। 2. निविदा **इंजी./जय/2026-27/112** की बन्द होने की तिथि **28.10.2026** समय **15.00** बजे एवं खुलने की तिथी **28.10.2026** समय 16.00 बजे। **1456-MG/26**
हमें /NWRailways /NWRailways_ पर फॉलो करे

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना
व.मं.बि. इंजी. (टीआरडी एण्ड जीएसयू), उ.प.रे., जयपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। कोई भी मैन्युअल टेण्डर स्वीकार नहीं किया जायेगा और अगर कोई मैन्युअल टेण्डर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। **क्र.सं. 1। एनआईटी संख्या:** ईएल-टीआरडी-जेपी-2026-27-04। **कार्य का नाम:** प्रोविजिन ऑफ रेट्रो-रिफ्लेक्टिव नंबर प्लेट्स ऑन ओएचई पोर्टल ड्रॉप आर्म्स। **अनुमानित लागत (रु):** 83,95,633.00। **बिड सिक्युरिटि राशि (रु):** 1,67,900.00। **निविदा खोलने की तिथि:** 06.11.2026। **क्र.सं. 2। एनआईटी संख्या:** ईएल-टीआरडी-जेपी-2026-27-05। **कार्य का नाम:** स्टैण्डर्ड अॅरेंजमेंट ऑफ ओएचई कॅंटिलीवर ऑन प्लेटफॉर्म ऑफ जयपुर डिवीजन। **अनुमानित लागत (रु):** 1,34,01,493.25। **बिड सिक्युरिटि राशि (रु):** 2,68,000.00। **निविदा खोलने की तिथि:** 06.11.2026। **नोट: ई-निविदा की अंतिम तिथि एवं समय:** निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे तक **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे बाद **सम्पूर्ण जानकारी के लिये वेबसाइट का पता:** http://www.ireps.gov.in **1459-MG/26**
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

किसानों को मांग के अनुरूप मिलेगा डीएपी- यूरिया : किरोड़ी लाल

- 'वर्तमान में 1 लाख 5 हजार 584 मीट्रिक टन डीएपी तथा 3 लाख 63 हजार 969 मीट्रिक टन यूरिया का स्टॉक उपलब्ध है'

कोटपूतली। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि प्रदेश में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। खरीफ सीजन-2026 में राज्य सरकार ने डीएपी एवं यूरिया की मांग से अधिक आपूर्ति कर किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराए हैं। रबी सीजन में भी किसानों की मांग के अनुरूप उर्वरकों की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसानों को उर्वरकों की उपलब्धता को लेकर चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, केंद्र सरकार से भी उर्वरकों की निरंतर आपूर्ति जारी है। कृषि मंत्री ने बताया कि खरीफ सीजन-2026 में डीएपी की 5 लाख 10 हजार मीट्रिक टन मांग के विरुद्ध 5 लाख 44 हजार 995 मीट्रिक टन डीएपी उपलब्ध कराया गया। इसी प्रकार यूरिया की 11 लाख मीट्रिक टन मांग के मुकाबले 17 लाख 15 हजार 814 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध कराया गया। इससे स्पष्ट है कि खरीफ सीजन में दोनों प्रमुख उर्वरकों की मांग के अनुरूप पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की गई। डॉ. मीणा ने बताया कि रबी सीजन में बुवाई अभी प्रारंभिक अवस्था में है।

नम्बर मिलाइए
8890333139

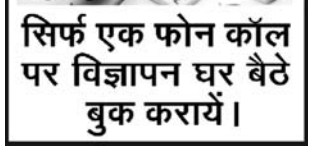

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

राम लीला भारतीय संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम: डॉ शैलेश सिंह

डीग में श्री रामलीला महोत्सव का शुभारंभ हुआ।

- विधायक ने कहा कि नगर परिषद को शहर में अलग एवं व्यवस्थित रामलीला मैदान विकसित करने की दिशा में प्रयास करना चाहिए।

डीग। भगवान श्रीराम का जीवन हम सभी के लिए आदर्श है। उनके जीवन से मर्यादा, त्याग, सत्य, कर्तव्य और संस्कारों की प्रेरणा मिलती है। प्रत्येक व्यक्ति को मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों और पदचिह्नों पर चलने का प्रयास करना चाहिए। यह बात मुख्य अतिथि डीग-कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह ने शुक्रवार को मुख्य बाजार स्थित रामलीला पंडाल में आचार्य पंडित नारायण लाल अखाड़ा रामलीला समिति के तत्वावधान में आयोजित रामलीला महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर कही।

विधायक डॉ सिंह ने कहा कि मुख्य बाजार में रामलीला के आयोजन से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और दर्शक पहुंचते हैं। नगर परिषद को शहर में अलग एवं व्यवस्थित रामलीला मैदान विकसित करने की दिशा में प्रयास करना चाहिए, ताकि भविष्य में महोत्सव का आयोजन अधिक बेहतर और सुविधाजनक तरीके से हो सके।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान, वैदिक मंत्रोच्चार और भगवान गणेश के पूजन के साथ हुआ। विद्वान पंडितों ने धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया।

रामलीला समिति के अधिष्ठाता पंडित सूर्यमान शास्त्री ने अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। इसके बाद महोत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों का विधिवत शुभारंभ हुआ।

पंडित शास्त्री ने आचार्य पंडित नारायण लाल अखाड़ा रामलीला की परंपरा और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रामलीला केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपरा और नैतिक मूल्यों को समाज तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। इसके प्रसंग भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, मर्यादा और धर्म के संदेश को जन-जन तक पहुंचाते हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता अमरनाथ गुप्ता ने आयोजन समिति को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन समाज में संस्कार और आपसी सद्भाव मजबूत करते हैं। इस अवसर पर नगर परिषद सभापति अर्पित गुप्ता,संयोजक भगवान शरण गुप्ता, अनिल गुप्ता एडवोकेट, राजेश चनसौरिया, लखपत गुर्जर, पार्षद गौरव सोनी, सोहनलाल शर्मा, प्रेम,भवानी शंकर शर्मा सहित समिति पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
EPC मोड के आधार पर
सिंगल स्टेज टू पैकेट सिस्टम
मुख्य विद्युत अभियंता/परियोजना, उ. प. रेलवे, जयपुर द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली ई-निविदा का ऑन लाईन ई-टेण्डर आमंत्रित किया जाता हैं। निविदाकार अपना मूल/परिवर्तित प्रस्ताव ई-निविदा बंद होने की तारीख व समय से पूर्व ऑन लाईन भर दें। **ई-टेण्डर नोटिस संख्या:** बोली/पैकेज नंबर EL-PROJ-PSI-JP-EPC-02। **कार्य का नाम व लोकेशन:** नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे के जयपुर डिवीज़न के बांदीकुई-जयपुर सेक्शन में 2x25 KV ट्रैक्शन सिस्टम (स्कॉट कनेक्टेड ट्रांसफॉर्मर) के तहत 132/55 KV ट्रैक्शन सबस्टेशन, सेक्शनिंग पोस्ट (SPs) और सब-सेक्शनिंग पोस्ट (SSPs) का डिज़ाइन, सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टिंग और कमीशनिंग। **अनुमानित लागत:** रूपये 1,52,81,07,371.06/-। **धरोहर राशि:** रूपये 3,05,62,200.00/-। **कार्य पूरा होने की अवधि:** 540 दिन। **ई-टेण्डर भरने की अंतिम तिथि और समय:** 11/12/2026 (15:00 hrs.)। **वेबसाईट का विवरण:** www.ireps.gov.in। **नोट:** कोई भी मैन्युवल टेण्डर स्वीकार नहीं किया जायेगा। **1458-MG/26**
हमें /NWRailways /NWRailways_ पर फॉलो करे

नाम परिवर्तन
मै जय सिंह शेखावत पुत्र श्री शंकर सिंह शेखावत, निवासी - प्लॉट नम्बर ए-31, गणेश नगर-17, कालवाड़ रोड, पीथावास, हाथोज, झोटवाड़ा, जयपुर, राजस्थान-302012,यह कि मैंने मेरा नाम जय सिंह से बदलकर, जय सिंह शेखावत कर लिया है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचान जावे।

I Sayitri Devi Mother of No. 13626233W Rank Hav Name Sarat Singh Rana Add- Vill- Nald, PO-Gangori,Teh- Bhatwari, Dist-Uttarkashi, State- Uttarakhand, Pin-249193, Have Changed my Name Sayitri Devi to Savitri Devi Vide Affidavit No-FH0021602825,jaipur Raj. Date-10.10.26

I smt ucchab kanwar W/O army no 1026993X Rank Hon NB RIS Late Moti singh vill asti khurd post Asti kala teh . chomu dist jaipur that i want to change name of my son from LAL SINGH to RAJENDRA SINGH vide affidavit dated 9 oct 26 before sub divisional officer chomu jaipur

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, चाकसू, जिला-जयपुर (राज.)
क्रमांक-न.पा.चा./2026/577 **लोक सूचना** दिनांक-09/10/2026
आवेदक भूलीदेवी पत्नि गंगाराम हिस्सा- पूर्ण जाति- मीणा निवासी वार्ड न.23 पीपली वाली ढाणी क.चाकसू खातेदार ने इस कार्यालय मे नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारो के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र (हैक्टे.में)	प्रयोजन
तहसील चाकसू जिला जयपुर	ग्राम-चाकसू (पूर्व), पटवार हल्का-चाकसू पूर्व, भू.अभि.नि.-चाकसू तहसील-चाकसू, जिला जयपुर	1822	0.4000	आवासीय प्रयोजनार्थ
		कुल किता 1	0.4000	

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 09/10/26 को जारी की गयी। **अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका चाकसू**

पाएं सोने का सिक्का और भी बहुत कुछ जीतने का मौका#

इंस्टेंट डिस्काउंट ₹ 10 000^ तक SBI card HDFC BANK pine labs

कम डाउन पेमेंट ₹6 999^ से शुरू

एक्सक्लूसिव कॉर्पोरेट ऑफ़र ₹ 2 200* तक

Hero GoodLife

Also Available on: Flipkart amazon.in

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - IL. New Delhi-110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC017354. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. *T&C Apply. Actual vehicle colour may vary slightly due to printing variations. #Limited period offer, T&C apply. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any or all offers without prior notice.

TOLL FREE 1800 266 0018

बल्क/संस्थागत पूछताछ के लिए, कृपया हमें institutionalsales@heromotocorp.com पर लिखें | CSD में उपलब्ध है

अधिकृत डीलर: जयपुर: सूर्या हीरो, सीकर रोड़, लेन नं. 8, वीकेआईए, 9289922901, सुप्रीम हीरो, गोविन्द मार्ग, राजापार्क, 9289922197, आकड़ हीरो, अजमेर रोड, 9289922192, शुभम हीरो, सहकार मार्ग, 9289922207, कोटपूतली: चौधरी हीरो, 9289922797, मानपुर: सुखराम हीरो, 9783877225, एसोशिएट डीलर: मानसरोवर: आर.एल. मोटर्स, 9579258884, जगतपुरा: टीनिटी मोटर्स, 8003088062, करबला (जयपुर): सुपर मोटर्स, 8824088678, सिरसी रोड़ मीनावाला: रजत स्पीड जोन, 9261499995, बगरू: लाम्बा मोटर्स, 97728 81888, भांकरोटा: हरितवाल ऑटोमोबाइल्स, 9314013185, चाकसू: नाकोडा ऑटोमोबाइल, 9950560918, बस्सी: वरधानी ऑटोमोबाइल्स, 9414312552, सर्राफ ऑटोमोबाइल्स, 9414751333, दूदू: श्री गणेश ऑटोमोबाइल्स, 9352727667, शाहपुरा: सत्यम मोटर्स, 8104361919, हरमाड़ा: बी.एल. ऑटोमोबाईल्स, 9314050594, फुलेरा: अग्रवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414818930, जमवा रामगढ़: उदय ऑटोमोबाइल्स, 9828090676, जोबनेर: केशव ऑटोमोबाईल्स, 8769505565, पावटा: पंकज मोटर्स, 96104 26700, कानोता: के.पी. ऑटोमोबाइल्स, 9414228404, मनोहरपुर: श्री कृष्णा मोटर्स, 8560000816, 9414643816, अचरोल: हैप्पी ऑटोमोबाइल, 9829321200, 7073888288 आंतेला: सैनी ऑटोमोबाइल्स, 7790999997, जयपुर: हार्दिक मोटर, 9828085118, रेनवाल मांजी: सालासर मोटर्स, 9001094391, मेढ़: किरण मोटर्स, 9314039090, वाटिका: बालाजी मोटर्स, 8875558222, 9549997999, तुंगा: जय बालाजी मोटर्स, 8094528008, 9549652279, कोटखावादा: श्री राम मोटर्स, 9414866716, विराटनगर: बागड़ा मोटर्स, 9928776482, वैशाली नगर: सिद्धिक मोटर्स, 9610444469, कुकस: आदित्य मोटर्स, 9829494009, दौलतपुरा: त्रिवेणी मोटर्स 6377644292, प्रताप नगर: आनंद मोटर्स 9773343232, सांगानेर: मुहाना मोटर्स, 9351591591, रायसर: श्री बालाजी मोटर्स, 9414493720, झोटवाड़ा: प्राइम मोटर्स, 9358048181, एम आर मोटर्स, 0141-2348111, बेनर रोड: पूनिया मोटर्स, 9928868990, पालड़ी मीणा: बॉर्डर मोटर्स, 9376000602, बोराज: ओम मोटर्स, 9351825554.